डाक पंजीयन नं. 99/2021–23

E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.aadhuniksamachar.com

PG-5

PG-5

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

आधुनिक समाचार

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

सिनेमा- 'डार्लिंग्स' का ट्रेलर हुआ रिलीज

वर्ष -08 अंक -127 प्रयागराज, मंगलवार 26, जुलाई, 2022 पृष्ठ- 8 मूल्य : 2.00 रूपये

संक्षिप्त समाचार

नशेड़ी बेटे की हत्या कर बाप ने ग्राइंडर से किए टुकड़े

नई दिल्ली । शहर में अलग-अलग जगह फेंके शरीर के अंगआरोपी पिता ने बचने के लिए बेटे के हाथ और पैरों को शव से अलग कर दो अलग स्थानों पर फेंक दिया। लेकिन जांच के बाद पता चला कि शरीर के टुकड़े एक ही आदमी के हैं। पुलिस ने आरोपी पिता नीलेश जोशी को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया, वह भागने की फिराक में था। एक बाप इतना बेरहम कैसे हो सकता है कि अपने ही बेटे की हत्या कर दे लेकिन ऐसा गुजरात में हुआ है। अहमदाबाद में एक बुजुर्ग पिता ने 21 वर्षीय बेटे की नशे की लत से परेशान होकर उसकी धारदार हथियार से हत्या कर दी। बाप यहीं नहीं रुका उसने हत्या के बाद ग्राइंडर से बेटे का सिर, हाथ और पैरों को शव से अलग कर दिया। इसकी जानकारी पुलिस ने देते हुए कहा कि आरोपी पिता ने बचने के लिए बेटे के हाथ और पैरों को शव से अलग कर दो अलग स्थानों पर फेंक दिया। लेकिन जांच के बाद पता चला कि शरीर के टुकड़े एक ही आदमी के हैं। पुलिस ने आरोपी पिता नीलेश जोशी को राजस्थान से गिरफ्तार कर लिया, वह भागने की फिराक में था। दो अलग स्थानों से एक कटा हुआ सिर, हाथ और पैर बरामद हुए पुलिस अधिकारियों ने मामले की जानकारी देते हुए कहा कि 20 और 21 जुलाई को अहमदाबाद के एक इलाके में दो अलग स्थानों से एक कटा हुआ सिर, हाथ और पैर बरामद हुए थे। पुलिस ने शरीर के अंग अपने कब्जे में लेकर जांच के लिए भेजा। इसके बाद आई रिपोर्ट में पता चला कि कटे शरीर के अंग एक ही आदमी के है। आगे पुलिस अधिकारी ने बताया कि मानवीय खुफिया जानकारी और तकनीकी के आधार पर अपराध शाखा ने आरोपी पिता जोशी को इस मामले में संदिग्ध माना है। नेपाल भागना चाहता था आरोपी अधिकारी ने बताया कि आरोपी देश से भागने के प्रयास में था वह नेपाल भागना चाहता था इसके लिए वह 22 जुलाई को अहमदाबाद से सूरत के लिए बस से निकला था ।

मुर्मू बनीं देश की 15वीं राष्ट्रपति, बोलीं मेरे लिए जनता का हित सर्वोपरि

नई दिल्ली । द्रौपदी मुर्मू ने देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में शपथ ले ली हैं। सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश एनवी रमण ने उन्हें शपथ दिलाई। बता दें कि मुर्मू देश की दूसरी महिला राष्ट्रपति हैं, सर्वोच्च संवैधानिक पद संभालने वाली पहली आदिवासी महिला और स्वतंत्र भारत में पैदा होने वाली पहली राष्ट्रपति हैं।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैंने ओडिशा के गांव से जीवन यात्रा शुरू की है। ये पद मेरी उपलब्धि नहीं, बल्कि देश के गरीबों की उपलब्धि है। लोकतंत्र की शक्ति से यहां पहुंची हूं। मैं गौरवान्वित महसूस कर रही हूं। मेरे लिए जनता का हित सर्वोपरि है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं चाहती हूं कि हमारी सभी बहनें व बेटियां अधिक से अधिक सशक्त हों तथा वे देश के हर क्षेत्र में अपना योगदान बढ़ाती रहें। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि जगत कल्याण की भावना के साथ, मैं आप सब के विश्वास पर खरा उतरने के लिए पूरी निष्ठा व लगन से काम करने के लिए सदैव तत्पर रहूंगी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मेरा जन्म तो उस जनजातीय परंपरा में हुआ है जिसने हजारों वर्षों से प्रकृति के साथ ताल-मेल बनाकर जीवन को आगे बढ़ाया है। मैंने जंगल और जलाशयों के महत्व को अपने जीवन में महसूस किया है। हम प्रकृति से जरूरी संसाधन लेते हैं और उतनी ही श्रद्धा से प्रकृति की सेवा भी करते हैं। मैंने अपने अब तक के जीवन में जन-सेवा में ही जीवन की सार्थकता को अनुभव किया है। जगननथ क्षेत्र के एक प्रख्यात कवि भीम भोई जी की कविता की एक पंक्ति है। ङ्कमो जीवन पछे नर्के पड़ी थाउ, जगत उद्धार अर्थात, अपने जीवन के हित-अहित से बड़ा जगत कल्याण के लिए कार्य करना होता है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं अपने देश के युवाओं से कहना चाहती हूं कि आप न केवल अपने भविष्य का निर्माण कर रहे हैं बल्कि भविष्य के भारत की नींव भी रख रहे हैं। देश के राष्ट्रपति के तौर पर मेरा हमेशा

आपको पूरा सहयोग रहेगा। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि नेताजी सुभाष चन्द्र बोस, नेहरू जी, सरदार पटेल, बाबा साहेब आंबेडकर, भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरू, चन्द्रशेखर आज़ाद जैसे अनगिनत स्वाधीनता सेनानियों ने हमें राष्ट्र के स्वाभिमान को सर्वोपरि रखने की शिक्षा दी थी। रानी लक्ष्मीबाई, रानी वेलु नचियार, रानी गाइदिन्लियू और रानी चेनन्म्मा जैसी अनेकों वीरांगनाओं ने राष्ट्ररक्षा और राष्ट्रनिर्माण में नारीशक्ति की भूमिका को नई ऊंचाई दी थी। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि राष्ट्रपति के पद तक पहुंचना, मेरी व्यक्तिगत उपलब्धि नहीं है, ये भारत के प्रत्येक गरीब की उपलब्धि है। मेरा निर्वाचन इस बात का सबूत है कि भारत में गरीब सपने देख भी सकता है और उन्हें पूरा भी कर सकता है। मेरे इस निर्वाचन में, पुरानी लीक से हटकर नए रास्तों पर चलने वाले भारत के आज के युवाओं का साहस भी शामिल है। ऐसे प्रगतिशील भारत का नेतृत्व करते हुए आज मैं खुद को गौरवान्वित महसूस कर रही हूँ। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैं जनजातीय समाज से हूँ, और वार्ड कौन्सिलर से लेकर भारत की राष्ट्रपति बनने तक का अवसर मुझे मिला है। यह लोकतंत्र की जननी भारतवर्ष की महानता है। ये हमारे लोकतंत्र की ही शक्ति है कि उसमें एक गरीब घर में पैदा हुई बेटी, दूर-सुदूर आदिवासी क्षेत्र में पैदा हुई बेटी, भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद तक पहुंच सकती है। राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि मैंने अपनी जीवन यात्रा ओडिशा के एक छोटे से आदिवासी गांव से शुरू की थी। मैं जिस पृष्ठभूमि से आती हूं, वहां मेरे लिये प्रारंभिक शिक्षा प्राप्त करना भी एक सपने जैसा ही था। लेकिन अनेक बाधाओं के बावजूद मेरा संकल्प दृढ़ रहा और मैं कॉलेज जाने वाली अपने गांव की पहली बेटी बनी। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि कल यानि 26 जुलाई को कारगिल विजय दिवस भी है। ये दिन, भारत की सेनाओं के शौर्य और संयम, दोनों का ही प्रतीक है। मैं आज, देश की सेनाओं को तथा देश के समस्त नागरिकों को कारगिल विजय दिवस की अग्रिम शुभकामनाएं देती हूं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि हमारे स्वाधीनता सेनानियों ने आजाद हिंदुस्तान के हम नागरिकों से जो अपेक्षाएं की थीं, उनकी पूर्ति के लिए इस अमृतकाल में हमें तेज गति से काम करना है। इन 25 वर्षों में अमृतकाल की सिद्धि का रास्ता दो पटरियों पर आगे बढ़ेगा- सबका प्रयास और सबका कर्तव्य। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि मैं देश की ऐसी पहली राष्ट्रपति भी हूं जिसका जन्म आज़ाद भारत में हुआ है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि ये भी एक संयोग है कि जब देश अपनी आजादी के 50वें वर्ष का पर्व मना रहा था तभी मेरे राजनीतिक जीवन की शुरुआत हुई थी। और आज आजादी के 75वें वर्ष में मुझे ये नया दायित्व मिला है। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि भारत के सर्वोच्च संवैधानिक पद पर निर्वाचित करने के लिए मैं सभी सांसदों और सभी विधानसभा सदस्यों का हार्दिक आभार व्यक्त करती हूं। आपका मत देश के करोड़ों नागरिकों के विश्वास की अभिव्यक्ति है।

चुनाव कानून संशोधन अधिनियम के खिलाफ याचिका पर आज सुनवाई करेगा सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली । कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने अपनी याचिका में कहा है कि वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करना नागरिकों की निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है और यह असंवैधानिक है और संविधान के विपरीत है। आधार कार्ड को वोटर आईडी से लिंक करना अनिवार्य करने पर अब राजनीति शुरू हो गई है। वोटर कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने को लेकर किए गए चुनाव कानून संशोधन अधिनियम के खिलाफ कांग्रेस नेता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की है। सुरजेवाला की याचिका पर सुप्रीम कोर्ट सोमवार को सुनवाई करेगा।

न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एएस बोपनन की पीठ इस याचिका पर सुनवाई करेगी। वोटर कार्ड को आधार से लिंक करना असंवैधानिकः सुरजेवाला कांग्रेस नेता सुरजेवाला ने अपनी याचिका में कहा है कि वोटर कार्ड को आधार कार्ड से लिंक करना नागरिकों की निजता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन है और यह असंवैधानिक है और संविधान के विपरीत है। कांग्रेस का एक तर्क यह भी है कि आधार नागरिकता का नहीं बल्कि निवासी होने का प्रमाण है, जबकि वोटर आईडी कार्ड नागरिकता का अधिकार देता है। आधार डाटा को इलेक्ट्रॉनिक इलेक्टोरल फोटो पहचान पत्र डाटा के साथ जोड़ने से मतदाताओं का व्यक्तिगत और निजी डाटा एक वैधानिक प्राधिकरण को उपलब्ध होगा और यह मतदाताओं पर एक सीमा लागू करेगा। यानी मतदाताओं को अब अपने संबंधित आधार विवरण प्रस्तुत करके निर्वाचक पंजीकरण अधिकारी (प्रतिवादी संख्या दो) के समक्ष अपनी पहचान स्थापित करनी होगी नागरिकों के डाटा की सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं याचिका में कहा गया है कि वर्तमान में नागरिकों के डाटा की सुरक्षा के लिए कोई कानून नहीं है, इस तथ्य से स्थिति और गंभीर हो जाएगी। याचिका में दावा किया गया है कि चुनाव कानून में संशोधन मतदाता के प्रोफाइलिंग को भी सक्षम कर सकता है क्योंकि आधार से जुड़ी सभी जनसांख्यिकीय जानकारी मतदाता पहचान पत्र से जुड़ी होगी। मतदाता को मताधिकार से वंचित करने की संभावना बढ़ सकती है यह सैद्धांतिक रूप से मतदाताओं की पहचान के आधार पर मताधिकार से वंचित करने/धमकाने की संभावना को भी बढ़ा सकता है। याचिका में कहा गया है कि ठयह मतदाताओं की निगरानी और मतदाताओं के निजी संवेदनशील डाटा के व्यावसायिक शोषण की संभावना को भी बढ़ा सकता है।ठ सरकार के चुनाव सुधार कार्यक्रम का हिस्सा मौजूदा केंद्र सरकार के चुनाव सुधार कार्यक्रम के तहत निर्वाचन आयोग ने आधार कार्ड को मतदाता पहचान पत्र के जरिए इलेक्टोरल डाटा के साथ जोड़ने का प्रोजेक्ट शुरू किया है। इसका मकसद एक ही व्यक्ति के नाम से कई वोटर आईडी को खत्म करना है। साथ ही चुनावी प्रक्रिया को त्रुटि रहित बनाना है। इसके लिए बने संशोधित कानून के मुताबिक इलेक्टोरल रजिस्ट्रेशन ऑफिसर किसी भी व्यक्ति से उसका आधार नंबर मांग सकता है। हालांकि इससे जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि आधार कार्ड या नंबर सिर्फ पहचान है का दस्तावेज है, लेकिन ये नागरिकता का आधार नहीं है। विपक्षी दल कर रहे लगातार विरोध आधार और वोटर आईडी को लिंक करने का लगभग सभी विपक्षी दल लगातार विरोध कर रहे हैं।

168 दिन बाद संक्रमण दर 7 प्रतिशत के पार, 1.50 लाख से ज्यादा हुए सक्रिय मरीज

नई दिल्ली । केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आज 16,866 मामले सामने आए हैं। बीते 24 घंटों में कोरोना के कारण 41 लोगों की मौत हुई है देश में कोरोना संक्रमण के मामलों में उतार-चढ़ाव जारी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की रिपोर्ट के मुताबिक, देश में आज 16,866 मामले सामने आए हैं। यह संख्या बीते दिनों से भले ही कम हो, लेकिन संक्रमण दर अभी भी स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए चिंता का विषय बना हुआ है। रिपोर्ट के मुताबिक, देश में 168 दिनों बाद संक्रमण दर सात प्रतिशत के पार जा चुकी है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, दैनिक सकारात्मकता दर 7.03 प्रतिशत दर्ज की गई है। वहीं साप्ताहिक सकारात्मकता दर 4.49 प्रतिशत है। वहीं, दैनिक सक्रिय मामले घटकर 1,50,877 हो गए हैं। इसके साथ ही भारत में कोरोना मामलों की संख्या बढ़कर 4,39,05,621 हो गई है। 24 घंटे में 41 की मौत देश में बीते 24 घंटों में कोरोना के कारण 41 लोगों की मौत हुई है। इसके बाद देश में कोरोना के कारण मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,26,074 हो गई है। जबकि मृत्यु दर 1.20 प्रतिशत दर्ज की गई।

पार्थ चटर्जी को लेने अस्पताल पहुंची ईडी की टीम

नई दिल्ली ।आज भुवनेश्वर एम्स किया जाएगा शिफ्टईडी ने कोर्ट में कहा कि पार्थ चटर्जी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती रखने की जरूरत नहीं है। उनकी जांच भी की जा चुकी है। ईडी ने कहा कि वह धमका रहे हैं और किसी भी तरह का सहयोग नहीं कर रहे हैं। पश्चिम बंगाल के कथित स्कूल भर्ती घोटाले में फंसे मंत्री पार्थ चटर्जी और उनकी सहयोगी अर्पिता मुखर्जी को लेकर ईडी की जांच का दायरा बढ़ता जा रहा है। कलकत्ता हाईकोर्ट ने ईडी की मांग मानते हुए पार्थ चटर्जी को इलाज के लिए भुवनेश्वर एम्स ले जाने की इजाजत दे दी है। कोर्ट ने

कहा है कि ईडी पार्थ को सोमवार सुबह ही एयर एंबुलेंस के जरिए एम्स ले जा सकती है। आज सुबह करीब छह बजे ईडी के अधिकारी कोलकाता के एसएसकेएम अस्पताल पहुंचे, जहां राज्य के उद्योग मंत्री और पूर्व शिक्षा मंत्री पार्थ चटर्जी भर्ती हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के आदेश के अनुसार, उन्हें आज एयर एम्बुलेंस द्वारा एम्स, भुवनेश्वर स्थानांतरित कर दिया जाएगा। उनके साथ एसएसकेएम अस्पताल के एक डॉक्टर और उनके वकील को ले जाने की छूट दी गई है। गौरतलब है कि पार्थ चटर्जी को एसएसकेएम अस्पताल से कमांड अस्पताल में स्थानांतरित करने पर ईडी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय में एक याचिका दायर की थी। ईडी ने कोर्ट से कहा था कि जितने समय के लिए पार्थ अस्पताल में भर्ती हैं, उस समय को कस्टडी के तौर पर न लिया जाए। अगर उन्हें चिकित्सीय इलाज की जरूरत होगी तो हम उन्हें दिल्ली या कल्याणी के एम्स ले जा सकते हैं। दरअसल, पश्चिम बंगाल के मंत्री पार्थ चटर्जी को बेचैनी की शिकायत के बाद शनिवार शाम को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। खास बात यह है कि शहर की एक अदालत द्वारा दो दिन की ईडी हिरासत में भेजे जाने के कुछ घंटे बाद ही उन्हें सरकारी एसएसकेएम अस्पताल के आईसीसीयू में भर्ती कराया गया था। ईडी ने कहा- पार्थ चटर्जी दे रहे डॉन की तरह धमकी पश्चिम बंगाल में शिक्षक घोटाले में गिरफ्तार उद्योग मंत्री पार्थ चटर्जी की करीबी अर्पिता मुखर्जी को रविवार को बैंकशाला कोर्ट ने एक दिन की प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के रिमांड में भेज दिया। वहीं, ईडी ने कोर्ट में कहा कि पार्थ डॉन की तरह व्यवहार कर रहे हैं और धमका रहे हैं। इससे पहले ईडी ने अर्पिता को बैंकशाला कोर्ट में पेश किया और सात के रिमांड की मांग करते हुए कहा कि पार्थ चटर्जी और अर्पिता को आमने-सामने बिठाकर पूछताछ करनी है। लेकिन, कोर्ट ने एक ही दिन के लिए रिमांड दी। साथ ही अर्पिता की जमानत याचिका भी खारिज कर दी। ईडी ने कोर्ट में कहा कि पार्थ चटर्जी पूरी तरह से स्वस्थ हैं। उन्हें अस्पताल में भर्ती रखने की जरूरत नहीं है। उनकी जांच भी की जा चुकी है। ईडी ने कहा कि वह धमका रहे हैं और किसी भी तरह का सहयोग नहीं कर रहे हैं। रातभर बेचैन रहे चटर्जी एसएसकेएम अस्पताल में भर्ती पार्थ ने रात में खाना खाया, लेकिन उन्हें ठीक से नींद नहीं आई और वे रातभर बेचैन रहे। पार्थ का काडियोलॉजी विभाग में इलाज चल रहा था। जहां छह डॉक्टरों का एक पैनल उनका उपचार कर था। भाजपा ने कहा- सीएम ममता की चुप्पी अपराध की स्वीकृति पार्थ चटर्जी की गिरफ्तारी पर ममता बनर्जी की चुप्पी को लेकर भाजपा ने तीखे सवाल उठाए हैं। पार्टी के आईटी प्रमुख अमित मालवीय ने कहा, ममता बनर्जी की चुप्पी उनके इस भ्रष्टाचार में शामिल होने की स्वीकृति है। अब चटर्जी से खुद को दूर करने की कोशिश कर रही हैं, लेकिन पार्थ और उनके सहयोगियों से ममता के करीबी रिश्ते तो जगजाहिर हैं। केंद्रीय मंत्री राजीव चंद्रशेखर ने कहा कि उनका भ्रष्टाचार सामने न आए इसी वजह से एक साजिश के तहत केंद्रीय एजेंसियों को निशाना बना रही हैं। एजेंसी तृणमूल की मांग, समयबद्ध हो जांच तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने पार्थ चटर्जी के खिलाफ ईडी मामले की समयबद्ध जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि ऐसा इसलिए क्योंकि केंद्रीय जांच एजेंसियों की जांच सालों तक चलती रहती है। कहा-जिस समय घोटाला होने की बात कही जा रही है, क्या नोट उसी समय के हैं। क्या यह सब कुछ मिलान हो रहा है या नहीं।

सुबह साढ़े तीन बजे उठती हैं मुर्मू, खुद से साफ करती हैं मंदिर

नई दिल्ली । पढ़ें राष्ट्रपति की दिनचर्याद्रौपदी मुर्मू देश की 15वीं राष्ट्रपति बन गई हैं। आदिवासी समाज से उठकर देश के सर्वोच्च पद तक पहुंचने वाली मुर्मू पहली और इकलौती हैं। मुर्मू का पद भले ही आज सबसे बड़ा हो गया, लेकिन उन्होंने अपनी जड़ें कभी नहीं छोड़ीं। इसका गवाह उनकी रोज की

दिनचर्या है। राष्ट्रपति मुर्मू हर रोज सुबह साढ़े तीन बजे उठ जाती हैं। इसके बाद करीब एक घंटे मॉर्निंग वॉक और योग करती हैं। फिर खुद से मंदिर साफ करती हैं। मंदिर को पानी से धुलती हैं और पूजा करती हैं। करीब एक घंटे तक रोज मुर्मू ध्यान लगाती हैं। राष्ट्रपति मुर्मू शिव की बड़ी भक्त हैं। दो बेटों और पति को खोने के बाद वह ब्रह्मकुमारी संस्थान से जुड़ गईं। संस्थान की मुखिया सुप्रिया बताती हैं, 'द्रौपदी के साथ शिव बाबा के ध्यान के लिए ट्रांसलाइट और एक छोटी सी पुस्तिका हमेशा रहती है। वह जहां-जहां रहने जाती हैं, वहां पूजा के लिए मंदिर जरूर बनाती हैं।'ध्यान-पूजा पाठ करने के बाद राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू नाश्ता करती हैं। नाश्ते में काजू-बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स जरूर लेती हैं। इस दौरान वह अखबार और कुछ अध्यात्मिक पुस्तकें भी पढ़ती हैं। फिर अपने कार्यक्रम के हिसाब से पब्लिक की समस्याओं को दूर करने में जुट जाती हैं। मुर्मू रोज जनता से सीधे संवाद करने की कोशिश करती हैं, ताकि आम लोगों की समस्याओं को दूर किया जा सके। मुर्मू शुद्ध शाकाहारी हैं। यहां तक की प्याज और लहसुन भी नहीं खाती हैं। उन्हें ओडिशा की मिठाई चेनन पोड़ा बहुत पसंद है। इसके अलावा पखाल यानी पानी का भात और सजना यानी सहजन का साग भी खाने में पसंद करती हैं। मुर्मू के घर में सहजन का पेड़ भी लगा है। दोपहर में राष्ट्रपति का खाना भी सामान्य होता है। चावल, साग-सब्जी और रोटी खाती हैं। रात में फल के साथ हल्दी वाला दूध जरूर लेती हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को खाना बनाने का भी शौक है। उनके रिश्तेदार बताते हैं कि वह बहुत अच्छा खाना बनाती हैं। उन्होंने अपने घर में कई लोगों को खाना बनाना भी सिखाया। इसके अलावा कभी जब त्योहार और बड़े कार्यक्रम होते हैं तो मुर्मू खुद ही खाना बनाकर दूसरों को खिलाना पसंद करती हैं। द्रौपदी का जन्म ओडिशा के मयूरगंज जिले के बैदपोसी गांव में 20 जून 1958 को हुआ था। द्रौपदी संथाल आदिवासी जातीय समूह से संबंध रखती हैं। उनके पिता का नाम बिरांची नारायण टुडू एक किसान थे। द्रौपदी के दो भाई हैं। द्रौपदी की शादी श्यामाचरण मुर्मू से हुई। उनसे दो बेटे और दो बेटी हुई। साल 1984 में एक बेटी की मौत हो गई। द्रौपदी का बचपन बेहद अभावों और गरीबी में बीता था। लेकिन अपनी स्थिति को उन्होंने अपनी मेहनत के आड़े नहीं आने दिया। उन्होंने भुवनेश्वर के रमादेवी विमेंस कॉलेज से सनतक तक की पढ़ाई पूरी की। बेटी को पढ़ाने के लिए द्रौपदी मुर्मू शिक्षक बन गईं। मुर्मू की स्कूली पढ़ाई गांव में हुई। साल 1969 से 1973 तक वह आदिवासी आवासीय विद्यालय में पढ़ीं। इसके बाद सनतक करने के लिए उन्होंने भुवनेश्वर के रामा देवी वुमंस कॉलेज में दाखिला ले लिया। मुर्मू अपने गांव की पहली लड़की थीं, जो सनतक की पढ़ाई करने के बाद भुवनेश्वर तक पहुंची।

नेपाल में महसूस किए गए भूकंप के झटके

नई दिल्ली ।जानें रिक्टर स्केल पर कितनी रही तीव्रतामणिपुर में सोमवार सुबह करीब 5:52 बजे भूकंप के झटके महसूस किए गए। यहां इसकी तीव्रता 4.1 रही। भूकंप से किसी जानमाल के नुकसान की कोई खबर नहीं है। इसकी जानकारी नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी ने दी है। भूकंप के आने की मुख्य वजह धरती के अंदर प्लेटों का टकराना है। धरती के भीतर सात प्लेट्स होती हैं जो लगातार

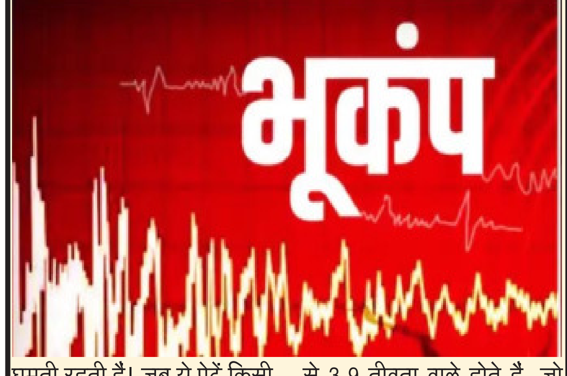

घूमती रहती हैं। जब ये प्लेटें किसी जगह पर आपस में टकराती हैं, तो वहां फॉल्ट लाइन जोन बन जाता है और सतह के कोने मुड़ जाते हैं। सतह के कोने मुड़ने की वजह से वहां दबाव बनता है और प्लेट्स टूटने लगती हैं। इन प्लेट्स के टूटने से अंदर की एनर्जी बाहर आने का रास्ता खोजती है, जिसकी वजह से धरती हिलती है और हम इसे भूकंप मानते हैं। भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 2.0 से कम तीव्रता वाले भूकंप को माइक्रो कैटेगरी में रखा जाता है और यह भूकंप महसूस नहीं किए जाते। रिक्टर स्केल पर माइक्रो कैटेगरी के 8,000 भूकंप दुनियाभर में रोजाना दर्ज किए जाते हैं। इसी तरह 2.0 से 2.9 तीव्रता वाले भूकंप को माइनर कैटेगरी में रखा जाता है। ऐसे 1,000 भूकंप प्रतिदिन आते हैं इसे भी सामान्य तौर पर हम महसूस नहीं करते। वेरी लाइट कैटेगरी के भूकंप 3.0 से 3.9 तीव्रता वाले होते हैं, जो एक साल में 49,000 बार दर्ज किए जाते हैं। इन्हें महसूस तो किया जाता है लेकिन शायद ही इनसे कोई नुकसान पहुंचता है। लाइट कैटेगरी के भूकंप 4.0 से 4.9 तीव्रता वाले होते हैं जो पूरी दुनिया में एक साल में करीब 6,200 बार रिक्टर स्केल पर दर्ज किए जाते हैं। इन झटकों को महसूस किया जाता है और इनसे घर के सामान हिलते नजर आते हैं।

एंटी करप्शन एंड क्राइम इंटेलिजेंस कोर्स का पहला वार्षिकोत्सव मनाया गया पूरी भव्यता के साथ

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। इकाई के द्वारा एंटी करप्शन एंटी क्राइम इंटेलिजेंस फोर्स का पहला वार्षिकोत्सव पूरी भव्यता के साथ चौरसिया धर्मशाला

में मनाया गया जिसमें मुख्य अतिथिठ के रूप में राज्यमंत्री (उत्तर प्रदेश सरकार) श्रीमती अनामिका चौधरी जी उपस्थित रहे इस मौके पर अनामिका चौधरी जी द्वारा सबसे पहले दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया दीप प्रज्वलन में समाजसेवी जूही जायसवाल जी, डॉक्टर वर्तिका श्रीवास्तव जी, कुंवर जी तिवारी संतोष तिवारी जी आदि लोग उपस्थित रहे, तत्पश्चात ठसेंट मैरीठ के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना से कार्यक्रम की शुरुआत की गई इसके बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें अच्छे-अच्छे कलाकारों ने अपने नृत्य और गायन से माहौल को खुशनुमा बना दिया इसके बाद समस्त सामाजिक संगठनों, पत्रकारों, डॉक्टरों, प्रशासनिक विभाग जैसे तमाम वर्गों के लोगों को सम्मानित किया गया जिन्होंने कि सामाजिक कल्याण के लिए बेहतर से बेहतर कार्य किए हैं। कार्यक्रम का मंच संचालन का कार्यभार वरिष्ठ सामाजिक चिंतक ठश्री अवधेश निषाद जीठ ने बखूबी निभाया और पूरे कार्यक्रम को बांधे रखा। इस अवसर पर अनामिका चौधरी जी ने कहा की ऐसी ऐसी आईएफके लॉयन वाकई में जांबाज हैं और समाज में भ्रष्टाचार और अपराध के लिए निडर भाव होकर कार्य करते हैं। इस मौके पर शाहगंज सर्व व्यापार मंडल के अध्यक्ष अनिमेष अग्रवाल जी , डॉ वर्तिका जी, अल कौसर की संस्थापिका एवम समाज सेविका नाजिया नफीस जी , समाजसेविका शानू कविश जी, कुटुंब संस्था की अध्यक्षा जूही जयसवाल जी ने इस कार्यक्रम के मंच को अपनी उपस्थिति से सुसज्जित एवम गौरवांवित किया। एंटी करप्शन एंटी क्राइम इंटेलिजेंस फोर्स की संस्थापिका कनक बाग्ची, (चेयरमैन/सचिव)श्री विवेक कुमार श्रीवास्तव, राष्ट्रीय सचिव डॉ सुशील पांडे, राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्य सलमान अहमद, प्रदेश निदेशक (मीडिया सेल) अभिषेक गुप्ता, जिला प्रमुख नीरज त्रिपाठी, नगर महासचिव अशोक जी, शेखर सिंह, अंजनी बंद, राजकुमार, मुनेश कुमार राकेश कुमार, पियूष जायसवाल, कुलदीप मिश्रा, अजय दिवाकर, प्रीति सिंह, राधा निषाद, रुचि, नैना गुप्ता, मोनिका आदि सैकड़ों लायंस मौजूद रहे।

अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र/छात्रायें छात्रवृत्ति का करें आनलाइन आवेदन

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी सच्चिदानन्द तिवारी ने बताया कि अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय भारत सरकार द्वारा संचालित राष्ट्रीय छात्रवृत्ति योजनान्तर्गत अल्पसंख्यक वर्ग (मुस्लिम, सिख, ईसाई, जेन, बौद्ध, पारसी) के छात्र/छात्राओं हेतु प्री-मैट्रिक, पोस्ट मैट्रिक, एवं मेरिट कम मीन्स योजनान्तर्गत वर्ष 2022-23 में आवेदन आनलाइन करने, आईएनओ लेवल वेरीफिकेशन (इन्स्टीट्यूट नोडल वेरीफिकेशन) एवं सेकेण्ड लेवल वेरीफिकेशन (डीएमओ लेवल) की समय सारिणी निर्गत की गयी है। उन्होंने बताया कि प्री-मैट्रिक हेतु हेतु छात्र 30 सितम्बर तक आनलाइन आवेदन कर सकते है तथा आईएनओ लेवल वेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 16 अक्टूबर व सेकेण्ड लेवल फेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 31 अक्टूबर निर्धारित की गयी है।इसी प्रकार पोस्ट मैट्रिक तथा मेरिट-कम-मीन्स हेतु छात्र आनलाइन आवेदन 30 सितम्बर तक कर सकते है। इसके अलावा आईएनओ लेवल वेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 15 नवम्बर व सेकेण्ड लेवल फेरीफिकेशन की अन्तिम तिथि 30 नवम्बर निर्धारित की गयी है। उन्होने अल्पसंख्यक छात्र/छात्राओं को सूचित किया है कि जो सरकारी, निजी, विश्वविद्यालयों, संस्थानों, महाविद्यालयों, विद्यालयों, मदरसों में अध्ययन कर रहा हो और पाठ्यक्रम न्यूनतम एक वर्ष की अवधि का हो और आवेदक पिछले वार्षिक बोर्ड/कक्षा की परीक्षा में न्यूनतम 50 प्रतिशत अंक प्राप्त किया हो, आनलाइन आवेदन कर सकता है। छात्रवृत्ति से सम्बन्धित अधिक जानकारी हेतु जिला अल्पसंख्यक कल्याण कार्यालय विकास भवन में प्रत्येक कार्य दिवस में सम्पर्क कर प्राप्त किया जा सकता है।

कांवरियों की सेवा पुण्य का कार्य

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज। राष्ट्रीय स्तर की सामाजिक संगठन एंटी क्राइम एंटी करप्शन की हंडिया इकाई के द्वारा हंडिया बाजार स्थित शिव मंदिर के प्रांगण में कांवरियों का विश्राम स्थल स्थापित किया गया है, प्रांगण स्थल पर ही कांवरियों की सेवा हेतु जल,फल,मरहम ,स्प्रे व दवा आदि की समुचित व्यवस्था रखा गया है जिससे कांवरियों के पीड़ा को दूर कर पुण्य कार्य कर रहे हैं आज के जल-फल वितरण कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अवधेश कुमार निषाद प्रयागराज ,महिला विंग की जिला अध्यक्ष जूही श्रीवास्तव ,जिला उपाध्यक्ष निशा मिश्रा सहित संगठन के हंडिया प्रमुख रतन्श जयसवाल ,अरुण कुमार केसरवानी ,नीरज कुमार जयसवाल, मनीष कुमार केसरवानी, सत्यदेव केसरवानी, प्रवीण जायसवाल, सचिन सोनी, दीपू ,हिमांशु, सोनी ,गोपी मोदनवाल ,शिवांशु दुबे ,धर्मेंद्र कनौजिया, सुमित, इमरान ,विजयराज मौर्या, श्याम बाबू केसरवानी सहित भारी संख्या में शिव भक्त उपस्थित रहे!

सावन के दूसरे सोमवार पर आज शुभ योग-नक्षत्रों का संगम

प्रयागराज । दूसरा सोमवार मृगशिरा नक्षत्र और शोभन योग में लग रहा है। यह नक्षत्र भोले भक्तों की हर कामना को पूरी करने वाला है। शिव मंदिरों में सावन के दूसरे जलाभिषेक की तैयारियों को रविवार को दिन भर अंतिम रूप दिया जाता रहा। सावन के दूसरे सोमवार पर शुभ योग- नक्षत्रों का अनूठा संगम होगा। प्रदोष के साथ इस बार का सोमवार शिवभक्तों के लिए बेहद खास होगा। इस बार सोम प्रदोष पर मृगशिरा नक्षत्र के साथ ध्रुव योग के संगम में शिवभक्त महादेव का जलाभिषेक करेंगे। इसके लिए शहर के प्रमुख शिव मंदिरों में जहां भव्य सजावट की गई है, वहीं सुरक्षा के भी कड़े इंतजाम किए गए हैं। दशाश्वमेध घाट से जलभर कर बड़ी संख्या में कांवडिये बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए निकल पड़े हैं। रविवार को दशाश्वमेध घाट कांवडिया भक्तों का हुजूम उमड़ने की वजह से शिवमय हो गई।

शार्ट सर्किट से चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में लगी आग, बच्चों को गोद में लेकर भागे लोग

प्रयागराज। घटना रात 12.30 बजे की है। चिल्ड्रेन हास्पिटल के वार्ड नंबर चार के पीआईसीयू में वॉल माउंटेन वेंटिलेटर में शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर उपकरणों से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया।चिल्ड्रेन अस्पताल में रविवार की देर रात आग लगने से अफरातरी मच गई। बच्चों को लेकर भर्ती मरीज परेशान हो गए। माता-पिता अपने बच्चों को अधिकारी मौके पर पहुंच गए। आग लगने के कारण वार्ड धुआं से भर गया था। चिल्ड्रेन आईसीयू में कुल 10 बच्चे भर्ती थी, जो अलग-अलग बीमारियों से ग्रसित थे। स्विच में स्पार्क करने के कारण पूरा आईसीयू धुएं से भर गया। परिजन अपने बच्चों को लेकर भागने लगे। अस्पताल प्रशासन की ओर से सभी 10 बच्चों को दूसरे वार्ड में शिफ्ट किया गया। आग को स्थानीय उपकरणों से ही बुझा लिया गया।

गोद में लेकर सुरक्षित स्थानों पर भागने लगे। घटना रात 12.30 बजे की है। चिल्ड्रेन हास्पिटल के वार्ड नंबर चार के पीआईसीयू में वॉल माउंटेन वेंटिलेटर में शार्ट सर्किट से आग लग गई। इससे अफरा तफरी मच गई। सूचना मिलते ही फायर उपकरणों से आग पर तुरंत काबू पा लिया गया। सूचना मिलते ही अस्पताल के तमाम घटना को लेकर अफरातफरी मची रही। अस्पताल प्रशासन ने मौक पर पहुंचकर घटनास्थल का जायजा लिया। शार्ट सर्किट और स्पार्क के स्थानों का निरीक्षण किया गया। डैमेज वाले स्थानों को दुरुस्त किया गया। चिल्ड्रेन हॉस्पिटल में आग से अफरा तफरी मची रही।

विद्यालय को पूर्व में 2004 05 में सांसद निधि से 5 लाख रुपया अनुदान दिया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
प्रयागराज । जिस भूमि के लिए दिया गया था भवन का वहां निर्माण न होकर ग्राम की बंजर भूमि 645 पे बनवाया गया जिसकी जाँच परियोजना निदेशक नहीं कर रहे है बोलते है अभी समय नहीं है अभी नवंबर 2021 में फिर से विद्यालय को 20 लाख का अनुदान दिया गया गया है गाटा संख्या 655 भूमि के लिए वहा पे सिर्फ कृषि होती है कोई भी चकमार्ग उपलब्ध नहीं है परियोजना निदेशक बिना जाँच किये शिकायत का निस्तारण कर दिए है की प्रबंधक द्वारा बतया गया है की भूमि के दोनो तरफ कच्ची सड़क मौजूद है जो की सरासर झूठ है कृपया मामले की जाँच किसी अन्य अधिकारी द्वारा करवाया जाये की अब तक कितना अनुदान विद्यालय को दिया गया है और उन रुपयों का उपयोग कौन सी भूमि में भवन बनवाने में किया गया गया जब तक जाँच पूरी न हो तब तक 655 गाटा संख्या पे निर्माण को रोका जाये विद्यालय के खिलाफ ग्राम की बंजर भूमि व् प्राइमरी पाठसाला की भूमि पे 20-25 वषी से कब्जे के खिलाफ बेदखली का मुक़दमा भी तहसीलदार जी के यहाँ चल रहा है।

पंजीकृत श्रमिकों के गोल्डेन कार्ड बनेगा 25 जुलाई से

(आधुनिक समाचार सेवा)
डॉ0रणजीत सिंह
प्रतापगढ़। पंजीकृत पात्र श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों का गोल्डेन कार्य बनाये जाने हेतु दिनांक 25 जुलाई से 14 अगस्त तक विशेष अभियान चलाया जायेगा जिसमें प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना एवं मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना लागू की गयी है। अभियान अवधि में प्रत्येक सी0एस0सी0 (जनसेवा केन्द्र) एवं राशन वितरण से सम्बन्धित कोटेदारों आरोग्य मित्र आदि के माध्यम से योजना के अन्तर्गत गोल्डेन कार्ड बनाये जायेगें जोकि बोर्ड में पंजीकृत पात्र श्रमिकों एवं उनके परिवार के सदस्यों का गोल्डेन कार्ड बनाये जाने हेतु कैम्प का आयोजन किया जायेगा। सभी पात्र श्रमिक अभियान अवधि में अपने नजदीकी सीएससी पर पहुँचकर अपना गोल्डेन कार्ड प्राथमिकता के आधार पर बनवाना सुनिश्चित करें। यह जानकारी श्रम प्रवर्तन अधिकारी कार्यालय द्वारा दी गयी है।

प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज

(आई0 एस0 ओ0 प्रमाणित औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र)

भारत सरकार की कौशल विकास योजना मे समस्त, 2022 से प्रारम्भ हो रहे सत्र के लिए निम्नलिखित ट्रेडों में दाखिले के लिए आवेदन पत्र आमंत्रित किये जाते है। ट्रेड प्रवेश योग्यता तथ प्रस्तुत विविण पाठ्यक्रमों की अवधि के विवरण नीचे दिए गए है।

क्र0सं0	ट्रेड का नाम	ट्रेड की अवधि	योग्यता
01.	कोपा (कम्प्यूटर ऑपरेटर)	1 वर्ष	12वी पास
02.	फिटर	2 वर्ष	10वी पास
03.	डाटा इंट्री ऑपरेटर	6 माह	10वी पास
04.	फायर प्रिवेन्शन एण्ड इंडस्ट्रियल सेफ्टी	6 माह	8वी पास
05.	सिक्योरिटी सर्विस	6 माह	8वी पास
06.	कम्यूटर हार्डवेयर एण्ड एसेम्बली	1 वर्ष	10वी पास
07.	सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन	1 वर्ष	10वी पास
08.	इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन्स	1 वर्ष	8वी पास
09.	रेफरिजरेटर एण्ड एयर कडीशनर	1 वर्ष	8वी पास
10.	योगा असिस्टेन्ट	1 वर्ष	10वी पास
11.	वेल्डिंग टेक्नोलॉजी	1 वर्ष	8वी पास
12.	कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स	1 वर्ष	10वी पास

प्रस्तुत विभिन्न पाठ्क्रमों में रिक्त सीटों की उपलब्धता तथा दाखिला शुल्क का विवरण संस्थान की वेबसाइट पर देखे।

1. **प्रमाण पत्रः** सफल प्रशिक्षणर्थियों को भारत सरकार द्वारा राष्ट्रीय ट्रेड प्रमाणपत्र दिए जाते है, जो सेवा में भर्ती के लिए मान्य योग्यता है।
2. **चयन की प्रक्रियाः** इस वर्ष कोविड–19 महामारी के चलते यभी सीटों पर दाखिले पहले आओ पहले पाओं के आधार पर किये जायेगे।
3. **आयुः** उम्मीदवार की आयु 1 अगस्त, 2022 को न्यूनतम 14 वर्ष या उससे अधिक होनी चाहिए।
4. **आवेदन कैसे करेः** ओवेदन फॉर्म संस्थान की वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन भरे जा सकते तथा संस्थान के कार्यालय से निःशुल्क भी प्राप्त किया जा सकता है।
नोटः आवेदन फार्म भरते हुए रू 2665 का पंजीकरण शुल्क भी (अप्रतिदेय) होगा।
5. **बस पासः** सरकार द्वारा विधार्थियों के लिए प्रति माह में रियायती एसी बस पास सुविधा उपलब्ध है, जो कि सभी बसों में मान्य है।
6. **छात्रवृत्तिः** दाखिले के उपरांत शुल्क प्रतिपूर्ति के लिए सभी ट्रेडों में आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थी, जिसके पास आय प्रमाण पत्र हो, वो भारत सरकार की छात्रवृत्ति योजनाओं में आवेदन कर सकते है।
7. अधिक जानकारी तथा ऑनलाइन आवेदन के लिए संस्थान की वेबसाइट www,nainiiti.com देखें।
8. दाखिले की अंतिम तिथिः 31 जुलाई 2022 है।
9. सफल अभ्यार्थियों को भारत सरकार द्वारा रू 7700 प्रति माह की अप्रेंटिसशिप सुविधा उपल्बध है।

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र, प्रयागराज
सम्पर्क सूत्रः– 0532–2695959, 9415608710, 6386474074, 941560879

आईएससी बारहवीं में प्रयागराज की अनन्या ने पूरे देश में किया टॉप

प्रयागराज । मेधावी बेटियों ने प्रयागराज के खाते में बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। पहली बार आईएससी परीक्षा की टॉप थ्री मेरिट में यहां की छात्राओं ने जगह बनाई। टॉपर अनन्या अग्रवाल को 99.75 फीसदी, श्रेया एवं तविषी को 99.50 फीसदी बनाई। टॉपर अनन्या अग्रवाल को 99.75 फीसदी, श्रेया एवं तविषी को 99.50 फीसदी और वंशिका शर्मा को 99.25 फीसदी अंक प्राप्त हुए हैं। चारों छात्राएं फिजिक्स, केमेस्ट्री, मैथ्स स्ट्रीम की हैं। परीक्षा का परिणाम जारी होने के बाद स्कूल मानस, सुब्रतो रॉय एवं प्रखर राज को 97 फीसदी अंक मिले। एसएमसी में ऋतिका रहीं अव्वल सेंट मेरीज कॉन्वेंट इंटर कॉलेज (एसएमसी) की ऋतिका शुक्ला ने 98 फीसदी अंकों के साथ अपने स्कूल में टॉप किया है। प्रांजलि सिंह को 97.75 स्कूल का परिणाम भी शतप्रतिशत रहा। स्कूल के सभी विद्यार्थी फर्स्ट डिवीजन पास हुए। स्कूल के 28 फीसदी विद्याथिर्यों को 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त हुए। बिशप जॉनसन का भी शानदार रहा रिजल्ट बारहवीं की परीक्षा में बिशप

और वंशिका शर्मा को 99.25 फीसदी अंक प्राप्त हुए हैं। आईएससी बारहवीं की परीक्षा में गर्ल्स हाई स्कूल एंड कॉलेज (जीएचएस), प्रयागराज की अनन्या अग्रवाल ने ऑल इंडिया टॉप किया है। रविवार शाम जारी रिजल्ट में ऑल इंडिया मेरिट में जीएचएस की छात्रा श्रेया श्रीवास्तव एवं तविषी श्रीवास्तव ने संयुक्त रूप से दूसरा और इसी स्कूल की वंशिका शर्मा ने तीसरा स्थान हासिल किया। मेधावी बेटियों ने प्रयागराज के खाते में बड़ी उपलब्धि दर्ज की है। पहली बार आईएससी परीक्षा की टॉप थ्री मेरिट में यहां की छात्राओं ने जगह में जशन का माहौल रहा। चारों छात्राएं अपने अभिभावकों के साथ स्कूल पहुंचीं। प्रधानाचार्य विनीता इसूवियस ने छात्राओं और अभिभावकों को बधाई दी। बीएचएस के 120 छात्रों को 90 फीसदी से अधिक अंक आईएससी के रिजल्ट में ब्वॉयज हाई स्कूल एंड कॉलेज (बीएचएस) का प्रदर्शन शानदार रहा। स्कूल के 120 छात्रों ने 90 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त किए। आशुतोष कुशवाहा 99 फीसदी अंकों के साथ स्कूल में अव्वल रहे तो दूसरे स्थान पर रहे आदर्श सिंह को 98 फीसदी और संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे शिवांश सिंघल, एवं अवनि को 97.50 फीसदी अंक प्राप्त हुए। एसजेसी में हर्ष और प्रेम ने बाजी मारी - सेंट जोसेफ कॉलेज में हर्षवर्धन सिंह और प्रेम शुक्ला ने बाजी मारी। दोनों ही 98.25 फीसदी अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहले स्थान पर रहे। सेंट जान्स एकेडमी के कार्तिक टॉपर सेंट जान्स एकेडमी के कार्तिक गुप्ता ने 97.8 फीसदी अंकों के साथ स्कूल में टॉप किया। वहीं, ओम सहाय श्रीवास्तव एवं अभिनव सिंह को 94.5, अंशुल द्विवेदी को 94.25 फीसदी एवं अनन्या मिश्रा को 94 फीसदी अंक मिले। आईपीएम में सभी फर्स्ट डिवीजन पास आईपीएम इंटरशेनल जॉनसन स्कूल एंड कॉलेज का परिणाम भी शानदार रहा। यहां के छह विद्याथिर्यों को 94 फीसदी से अधिक अंक प्राप्त हुए। 97.25 फीसदी अंकों के साथ मंयक मणि सिंह स्कूल में अव्वल रहे। बिशप जॉर्ज में अर्शलान, आशीष को पहला स्थान बिशप जॉर्ज स्कूल एंड कॉलेज में अर्शलान हाशमी और आशीष कुमार जायसवाल ने 96 फीसदी अंकों के साथ संयुक्त रूप से पहला स्थान अर्जित किया। वहीं, यशराज रंजन, अनस मुश्ताक और नव्या को 95-95 फीसदी अंक प्राप्त हुए।

सावन का दूसरा सोमवार: शिव की नगरी काशी में उत्साह अपार

वाराणसी। विश्वनाथ दरबार में दोपहर तक 4 लाख भक्तों ने टेका मत्था सावन के दूसरे सोमवार पर काशीपुराधिपति बाबा विश्वनाथ के दरबार में श्रद्धालुओं की अटूट कतार लगी है। बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह से गंगा के तट तक बोल बम और उत्साह है। बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक, दर्शन-पूजन के लिए आधी रात से ही अनवरत कतार लगी है। बाबा विश्वनाथ के गर्भगृह से गंगा के तट तक बोल बम और हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। कांवरियों से हर कोना के पट खुले तो आस्थावानों का रेला उमड़ पड़ा। विधिविधान से जलाभिषेक कर भक्तों ने बाबा विश्वनाथ से अपनी अरज-गरज लगाई। सुख-समृद्धि की मंगलकामनाओं के साथ दर्शन-पूजन कर धन-धन्य हुए। दोपहर एक बजे

हर-हर महादेव के जयकारे गूंज रहे हैं। रिमझिम फुहारों के बीच सावन के दूसरे सोमवार पर जटाजूट, भूतभावन, राजराजेश्वर काशीपुराधिपति की नगरी में अपार केसरिया नजर आ रहा है। सावन के दूसरे सोमवार पर बाबा के जलाभिषेक के लिए देश के कोने-कोने से भक्त यहां पहुंचे हैं। मंगला आरती के बाद तड़के चार बजे मंदिर तक चार लाख से अधिक श्रद्धालु बाबा का जलाभिषेक कर चुके थे। फूल बिछाकर और रेड कार्पेट पर स्वागत काशी के दूसरे शिवालयों में भी भीड़ जैसा नजारा है। आस्था की डोर पर सवार भक्तों के आगमन से बाबा दरबार हर-हर बम-बम के नारों से गूंज उठा। मंगला आरती से शुरू हुआ जलाभिषेक और झांकी दर्शन का सिलसिला अनवरत जारी है। हर-हर महादेव का उद्घोष और ऊं नमः शिवाय का जाप करते हुए शिवभक्त बरसात के बीच भी बैरिकेडिंग में डटे हैं। मंदिर प्रशासन की ओर से शिवभक्तों को फूल बिछाकर और रेड कार्पेट पर स्वागत किया गया। रविवार को देर रात तक तीन लाख से अधिक शिवभक्तों ने बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन और जलाभिषेक किया। रविवार की रात से ही बाबा विश्वनाथ के जलाभिषेक के लिए शिवभक्तों की कतार लगनी शुरू हो गई थी। मंदिर परिसर में दर्शन-पूजन के लिए देर रात तक तैयारियां चलती रहीं। सवेरे गंगा में सनन के लिए लोग उमड़ पड़े क्योंकि मंगला आरती के बाद से ही आम श्रद्धालुओं के जलाभिषेक का सिलसिला शुरू हो गया। रात को जोरदार बारिश के बावजूद शिव भक्तों की लंबी कतार लग गई। जयकारे गूंजने लगे। कतारबद्ध कांवरिये बाबा के जलाभिषेक के लिए आगे बढ़ते रहे। ट्रालियों, टेंपो, ट्रैक्टरों पर सजी बाबा विश्वनाथ की मोहक झांकियों को लेकर कांवरियों की टोलियां रात काशी की सड़कों पर चलती नजर आईं।

शिव की नगरी काशी में कांवरियों का स्वागत, कहीं पखारे पांव तो कहीं की गई पुष्प वर्षा

वाराणसी। सावन के दूसरे सोमवार पर काशी विश्वनाथ धाम में दोपहर 12 बजे तक तीन लाख से ज्यादा भक्तों ने हाजिरी लगाई है। काशी पहुंचे कांवरियों के स्वागत के लिए कई समाजिक संगठन आगे आए। सावन के दूसरे सोमवार पर काशी

में कांवरियों का रेला उमड़ा है। आलम यह है कि काशी विश्वनाथ धाम जाने वाले सभी मार्ग पर केसरिया नजारा है। काशी पहुंचे कांवरियों के स्वागत के लिए कई समाजिक संगठन आगे आए। काशी विश्वनाथ धाम आने वाले कांवरियों और शिवभक्तों के प्रति लोगों में सेवा भाव नजर आया। कहीं कांवरियों के पांव पखारे गए तो कहीं पुष्पवर्षा की गई।सुबह-ए-बनारस क्लब, नीचीबाग बुलानाला व्यापार मंडल एवं काशी केराना व्यापार मंडल के बैनर तले नीचीबाग में भक्तों के बीच श्रद्धा पूर्वक फलाहार स्वरूप मालपुआ और शर्बत-पानी का वितरण किया गया। कांवरियों का पैर पखारने के बाद उनके ऊपर पुष्प वर्षा करते हुए अंगवस्त्रम पहनाकर उनको सम्मान दिया गया।ऐस सेवा भाव देख सभी श्रद्धालु गदगद नजर आए। इस दौरान पुलिसकर्मी भी सहयोगी और मित्र की भूमिका में रही। इधर, काशी विश्वनाथ धाम में दोपहर 12 बजे तक तीन लाख से ज्यादा भक्तों ने हाजिरी लगाई है। कह सकते हैं यह संख्या सावन के पिछले आंकड़ों पर भारी पड़ गई है। सड़कों पर कांवरियों का रेला और श्रद्धा-भक्ति का मेला सजा हुआ है।सावन के दूसरे सोमवार पर बाबा के जलाभिषेक के लिए रात में ही कतारबद्ध हो गए थे। ब्रह्म मुहूर्त में शुरू हुई बारिश के दौरान हजारों शिवभक्त बोल-बम का उद्घोष करते हुए खड़े रहे। गंगाद्वार की ओर से मंदिर में प्रवेश बंद कर दिए जाने के कारण भीड़ का पूरा दबाव गोदौलिया से मैदागिन के बीच दिखाई दे रहा है।पूरा क्षेत्र बोल-बम और हर हर महादेव के उद्घोष गूंज रहा है। मंदिर परिक्षेत्र के आसपास का पूरा क्षेत्र भक्तिमय शिवगंगा से तरबतर नजर आ रहा है। श्रद्धालुओं की कतार का एक सिरा गोदौलिया होते हुए लक्सा, दशाश्वमेध घाट और दूसरा सिरा चौक के पार है।सावन के पहले सोमवार पर साढ़े पांच लाख श्रद्धालुओं ने जलाभिषेक किया था। यह अपने आप में रिकॉर्ड था। संभावना है कि ये रिकॉर्ड आज टूट जाएगा। कोरोना संक्रमण काल के दो साल बाद शुरू हुई कांवर यात्रा का उल्लास शिव भक्तों के चेहरे पर नजर आ रहा है।

ज्ञानवापी-श्रृंगार गौरी मामले की सुनवाई चार अगस्त तक टला मुस्लिम पक्ष करेगा जवाबी बहस

वाराणसी। वाराणसी के ज्ञानवापी स्थित मां श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन के लिए दाखिल वाद सुनवाई योग्य है या नहीं इसपर सुनवाई चार अगस्त तक टल गई है। जिला

जज डॉ अजय कृष्ण विश्वेश की अदालत में गुरुवार को इस मामले की सुनवाई होनी थी लेकिन एक अधिवक्ता के निधन पर शोक प्रस्ताव के मद्देनजर सुनवाई चार अगस्त तक टल गई। बीते गुरुवार को पिछली सुनवाई पर पांचों वादिनीगण और डीएम, पुलिस आयुक्त और मुख्य सचिव प्रदेश शाशन की तरफ से बहस पूरी कर ली गई थी। इस मामले में आज मुस्लिम पक्ष अंजुमन इंतजामिया मसाजिद कमेटी को जवाबी बहस करना था। पिछली सुनवाई में क्या हुआ था पिछली सुनवाई पर वादिनी राखी सिंह की तरफ से अधिवक्ता मानबहादुर सिंह ने अदालत में कहा था कि यह वाद सिर्फ ज्ञानवापी स्थित मां श्रृंगार गौरी के नियमित दर्शन पूजन राग भोग के लिए दाखिल किया गया है। कहा कि विशेष धर्म उपासना स्थल 1991 में यह कहा गया है कि आजादी के समय जो धर्म स्थलों की स्थिति रही वही रहेगी। यह वाद इससे इतर है इसमें सिर्फ दर्शन पूजन की बात कही गई है, स्वरूप बदलने की बात नही की गई है। इसके बावजूद पहले हिंदू मुस्लिम, फिर मंदिर मस्जिद का विवाद बताकर तूल दिया गया। कहा था कि दर्शन पूजन पूजा पाठ हमारा सिविल अधिकार है, इसे रोका नहीं जाना चाहिए। मामले में अदालत में हिंदू पक्ष का दावा है कि श्रृंगार गौरी का मुकदमा सुनवाई योग्य है। वहीं, मुस्लिम पक्ष ने दावा किया था कि मुकदमा सुनवाई योग्य नहीं है।

चोलापुर में अराजक तत्वों ने खंडित किया शिवलिंग, ग्रामीणों में आक्रोश, पहुंची पुलिस

वाराणसी। वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र के पलहिपट्टी बाजार स्थित मंदिर में घुसकर बीती रात असामाजिक तत्वों ने शिवलिंग खंडित कर दिया। घटना की जानकारी होते ही ग्रामीण आक्रोशित हो उठे। कहा कि पुलिस यदि रात में गश्ती होती तो किसी की इतनी हिम्मत नहीं होती कि वह शिवलिंग को क्षतिग्रस्त करता। सावन के सोमवार पर माहौल बिगाड़ने के लिए यह सब रविवार रात जान-बूझकर किया

वाराणसी के चोलापुर क्षेत्र के पलहिपट्टी बाजार स्थित मंदिर में घुसकर बीती रात अराजक तत्वों ने शिवलिंग खंडित कर दिया। सोमवार सुबह मंदिर की साफ-सफाई करने पहुंचे युवक ने खंडित शिवलिंग देखा तो शोर मचाया। देखते ही देखते मंदिर के पास ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। सभी खंडित शिवलिंग देखकर हैरान रह गए।ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पुलिस रात में गश्त नहीं करती। गया है।लोग आरोपियों को गिरफ्तार करके जल्द से जल्द उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करने लगे। मौके पर पहुंचे ग्राम प्रधान हुकुम सिंह ने आक्रोशित ग्रामीणों को शांत कराया और पुलिस को सूचना दी। हंगामे के कारण वाराणसी-सिंधोरा मार्ग पर जाम जैसी स्थिति हो गई। मौके पर पर पहुंचे सीओ पिंडरा और इंस्पेक्टर चोलापुर ने स्थिति को संभाला। मंदिर में शिवलिंग का निर्माण कराया जा रहा है

हिस्ट्रीशीटर की छेड़खानी से परेशान किशोरी ने दी जान, पोस्टमार्टम रिपोर्ट देख दंग हुए लोग

गोरखपुर। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने बताया कि किशोरी की फंदे से लटकती लाश मिली है। मां की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। मौत से पहले पुलिस को छेड़खानी की जानकारी नहीं दी गई थी। मामला अब संज्ञान में आया है। प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। गोरखपुर जिले में एक हैरान करने वाला करीब एक महीने से परेशान कर रहा था। स्कूल आते-जाते छींटाकशी करता था। उसकी हरकतों से बेटी परेशान थी। उसे सब ठीक होने का भरोसा दिलाया और समझाया भी था, लेकिन वह छेड़खानी से त्रस्त और आहत थी। परिवार के सदस्य रविवार को घर से बाहर गए थे। बेटी घर में अकेली थी। इसी बीच फंदा लगाकर खुदकुशी

मामला सामने आया है। यहां पिपराइच इलाके के एक गांव में हिस्ट्रीशीटर की छेड़खानी से परेशान 13 वर्षीय किशोरी ने रविवार सुबह फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में फंदे से लटककर जान देने की पुष्टि हुई है। पीएम रिपोर्ट से यह भी पता चला है कि किशोरी गर्भवती थी। उधर, किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी हिस्ट्रीशीटर अच्छेलाल के खिलाफ नाबालिग को खुदकुशी के लिए उकसाने, छेड़खानी और धमकी देने की धाराओं में केस दर्ज किया है। पुलिस का कहना है कि पहले शिकायत नहीं मिली थी। किशोरी की मां के मुताबिक, हिस्ट्रीशीटर कर ली। घर लौटने पर मां ने घटना की जानकारी पुलिस को दी। पुलिस के आने पर शव पंखे से उतारा गया। एसपी नार्थ मनोज अवस्थी ने बताया कि किशोरी की फंदे से लटकती लाश मिली है। मां की तहरीर पर केस दर्ज कर आरोपी की तलाश की जा रही है। मौत से पहले पुलिस को छेड़खानी की जानकारी नहीं दी गई थी। मामला अब संज्ञान में आया है। प्रभावी कार्रवाई की जाएगी। नाम अच्छेलाल, करतूत काली नाम भले ही उसका अच्छेलाल है, लेकिन करतूतें काली हैं। उस पर दुष्कर्म के अलावा लूट, जालसाजी, चोरी जैसे 18 मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस की फाइलों में वह हिस्ट्रीशीटर है और दुष्कर्म के आरोप में जेल जा चुका है। करीब एक साल पहले जमानत पर जेल से बाहर आया है। अब उस पर किशोरी को खुदकुशी के लिए उकसाने का केस दर्ज किया गया है। पुलिस का कहना है कि नियमानुसार उसकी निगरानी की जा रही थी। जानकारी के मुताबिक, कम उम्र की लड़कियों को प्रेम जाल में फंसाकर शारीरिक शोषण करने में 36 साल के अच्छेलाल को महारत हासिल है। एक नाबालिग को चार साल पहले शिकार बनाया था। हालांकि, इस मामले में किशोरी की शिकायत पर पुलिस ने दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया था। यह वाक्या तब हुआ था जब वह खोराबार इलाके में हुई लूट के मामले में जमानत पर जेल से बाहर आया था। इसके बाद वह जेल में था और करीब एक साल पहले जमानत पर रिहा होकर जेल से बाहर आया था। बताया जा रहा है कि इसके बाद ही वह किशोरी के संपर्क में आया था, जिसकी जानकारी घरवालों को नहीं थी। इसी बीच किशोरी गर्भवती हो गई थी और अच्छेलाल ने उससे दूरी बना ली थी। पुलिस का कहना है कि इसी वजह से किशोरी ने आत्मघाती कदम उठा लिया। बढ़ सकती है पॉक्सो एक्ट की धारा किशोरी की पोस्टमार्टम रिपोर्ट में सामने आया है कि वह गर्भवती थी। इसकी जानकारी घरवालों को नहीं थी।

एक लाख का इनामी विष्णु मिश्र गिरफ्तार: दो साल से चल रहा था फरार, बहन बोली- मेरे भाई की जान को खतरा

वाराणसी। सामूहिक दुष्कर्म और रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने सहित कई मामलों में आरोपी पूर्व विधायक विजय मिश्र का पुत्र विष्णु मिश्र आखिरकार गिरफ्त में आ ही गया। दो साल से फरार चल रहे विष्णु मिश्र पर एक लाख का इनाम घोषित था। पूर्व विधायक विजय मिश्र का ने गोपीगंज थाने में तहरीर देकर विजय मिश्र, उनकी पतनी एवं तत्कालीन एमएलसी रामलली मिश्रा व विजय मिश्र के पुत्र विष्णु मिश्र के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।उन्होंने संपत्ति हड़पने का आरोप लगाया था। उसी साल सितंबर में वाराणसी की एक गायिका ने पूर्व

फरार चल रहा पुत्र विष्णु मिश्र आखिरकार वाराणसी एसटीएफ की गिरफ्त में आ ही गया। वह सामूहिक दुष्कर्म और रिश्तेदार की संपत्ति हड़पने सहित कई मामलों में आरोपी है और करीब दो साल से फरार चल रहा था। विष्णु मिश्र विदेश न भागने पाए इसलिए लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया था। विष्णु की बहन रीमा पांडे ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर अपने भाई की जान को खतरा बताया है। उल्लेखनीय है कि पूर्व विधायक विजय मिश्र के रिश्तेदार गोपीगंज कोतवाली क्षेत्र कौलापुर निवासी कृष्णमोहन तिवारी विधायक, उनके पुत्र विष्णु मिश्र व पौत्र विकास मिश्र पर सामूहिक दुष्कर्म का मुकदमा दर्ज कराया था। उसके बाद तत्कालीन विधायक विजय मिश्र को मध्य प्रदेश की आगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया था। बाद में विकास भी गिरफ्तार हो गया, लेकिन विष्णु फरारी काटता रहा।उस पर 25 हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया। इसके बावजूद गिरफ्तारी न होने पर इनाम की धनराशि बढ़ाकर 50 हजार रुपये कर दी गई। गत 22 जुलाई को इनाम की राशि एडीजी जोन वाराणसी ने बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी।करीब सात माह पहले गोपीगंज थाना क्षेत्र में उसके होने की सूचना मिली थी। उस समय भी एसटीएफ ने छापा मारा था। हालांकि तब विष्णु भाग गया था, मौके से उसका एक साथी गिरफ्तार हुआ था। पुलिस के अनुसार पूर्व विधायक विजय मिश्र आगरा जेल में हैं, लेकिन उनका बेटा पुलिस को चकमा देता रहा। ऐसे में यह भी आशंका थी कि कहीं वह विदेश न भाग जाए। इसलिए लुकआउट नोटिस भी जारी किया गया था। करीब पांच माह पहले विष्णु का एक वीडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें वह मुंबई के एक होटल से निकलते हुए दिखा था। एक दिन पहले ही अपर पुलिस महानिदेशक, वाराणसी ने उस पर इनाम की राशि बढ़ाकर एक लाख रुपये कर दी थी। उसका ट्रांजिट रिमांड लेकर आज एसटीएफ की टीम रवाना होगी। विष्णु की अधिवक्ता बहन ने सीएम योगी को लिखा पत्र विजय मिश्र की अधिवक्ता बेटी रीमा पांडेय ने भी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। एसटीएफ के एक अधिकारी ने बताया कि पुणे के हडपसर पुलिस स्टेशन क्षेत्र से विष्णु की गिरफ्तारी की गई है। उससे पूछताछ की जा रही है। रीमा पांडे ने मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर अपने भाई विष्णु मिश्र की जान को खतरा बताया है।

बीयर की दुकान पर चोरों ने बोला धावा, सीसी कैमरा तोड़ा, चुराए साढ़े तीन लाख रुपये

वाराणसी। वाराणसी के नगवा-सामने घाट मार्ग पर स्थित बीयर की दुकान पर बीती रात बेखौफ चोरों ने धावा बोला। पीछे की दीवार तोड़कर दुकाने में घुसे चोरों ने सीसी कैमरा तोड़ दिया। जमकर बीयर गटकी फिर कैशबॉक्स को तोड़कर साढ़े तीन लाख रुपये लेकर निकल गए। दुकान में चोरी होने की सूचना पर सोमवार सुबह दुकान संचालक हेमंत यादव मौके पर पहुंचा। उसने पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने दुकान के आसपास लगे सीसी कैमरों को खंगाला और मामले की छानबीन में जुट गई। हेमंत के मुताबिक, दो दिन बैंक में अवकाश होने के कारण बीयर की बिक्री का सारा पैसा दुकान में रखा था। रविवार और शनिवार को बिक्री भी अधिक हुई थी। बीयर शॉप का लाइसेंस कृष्णा नगर सामनेघाट निवासी हेमंत की मां स्वभावती देवी के नाम से है। बीयर शॉप में काम करने वाले चार वर्कर दुकान से सटे बगल वाले कमरे में सो रहे थे। बारिश होने के कारण देर रात दीवार तोड़ते समय उन्हें कोई आवाज सुनाई नहीं पड़ी।

खाद्य सामग्रियों पर जीएसटी लगाने पर व्यापारियों ने जताया विरोध

मिर्जापुर। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल ने आटा, मैदा, बेसन, दूध, दही, पेंसिल, एलईडी लाइट के अलावा विभिनन्न खाद्य पदार्थों व घरेलू उपयोग में आने वाले सामानों पर जीएसटी बढ़ाए जाने के प्रति प्रदर्शन कर विरोध जताया। शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन कर केंद्रीय बढ़ाई गई जीएसटी दरों पर नाराजगी जताते हुए कहा कि नॉन ब्रांडेड खाद्य व दूध, पनीर जैसी वस्तुओं पर पांच प्रतिशत जीएसटी पहली बार लगाया गया है। जिलाध्यक्ष शिव मुंदड़ा ने कहा कि स्टेशनरी जैसी वस्तुओं पर 12 से बढ़ाकर 18 प्रतिशत जीएसटी करने से गरीब परिवार प्रभावित होंगे।

वित्तमंत्री को संबोधित सात सूत्री ज्ञापन जिलाधिकारी को दिया। प्रदर्शन में व्यापारियों ने नान ब्रांडेड पैक चावल, दाल, आटा, दूध, दही, पनीर पर पांच प्रतिशत जीएसटी लगाए जाने, स्टेशनरी सामान सहित चम्मच, काटा जैसी वस्तुओं पर 12 प्रतिशत से बढ़ाकर 18 प्रतिशत जीएसटी की दर करने पर नाराजगी जताई। व्यापारियों ने होटल में एक हजार रुपये से कम किराया होने पर भी 12 प्रतिशत जीएसटी का विरोध किया। व्यापार मंडल के प्रांतीय उपाध्यक्ष व नगर मंत्री शत्रुघन केसरी ने नई और व्यापारियों ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि जीएसटी काउंसिल ने बढ़ी दरों को वापस नहीं लिया तो उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल बड़े पैमाने पर आंदोलन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने वालों में जिलामंत्री एवं पेट्रोलियम एसोसिएशन के अध्यक्ष दुर्गा प्रसाद चौधरी, रामबाबू कसेरा, कपड़ा व्यापार संघ के अध्यक्ष मनोज कुमार जैन, जय प्रकाश सेठ, मनोज कुमार शुक्ल, नारायण अग्रवाल, गोपाल अग्रहरि, विनीत कसेरा, संजय गुप्ता, अहमद अली, अंकित अग्रहरि, सलीम अहमद आदि शामिल रहे।

नगर के बाहर से बाईपास बनाए जाने के लिए किया धरना प्रदर्शन

सोनभद्र ।राबर्ट्सगंज में घुवास नहर होते हुए बाईपास बनाए जाने को लेकर रविवार को राष्ट्रीय मानवाधिकार एसोसिएशन (भारत) एवं व्यापारियों ने रेलवे क्रासिंग के समीप धरना प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के माध्यम से व्यापारियों ने नगर के मध्य से गुजरी सड़क को स्टेट हाइवे घोषित करने और इसके से व्यापारी वर्ग परेशान है। व्यापारी पुरानी बाजार को उजड़ने से बचाने की मांग कर रहे हैं। कहा कि ऐसा करने से नगर के कई सैकड़ों व्यापारी बर्बाद हो जाएंगे। जनहित में मानवाधिकार के लोग चार महीने से लगातार नगर के बाहर से बाईपास निर्माण की मांग कर रहे हैं। इसी मांग को लेकर रविवार

चौड़ीकरण संबंधित किसी भी प्रस्ताव का विरोध किया। एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष राजकुमार सोनी ने कहा कि धर्मशाला, मेन चौक, रेलवे क्रासिंग होते हुए खलियारी जाने वाले मार्ग को स्टेट हाइवे घोषित कर दिया गया है। नगर के मध्य से सड़क के चौड़ीकरण किए जाने का खबर को व्यापारियों ने धरना प्रदर्शन किया। इस मौके पर शिवकुमार जायसवाल, ज्ञान केशरी, सरदार अर्जुन सिंह, शशि सिंगला, शिवकुमार जायसवाल, रमेश केशरी, पप्पू श्रीवास्तव, मुस्तफा, विनोद गुप्ता, कमला शर्मा आदि मौजूद रहे।

बगैर परमिट के गिट्टी बेचने पर पांच क्रशर प्लांट सील

सोनभद्र ।कड़े निर्देश के बाद भी बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र के कई क्रशर प्लांट संचालक बगैर परमिट के ओवरलोड गिट्टी बेचने का काम रोक नहीं रहे हैं। ऐसे लोगों के खिलाफ डीएम चंद्र विजय सिंह ने कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। इस आदेश के क्रम में शनिवार की शाम ओबरा एसडीएम की अगुवाई में प्रशासनिक टीम ने पांच क्रशर प्लांटों को सील कर दिया। साथ ही संचालकों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा है। जिलाधिकारी ने एडीएम सहदेव मिश्रा के पर्यवेक्षण में सभी तहसीलों के एसडीएम को अवैध खनन और परिवहन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। उक्त आदेश के क्रम में अधिकारी कार्यवाही कर रहे हैं। शनिवार की देर शाम बिल्ली-मारकुंडी खनन क्षेत्र में प्रशासनिक टीम ने क्रशर प्लांटों पर छापेमारी की। इस दौरान कई प्लांट के संचालक और कर्मी मौके से फरार हो गए। ओबरा एसडीएम राजेश कुमार सिंह ने बताया कि बगैर परमिट के ओवरलोड गिट्टी का परिवहन कर रहे ट्रक चालकों के बयान पर पांच क्रशर प्लांटों को सील कराते हुए उनके संचालकों को नोटिस जारी किया गया है। कहा कि कुछ लोगों द्वारा फर्जी परमिट भी चालकों को मुहैया कराने की बात सामने आई है। इसकी गोपनीय जांच कराई जा रही है। आरोप सही मिलने पर संबंधितों के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्यवाही कराई जाएगी।

मिट्टी का टीला धसकने से पोकलैन ऑपरेटर और हेल्पर की मौत

सोनभद्र । बिल्ली मारकुंडी खनन क्षेत्र के लंगड़ा मोड़ स्थित खदान में रविवार की शाम मिट्टी का टीला धसकने से चपेट में आए पोकलैन ऑपरेटर और खलासी की मौत हो गई। ऊंचाई पर मिट्टी काटते वक्त हादसा हुआ। सूचना मिलते ही सीओ, एसओ समेत अन्य पुलिस अफसर मौके पर पहुंच गए। काफी प्रयास के बाद दोनों का शव बाहर मशक्कत के बाद दोनों का शव मलबे से निकाला जा सका। सूचना पाकर सीओ सिटी राजकुमार तिवारी, एसओ चोपन किरण कुमार सिंह भी पहुंच गए। सीओ ने बताया कि मृतकों की पहचान रविशंकर (22) निवासी कोटा खास और ऑपरेटर सतेंद्र (20) निवासी कोन के रूप में हुई। घटना के सभी पहलुओं की जांच कर कार्रवाई की जाएगी। बता निकाला जा सका। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। वे उच्चाधिकारियों को मौके पर बुलाने की मांग करते रहे। डाला चौकी प्रभारी मनोज कुमार ठाकुर ने बताया कि एक पोकलैन मशीन गहरी खदान में ऊंचाई पर मिट्टी

का टीला काट रहा था। इसी दौरान अचानक मिट्टी का टीला भरभरा कर पोकलैन पर गिर गया। इसकी चपेट में आने से पोकलेन ऑपरेटर और हेल्पर मशीन के केबिन में दब गए। करीब दो घंटे की कड़ी दें कि कुछ दिन पहले ही खनन क्षेत्र में काम के दौरान दो अन्य मजदूरों की मौत हुई थी, जिसके बाद डीजीएसएस ने दौरा कर सुरक्षा मानकों का पालन कराने का निर्देश दिया था।

राष्ट्रीय आय एवं योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा में उदित अव्वल

सोनभद्र ।उदित नारायण जोशी ने इस वर्ष आयोजित राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा में पूरे जनपद में प्रथम स्थान रहे। देवेंद्र कुमार (ब्लाक बभनी) द्वितीय और आकाश चंद बादल (ब्लॉक कर्मा) तृतीय स्थान पर रहे। उदित के पिता पारस नाथ एक

पाकर विद्यालय का नाम रोशन किया है। उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरटिया (अंग्रेजी माध्यम) के इस छात्र ने बीते 24 अप्रैल को राजकीय इंटर कालेज पिपरी में आयोजित परीक्षा में यह सफलता हासिल की है। इस प्रतियोगिता में जनपद के 58 बच्चों ने हिस्सा लिया था। इनमें तीन बच्चे चयनित हुए हैं। अंग्रेजी माध्यम उच्च प्राथमिक विद्यालय खैरटिया (ब्लॉक चोपन) के छात्र उदित नारायण जोशी प्रथम स्थान संविदा शिक्षक है। माता कुसुम लता गृहणी है। छात्र ने बताया कि सफलता के लिए प्रतिदिन चार घंटे नियमित पढ़ाई करता रहा। छात्र ने इसका श्रेय अपने शिक्षक रमेशचंद्र जायसवाल को दिया है। वह भविष्य में आईएएस बनकर देश की सेवा करना चाहता है। गांव निवासी महेश जायसवाल, शिव दत्त दूबे ने इसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

रेणुकूट में बनेगा बस स्टैंड और सब्जी मंडी

सोनभद्र ।नगर पंचायत रेणुकूट में लंबे समय से बस स्टैंड और सब्जी मंडी बनाने की मांग उठती रही है। इसके अभाव में सड़क पर ही बसें खड़ी होती हैं। सब्जी की आदि की दुकानें भी लगती हैं। इस नाते अक्सर दुर्घटनाएं होने की आशंका बना रहती है। डीएम चंद्र विजय सिंह ने एडीएम को नगर में मंडी और वाहन स्टैंड के लिए जमीन

दुकानें भी पटरियों पर सजती हैं। अब प्रशासन बस स्टैंड और मंडी बनाने की कवायद में जुट गया है। इसके लिए नगर क्षेत्र में जमीन की तलाश शुरू कर दी गई है। नगर पंचायत रेणुकूट में वाहन स्टैंड और सब्जी मंडी न होने के कारण नगर के मध्य से गुजरने वाली वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग के पटरियों पर ही वाहन खड़े होते हैं। वहीं फुटपाथ पर सब्जी, फल चिह्नित कराकर नगर पंचायत प्रशासन को मुहैया कराने का निर्देश दिया है। एडीएम ने क्षेत्रीय लेखपाल को जमीन को चिह्नित कर मुहैया कराने के निर्देश दिए हैं। राजस्व कर्मियों ने नगरीय क्षेत्र में भूमि की चिह्नांकन का कार्य शुरू कर दिया है। अपर जिलाधिकारी सहदेव मिश्रा ने कहा कि सब्जी मंडी और वाहन स्टैंड के जमीन की तलाश कराई जा रही है।

भारतीय मजदूर संघ का मना 68 वां स्थापना दिवस

सोनभद्र । भारतीय मजदूर संघ के कार्यकर्ताओं ने शनिवार की शाम संघ का 68वां स्थापना दिवस स्थानीय कार्यालय पर हर्षोल्लास के साथ मनाया। इस दौरान अखिल भारतीय विद्युत महासंघ के जहां समन्वय की आवश्यकता होगी वहां समन्वय। नियोजक और सरकार यदि विरोध करें तो यह भी विरोध करेगा और अगर वह सहयोग करें तो यह भी सहयोग करेगा। अध्यक्षता शाखा अध्यक्ष

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शशिकांत श्रीवास्तव ने संघ की स्थापना पर विस्तृत प्रकाश डाला। बताया कि भारतीय मजदूर संघ वर्ग संघर्ष जैसे साम्यवादी विचार को नहीं मानता। उसका मानना है कि सभी भारत माता के सपूत और संतानें हैं। वर्ग संघर्ष नहीं बल्कि अन्याय शोषण आर्थिक व सामाजिक विषमता के विरुद्ध संघर्ष मान्य है। यह संघर्षवादी या सामान्यवादी ना होकर संघर्ष समन्वय छम है जहां संघर्ष की आवश्यकता होगी वहां संघर्ष, प्रहलाद शर्मा ने की। संचालन अंबुज कुमार ने किया। सभा में प्रदेश कार्यवाहक अध्यक्ष धुरंधर शर्मा, कोषाध्यक्ष श्रीकांत गुप्ता, दीपू गोपीनाथन, श्रीकांत गुप्ता, गौरी शंकर मंडल, दिनेश कुमार, चौरसिया, राजीव दुबे, सुनील पाल, अनमोल सिंह, बलवंत राय, गोपाल गिरी, श्याम कुमार गुप्ता, देवानंद, आफताब, दिनेश सिंह, एएन राय, अरुण भट्टाचार्य, अनूप विश्वकर्मी, इमाम अहमद, रितेश आदि रहे।

25 हजार का इनामी मुठभेड़ में गिरफ्तार, एक फरार, पेट्रोल पंप कर्मी से लूटे थे दो लाख

मिर्जापुर। जिले में पुलिस ने बीती रात मुठभेड़ के बाद 25 हजार के इनामी बदमाश को गिरफ्तार कर

लिया। इस दौरान मौके से एक बदमाश फरार हो गया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के पैर में गोली लगी है। यूपी के मिर्जापुर जिले में पुलिस ने मुठभेड़ में 25 हजार के इनामी बदमाश को आमिर अली को गिरफ्तार कर लिया। इस दौरान मौके से एक बदमाश फरार हो गया। मुठभेड़ के दौरान अपराधी के पैर में गोली लगाने के बाद ट्रॉमा सेंटर में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। इनामी बदमाश पेट्रोल पंप कर्मी से लूट का मुख्य आरोपी है। जिसे पुलिस काफी दिनों से तलाश कर रही थी बीते 11 जुलाई को लालगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बैंक में पैसा जमा करने जा रहे पेट्रोल पंप के कैशियर मूलचंद से एक लाख 97 हजार रुपये की लूट हुई थी। अपाचे बाइक सवार बदमाशों ने चाकू की नोक पर वारदात को अंजाम दिया था। मूलचंद ने लालगंज थाने में मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस छानबीन कर रही थी।

आईएससी परिणाम: सोनभद्र में अभिनव टॉपर, वाणिज्य में सुनीता अव्वल

सोनभद्र । सीआईएससीई बोर्ड की 12वीं के नतीजे रविवार की शाम घोषित हुए। रेणुकूट के डीसी लेविस मेमोरियल स्कूल के छात्र अभिनव कुमार श्रीवास्तव ने सर्वाधित 98.25 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया है। कॉमर्स वर्ग में 93 प्रतिशत अंक पाकर सुनीता दास अव्वल रहीं। परिणाम की घोषणा के बाद मेधावियों पाकर तीसरे और अभिषेक भारती 92 प्रतिशत अंकों के साथ चौथे स्थान पर रहे। कॉमर्स में सुनीता दास 93 प्रतिशत अंक पाकर प्रथम स्थान प्राप्त करने में सफल रही। श्रीयांशी राय 91.75 अंक पाकर दूसरे स्थान पर रही। वहीं उज्जवल कुमार त्रिपाठी 88.75 एवं ऋषभ कुमार 87.75 प्रतिशत अंक पाकर

ने जमकर खुशी मनाई। परिवार के बड़े-बुजुर्गों ने उन्हें मिठाई खिलाकर आशीर्वाद दिया। सीआईएससीई बोर्ड से दसवीं के नतीजे पिछले दिनों घोषित हो गए थे। अन्य बोर्डों के सभी परिणाम जारी होने के बाद से ही 12वीं के नतीजों को लेकर कयास लगाया जा रहा था। परीक्षार्थी रिजल्ट जानने को बेताब थे। रविवार की दोपहर बाद अचानक बोर्ड की ओर से परिणाम घोषित किए जाने की सूचना प्रसारित की गई और फिर शाम तक नतीजों का एलान भी हो गया। सीआईएससीई बोर्ड से संचालित जिले के एकमात्र स्कूल डीसी लेविस मेमोरियल से विज्ञान वर्ग में 98.25 प्रतिशत अंक पाकर अभिनव कुमार श्रीवास्तव ने पहला स्थान प्राप्त किया। दूसरे स्थान पर कीर्ति विश्वकर्मा को 95.75 प्रतिशत अंक मिले। निशा कुमारी को 92.25 तीसरे और चौथे स्थान पर रहे। विद्यालय की प्रधानाचार्या सिमोना ने बताया कि परीक्षा में कुल 150 छात्र-छात्रा शामिल हुए थे, जिसमें 135 ने प्रथम श्रेणी में परीक्षा उत्तीर्ण की है। विद्यालय में प्रथम स्थान पाने वाले अभिनव कुमार श्रीवास्तव ने गणित कंप्यूटर साइंस व इंग्लिश में 100-100 अंक और फिजिक्स में 95 अंक पाकर सब्जेक्ट टाप किया। जबकि केमिस्ट्री में संयुक्त रूप से अभिनव कुमार श्रीवास्तव और कीर्ति विश्वकर्मा ने 91 अंक पाकर विषय टाप किया। सुनीता दास प्रियांशी राय वसी सिंह ने हिंदी में समान रूप से 92-92 अंक पाकर विषय टॉपर रहीं। अकाउंट में 87 अंक पाकर सृष्टि जायसवाल अव्वल रही। विद्यालय के प्रबंधक जय सिंह डेविड ने बोर्ड परीक्षा में आए शानदार नतीजों पर अध्यापकों, छात्रों व अभिभावकों को बधाई दी है।

घर के पास पोखरी में मिली युवती की लाश

सोनभद्र । खम्हरिया गांव में रविवार को पोखरी में युवती का शव उतराता मिला। वह शनिवार की रात से ही लापता थी। पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है और घटना की छानबीन में जुट गई है। खम्हरिया गांव निवासी शिवशंकर गोंड की पुत्री उषा (19) शनिवार की रात खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से बाहर निकली। काफी देर बाद भी वह नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता हुई। उन्होंने युवती की खोजबीन शुरू की। काफी तलाश के बाद भी युवती का कहीं पता नहीं चला। थक हार कर वह घर लौट आए। सुबह घर से थोड़ी दूर पर स्थित पोखरी में युवती का शव उतराया मिला। लोगों ने सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे एसओ भैया एसपी सिंह ने शव को पोखरी से बाहर निकलवाया तो शिनाख्त उषा के रूप में हुई। शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया है। एसओ के मुताबिक पिता ने बेटी की आत्महत्या की बात बताई है। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

घर से गायब युवती की पोखरी में मिली लाश, परिजन कुछ बताने की स्थिति में नहीं

सोनभद्र । सोनभद्र जिले के खम्हरिया गांव निवासी एक युवती शनिवार शाम से लापता थी। रविवार सुबह उसका शव घर से थोड़ी दूर पर स्थित पोखरी में उतराता मिला। सोनभद्र जिले के खम्हरिया गांव में हुई। उन्होंने युवती की खोजबीन शुरू की। काफी तलाश के बाद भी युवती का कहीं पता नहीं चला। थकहार कर वह घर लौट आए। सुबह घर से थोड़ी दूर पर स्थित पोखरी में युवती का शव उतराता

रविवार सुबह पोखरी में युवती का शव उतराता मिला। वह शनिवार की रात से ही लापता थी। पुलिस ने शव कब्जे में ले लिया है। घटना की छानबीन में जुट गई है।बीजपुर थाना क्षेत्र के खम्हरिया गांव निवासी शिवशंकर गोंड की पुत्री उषा (19) शनिवार की रात खाना खाने के बाद टहलने के लिए घर से बाहर निकलीकाफी देर बाद भी वह वापस नहीं लौटी तो परिजनों को चिंता मिला। लोगों ने सूचना पुलिस को दी।मौके पर पहुंचे एसओ भैया एसपी सिंह ने शव को पोखरी से बाहर निकलवाया तो शिनाख्त उषा के रूप में हुई। शव कब्जे में लेकर पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए सीएचसी दुद्धी भेज दिया है। एसओ के मुताबिक परिजन अभी कुछ बताने की स्थिति में नहीं हैं। तहरीर के आधार पर केस दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

शिक्षकों ने बैठक कर आंदोलन की बनाई रणनीति

सोनभद्र । प्राथमिक शिक्षक संघ की ओर से रविवार को उरमौरा स्थित कार्यालय पर जिलाध्यक्ष योगेश पांडेय की अध्यक्षता में सभी ब्लॉक पदाधिकारियों की बैठक हुई। इसमें पुरानी पेंशन व्यवस्था बहाल करने समेत अन्य मांगों को लेकर आंदोलन करने करने तक हस्ताक्षर अभियान चलेगा। 26 अगस्त को सभी ब्लॉकों से हस्ताक्षर प्रपत्र जमा होंगे जो लखनऊ भेजा जाएगा। 15 नवंबर को लखनऊ स्थित इको गार्डेन में प्रदेश स्तरीय धरना प्रदर्शन होगा। वहीं 30 जनवरी 2023 को राजधानी नई दिल्ली में बड़ा धरना प्रदर्शन होगा।

की रूपरेखा तैयार की गई। योगेश पांडेय ने कहा कि पूरे प्रदेश में पुरानी पेंशन बहाली, शिक्षामित्र, अनुदेशक, संविदा शिक्षक एवं संविदा पर कार्यरत सभी कर्मचारियों का स्थायीकरण, सभी राज्यों में नयी शिक्षा नीति में शिक्षक विरोधी प्रावधानों को समाप्त करने, सातवें वेतन आयोग की अनुशंसा को शत प्रतिशत लागू किये जाने की मांग को लेकर चरणबद्ध तरीके से आंदोलन होगा। 25 जुलाई से 25 अगस्त जिला संरक्षक जयप्रकाश राय, शशांक चतुर्वेदी, रविंद्र नाथ चौधरी, अशोक सिंह, मोहित लाम्बा, नवीन गुप्ता, राजेश जायसवाल, अमित चौबे, राजेश द्विवेदी, ब्लाक अध्यक्ष मनीष शर्मा, अभिषेक, रविंद्र सिंह, राघवेंद्र तिवारी, मनीष पाठक, चंद्रजीत सिंह, पवन कुमार सिंह, संतोष सिंह, सुनील माथुर, तरुण चौबे, भोलानाथ आदि रहे।

शाई होप और तेज गेंदबाजों की बदौलत अंत तक लड़ी वेस्टइंडीज

नई दिल्ली ।अक्षर ने छीना मैचवेस्टइंडीज के खिलाफ दूसरा वनडे जीतकर भारत ने सीरीज भी अपने नाम कर ली है। इस जीत के साथ ही भारत ने वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 12 सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी बना लिया है। भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच टीम इंडिया ने दो विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ सीरीज भारत के नाम हो गई और वेस्टइंडीज के खिलाफ लगातार 12 सीरीज जीतने का रिकॉर्ड भी भारत के नाम हो गया। इस मैच में वेस्टइंडीज की टीम ने जीत की पूरी तैयारी कर ली थी। पहले 300 से ज्यादा का स्कोर बनाया फिर 205 रन के अंदर भारत की आधी टीम को आउट कर दिया, लेकिन अक्षर पटेल ने अपने दम पर मैच पलट दिया और भारत को जीत दिला दी। अक्षर की शानदार बल्लेबाजी भारत के लिए सुखद पहलू है। उनके अलावा संजू सैमसन, श्रेयस अय्यर और शुभमन गिल ने भी शानदार बल्लेबाजी की। खास बात यह है कि इनमें से किसी भी खिलाड़ी की जगह मुख्य टीम में पक्की नहीं है, लेकिन मौका मिलने पर ये खिलाड़ी कमाल कर रहे हैं। इससे साफ है कि भारत की बेंच स्ट्रेंथ बेहद मजबूत है और बड़े टूर्नामेंट में टीम इंडिया को इसका फायदा मिलेगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए वेस्टइंडीज की सलामी जोड़ी ने 65 रन जोड़े। इसके बाद यह साफ था कि कैरिबियाई टीम बड़ा स्कोर बनाने वाली है। हालांकि 130 रन पर तीन विकेट गिरने के बाद विंडीज टीम स्कोर का पीछा सिर्फ दो बार हुआ था। ऐसे में भारत की जीत तय लग रही थी। बड़े लक्ष्य के दवाब में भारत का टॉप ऑर्डर फेल रहा और 79 के स्कोर पर तीन विकेट गिर गए थे। वेस्टइंडीज की जीत तय लग रही थी, लेकिन श्रेयस अय्यर और संजू सैमसन ने 99 35 गेंद पर 64 रन बनाकर भारत को मैच जिता दिया। भारत के कप्तान शिखर धवन का प्रदर्शन इस मैच में कुछ खास नहीं रहा। उन्होंने 31 गेंदों में सिर्फ 13 रन बनाए। इसमें कोई चौका-छक्का शामिल नहीं था। वहीं, गेंदबाजी के दौरान भी वो अपने खिलाड.ियों

मुश्किल में दिख रही थी। चौथे विकेट के लिए शाई होप और कप्तान पूरन ने 117 रन की साझेदारी कर वेस्टइंडीज को मैच में काफी आगे कर दिया। इसी वजह से टीम ने 311 रन का स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज की धरती में इससे बड़े रन की साझेदारी कर भारत की वापसी कराई। श्रेयस के आउट होने के बाद संजू भी पवेलियन लौट गए और टीम इंडिया नियमित अंतराल पर विकेट गंवाकर मुश्किल में आ गई। ऐसे में अक्षर ने एक छोर से आक्रामक बल्लेबाजी शुरू की और का सही इस्तेमाल नहीं कर पाए और वेस्टइंडीज ने 300 से ज्यादा का स्कोर बनाया। वेस्टइंडीज के कप्तान निकोलस पूरन के लिए यह मैच अच्छा रहा। पहले बल्ले के सात उन्होंने 77 गेंद में 74 रन बनाए। इसके बाद अपने गेंदबाजों का सही इस्तेमाल कर लगभग जीत हासिल कर ली थी, लेकिन अक्षर ने मैच पलट दिया। सिराज ने शानदार गेंदबाजी की। उन्हें विकेट नहीं मिले, लेकिन उन्होंने कैरिबियाई बल्लेबाजों पर दबाव बनाया और शार्दुल ने इसका फायदा उठाकर तीन विकेट लिए। दीपक हुड्डा और अक्षर पटेल ने भी बीच के ओवरों में कंजूसी से रन दिए। बल्लेबाजी में शुभमन गिल, श्रेयस अय्यर, संजू सैमसन और अक्षर पटेल ने कमाल किया। खासकर अक्षर ने हारा हुआ मैच भारत को जिता दिया। नकारात्मक पहलूः आवेश खान अपने पहले वनडे मैच में ही बहुत महंगे साबित हुए। शार्दुल ठाकुर और चहल ने भी जमकर रन लुटाए। 130 रन पर वेस्टइंडीज के तीन विकेट गिराने के बावजूद भारत उसे 300 के अंदर नहीं रोक सका। पावरप्ले में गेंदबाजों ने 71 रन लुटाए और सिर्फ एक विकेट लिया। बीच के ओवरों में स्पिन गेंदबाजों ने शाई होप और पूरन के बीच बड़ी साझेदारी होने दी। इसी वजह से बड़ा स्कोर बना। बल्लेबाजी में कप्तान धवन ने बेहद खराब प्रदर्शन किया। सूर्यकुमार दूसरे मैच में भी फेल रहे। हुड्डा और सैमसन अच्छी बल्लेबाजी कर रहे हैं, लेकिन मैच नहीं खत्म कर पा रहे। सकारात्मक पहलूः वेस्टइंडीज की टीम भले ही दोनों मैच हारी हो, लेकिन दोनों बार मुकाबला कांटे का था और आखिरी ओवर में मैच का नतीजा आया। बांग्लादेश के खिलाफ क्लीन स्वीप होने के बाद कैरिबियाई टीम ने अच्छी वापसी की है। नतीजे उनके पक्ष में नहीं हैं, लेकिन उनके खेल का स्तर काफी बेहतर हुआ है। इस मैच में शाई होप ने शतक लगाया। पूरन ने बेहतरीन बल्लेबाजी की। स्पिन को मदद कर रही पिच में तेज गेंदबाजों ने कमाल किया। अल्जारी जोसेप और जायडल सेल्स ने कमाल का प्रदर्शन किया। नकारात्मक पहलूः वेस्टइंडीज की टीम अच्छा खेल रही है, लेकिन अहम मौकों पर खिलाड़ी दबाव नहीं सोख पा रहे और मैच हार रहे हैं। इस मैच में भी यही हुआ। अंत के ओवरों में कैरिबियाई गेंदबाज अक्षर पटेल को नहीं आउट कर पाए और मैच हार गए। बल्लेबाजी में सभी को अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन शाई होप को छोड़ कोई भी इसका फायदा नहीं उठा सका। कप्तान पूरन भी अहम मौके पर आउट हो गए, जब उन्हें तेजी से रन बनाने थे। स्पिन गेंदबाजी पूरी तरह फ्लॉप रहे। अकली हुसैन और हेडन वॉल्स ने आठ के इकोनॉमी रेट से रन खर्चे। सभी गेंदबाज एकजुट होकर अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए और टीम को हार का सामना करना पड़ा।

धवन के सिर में लगी शेफर्ड की बाउंसर

नई दिल्ली । फिर चर्चा में रही संजू की विकेट कीपिंग भारत और वेस्टइंडीज के बीच वनडे सीरीज का दूसरा मैच भारत ने दो विकेट से जीत लिया। इस जीत के साथ टीम इंडिया ने तीन मैचों की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त बना ली है। इस मैच में वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 311 रन बनाए थे और भारत ने आठ विकेट खोकर लक्ष्य का पीछा कर लिया। अक्षर पटेल ने 35 गेंद में नाबाद 64 रन बनाए और उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया। वेस्टइंडीज के शाई होप थे। वेस्टइंडीज दौरे पर विराट कोहली भारतीय टीम का हिस्सा नहीं हैं, वो खराब फॉर्म से भी जूझ रहे हैं, लेकिन उनकी लोकप्रियता में कोई कमी नहीं आई है। भारतीय टीम के ऑलराउंडर दीपक हुड्डा इस मैच में प्रसिद्ध कृष्णा की जर्सी पहनकर मैच खेलने उतरे। उन्होंने गेंद और बल्ले दोनों के साथ उपयोगी योगदान दिया, लेकिन उन्होंने कृष्णा की जर्सी क्यों पहनी इसका खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि, कृष्णा की जर्सी का नंबर 24 है, जो क्रुणाल पांड्या

ने शतकीय पारी खेली, लेकिन उनका शतक बेकार गया और उनकी टीम को हार का सामना करना पड़ा। इस मैच के दौरान शिखर धवन के सिर पर बाउंसर लगी और अगली गेंद पर वो आउट हो गए। वहीं, विराट कोहली के फैंस ने उन्हें याद किया और मैच में उनकी कमी खली। संजू सैमसन की विकेटकीपिंग इस मैच में फिर चर्चा का विषय बनी रही। यहां हम इस मैच के ऐसे ही रोमांचक पल तस्वीरों में दिखा रहे हैं। वेस्टइंडीज पर भारत की जीत के बाद टीम इंडिया के खिलाड़ी बेहद खुश नजर आए। सभी खिलाड.ियों ने पहले खड़े होकर जशन मनाया फिर अक्षर पटेल के गल लगकर उन्हें शानदार पारी की बधाई दी। अक्षर ने इस पारी के बाद टीम इंडिया में अपनी जगह मजबूत की है। जडेजा के न रहने पर उन्हें मौका मिलना तय है। विराट कोहली के फैंस इस मैच के दौरान स्टेडियम में पोस्टर लेकर पहुंचे भी भारत के लिए पहन चुके हैं। ऐसे में फैंस ने उनके मजे ले लिए। वेस्टइंडीज के खिलाड़ी इस मैच में हार के बाद बेहद निराश नजर आए। कैरिबियाई टीम ने इस मैच में जीत के लिए हर संभव कोशिश की थी और अंत तक मैच में बनी हुई थी, लेकिन आखिरी ओवर में उन्हें हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद सभी खिलाड़ी निराश हो गए। संजू सैमसन ने इस मैच में भी अच्छा प्रदर्शन किया। पहले अपनी विकेटकीपिंग से प्रभावित किया फिर अर्धशतकीय पारी भी खेली। वेस्टइंडीज में भी संजू सैमसन के फैंस दिखाई दिए। ये फैन संजू के लिए पोस्टर लेकर स्टेडियम में पहुंचे थे। इस मैच के दौरान रोमारियो शेफर्ड की एक बाउंसर गेंद बल्लेबाज शिखर धवन के हेलमेट पर लगी और उनके हेलमेट की पट्टी बाहर आ गई। हालांकि, धवन को कोई चोट नहीं आई, लेकिन वो अगली ही गेंद पर आउट हो गए।

राशीफल

मेष-:आज उद्यमी और व्यवसायी व्यस्त रहेंगे और सफल भी होंगे। वेतनभोगी लोगों को पदोन्नति के साथ स्थानांतरित किया जा सकता है।

वृष-:आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। आपका कोई सोचा हुआ काम पूरा होगा। इस राशि के छात्रों के करियर में नया बदलाव आएगा। जो उनके भविष्य के लिए फायदेमंद होगा।

मिथुन-:आज आपकी ऊर्जा का स्तर ऊंचा रहेगा क्योंकि आपका प्रिय आपके लिए ढेर सारी खुशियों का कारण साबित होगा। कोई खास काम कल के लिए छोड़ा जा सकता है।

कर्क-:यात्रा अधिक हो सकती है। आपको अपने वरिष्ठों और अधिकारियों से मदद और पुरस्कार मिल सकता है। कार्यस्थल पर आप प्रशंसा के पात्र होंगे, जिससे आपकी संतुष्टि

सिंह-:आज आपका दिन मिलाजुला रहेगा। किसी काम में आपको किसी अनुभवी व्यक्ति की मदद मिल सकती है। परिवार के साथ मूवी प्लान कर सकते हैं।

कन्या-:आज ऑफिस में प्रेम प्रसंग की संभावना आपको अपने काम से दूर ले जा सकती है, हालांकि, आपको अपनी एकाग्रता वापस लाने की आवश्यकता है। एकतरफा लगाव आपकी खुशिया

तुला-:आज आपको व्यापार और आर्थिक दृष्टि से कुछ निराशा का अनुभव हो सकता है। आपके शत्रु आपके लिए परेशानी खड़ी कर सकते हैं। आपकी आय कम हो सकती है और आपका निवेश रुक

वृश्चिक-:आज का दिन आपका सबसे अच्छा रहेगा। पारिवारिक संबंध मजबूत होंगे। थोड़ी सी मेहनत से आप अपने लक्ष्य को आसानी से प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति में काफ

धनु-:आज आप किसी धार्मिक कार्य में संलग्न हो सकते हैं, जिससे आपकी सामाजिक लोकप्रियता में वृद्धि संभव है। आपका पारिवारिक-जीवन आनंदमय रहेगा और आप मानसिक रूप

मकर-:आज का दिन आपके लिए शानदार रहेगा। काम से जुड़ी कोई बड़ी चुनौती आपके सामने आएगी। साथ ही आप इसमें सफल भी होंगे। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा।

कुंभ-:आज दोस्तों के साथ वैचारिक मतभेद हो सकते हैं। किसी पैतृक संपत्ति का लाभ मिल सकता है। महत्वपूर्ण व्यापारिक सौदे करते समय दूसरों के दबाव में न आएं।

मीन-:तनाव और घबराहट से बचें, क्योंकि यह आपके स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है. घर में निवेश करना फायदेमंद रहेगा। आपकी उपलब्धि परिवार के सदस्यों को उत्साह से भर देगी और आप अपनी सफलताओं की सूची।

क्रुणाल-पंखुड़ी के घर आया नन्हा मेहमान

नई दिल्ली ।हार्दिक समेत कई क्रिकेटर्स ने दी बधाई, सारा ने भी किया रिएक्टक्रुणाल और पंखुड़ी की तस्वीर पर कई क्रिकेटर्स ने प्रतिक्रिया भी दी है। इनमें केएल राहुल, ईशान किशन, मोहसिन खान, खलील अहमद, जयंत यादव, कुलदीप यादव, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। टीम इंडिया के ऑलराउंडर क्रुणाल पांड्या

पिता बन गए है। उनकी पत्नी पंखुड़ी ने बच्चे को जन्म दिया। इसकी जानकारी खुद क्रुणाल ने सोशल मीडिया के जरिये दी है। इतना ही नहीं क्रुणाल ने बेटे का नाम भी बताया है। क्रुणाल फिलहाल टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं। हाल ही में उन्होंने काउंटी चैंपियनशिप के लिए साइन किया था। क्रुणाल ने सोशल मीडिया पर पतनी पंखुड़ी और बेटे के साथ दो तस्वीरें साझा कीं। एक तस्वीर में यह कपल बच्चे को चूमता नजर आ रहा है। वहीं, दूसरी तस्वीर में दोनों बच्चे को निहार रहे हैं। क्रुणाल ने कैप्शन में बेटे का नाम बताया। उन्होंने लिखा-कवीर क्रुणाल पांड्या। क्रुणाल ने साथ ही ग्लोब की इमोजी भी लगाई है। वह ये बताना चाह रहे हैं कि बेटा ही उनका संसार है। इस फोटो पर कई क्रिकेटर्स ने प्रतिक्रिया भी दी है। इनमें केएल राहुल, ईशान किशन, मोहसिन खान, खलील अहमद, जयंत यादव, कुलदीप यादव, सिद्धार्थ कौल जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। सभी ने क्रुणाल और पंखुड़ी को बधाई दी है। वहीं, मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर की बेटी सारा तेंदुलकर, जहीर खान की पतनी और एक्ट्रेस सागरिका घटगे और मनीष पांडे की पतनी आश्रिता शेट्टी ने भी फोटो पर कमेंट किया है। क्रुणाल के भाई और चाचा बने भारतीय टीम के ऑलराउंडर हार्दिक पांड्या ने भी फोटो पर रिएक्शन दिया है। उन्होंने इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर अपने स्टेटस पर लगाया है और लिखा-लव यू बेबीज क्रुणाल और पंखुड़ी। इसके साथ ही उन्होंने दिल वाला इमोजी भी लगाया है। क्रुणाल और मॉडल पंखुड़ी शर्मा ने 27 दिसंबर 2017 को शादी की थी। शादी के बंधन में बंधने के करीब पांच साल के बाद दोनों पेरेंट्स बने हैं। वैसे तो पंखुड़ी को क्रिकेट देखना पसंद नहीं है, लेकिन वे क्रुणाल पांड्या के सारे मैच देखती हैं। आईपीएल में भी वह लखनऊ सुपर जाएंट्स से खेलने वाले क्रुणाल के सभी मैच देखने आई थीं। क्रुणाल ने 2018 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में डेब्यू किया था। वह एक टी-20 मैच था। इसके बाद से क्रुणाल 19 टी-20 और पांच वनडे खेल चुके हैं। पांच वनडे में क्रुणाल ने 130 रन बनाए और दो विकेट झटके। वहीं, 19 टी-20 में क्रुणाल के नाम 124 रन और 15 विकेट हैं। 98 आईपीएल मैचों में क्रुणाल ने 1326 रन बनाए और 61 विकेट झटके हैं।

एंजेलो मैथ्यूज ने जिस टीम के खिलाफ किया था डेब्यू उसी के खिलाफ खेला 100वां मैच

नई दिल्ली । मैदान भी वही मैथ्यूज के 100 टेस्ट पूरे होने के अवसर पर श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) बोर्ड ने मैच से पहले पूर्व टेस्ट कप्तान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ऑलराउंडर के साथ उनका परिवार भी था श्रीलंका और पाकिस्तान के बीच दो टेस्ट मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला रविवार (24 जुलाई) को गॉल में शुरू हुआ। पहला टेस्ट चार विकेट पाकिस्तान के खिलाफ ही टेस्ट क्रिकेट में पदार्पण किया था।एंडरसन को लेकर कही बड़ी बात 35 साल के इस खिलाड़ी ने अपनी बढ़ती उम्र को लेकर कुछ बात कही। उन्होंने इंग्लैंड के अनुभवी तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन को अपनी प्रेरणा कहा। वह ज्यादा से ज्यादा समय तक टेस्ट मैच खेलना चाहते हैं। मैथ्यूज ने कहा, ठमेरी प्रेरणा एंडरसन हैं। एक तेज गेंदबाज होने

से जीतकर पाकिस्तान सीरीज में 1-0 की अजेय बढ़त हासिल कर चुका है। दूसरे टेस्ट में श्रीलंका को सीरीज बचाने के लिए हर हाल में जीत चाहिए। इस मुकाबले में उसके अनुभव बल्लेबाज एंजेलो मैथ्यूज ने पहले दिन बड़ी उपलब्धि हासिल की। मैथ्यूज श्रीलंका के लिए 100 टेस्ट खेलने वाले छठे खिलाड़ी बने मैथ्यूज से पहले महेला जयवर्धने (149 मैच), कुमार संगकारा (134), मुथैया मुरलीधरन (131), चामिंडा वास (111) और सनथ जयसूर्या (110) ने 100 या उससे ज्यादा टेस्ट मैच खेले थे। मैथ्यूज की तरह इनमें से जयवर्धने, संगकारा और जयसूर्या ने टेस्ट में श्रीलंका की कप्तानी की है। मैथ्यूज को किया गया सम्मानित मैथ्यूज के 100 टेस्ट पूरे होने के अवसर पर श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) बोर्ड ने मैच से पहले पूर्व टेस्ट कप्तान को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। ऑलराउंडर के साथ उनका परिवार भी था। मैथ्यूज ने 2009 में इसी मैदान (गॉल स्टेडियम) पर और के नाते वह अभी भी कुछ और साल खेलना चाहते हैं। यह खेल के प्रति उनका उत्साह है। यह यहीं रुकने वाला नहीं है। मेरे पास अभी भी कुछ और साल हैं। उम्र सिर्फ एक संख्या है और मैं अब भी तीनों प्रारूपों में अपना सर्वश्रेष्ठ देने को तैयार हूं कम टेस्ट से चिंतित मैथ्यूज मैथ्यूज ने अगले 18 महीनों में श्रीलंका के कम टेस्ट मैचों के लिए भी चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, ठमैं टेस्ट क्रिकेट पसंद करता हूं। अधिकांश प्रमुख खिलाड़ी अधिक टेस्ट क्रिकेट खेलना चाहते हैं। लेकिन दुर्भाग्य से मुझे लगता है कि हमारे पास अगले 18 महीनों के लिए लगभग सात टेस्ट मैच हैं। हमें उम्मीद है एसएलसी कुछ और टेस्ट मैचों को शामिल करने की व्यवस्था करेगा। श्रीलंका ने लिए कैसा रहा टेस्ट का पहला दिन श्रीलंका ने मैच में टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। उसके ओपनर्स ओशादा फर्नांडो और कप्तान दिमुथ करुणारतने ने टीम को मजबूत शुरुआत दी।

अक्षर पटेल ने बल्लेबाजी में किया कमाल, भारत दूसरा वनडे जीता

नई दिल्ली ।सीरीज में ली 2-0 की अजेय बढ़तभारत और वेस्टइंडीज के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज का दूसरा मुकाबला त्रिनिदाद में खेला गया। वेस्टइंडीज ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया है। उसने भारत को 312 रन का लक्ष्य दिया है। भारत ने इस लक्ष्य को दो विकेट शेष रहते ही हासिल कर लिया। इसने सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल कर ली जीत के लिए आखिरी ओवर में आठ रन बनाने थे। अक्षर ने चौथी गेंद पर छक्का लगाकर टीम को जीत दिला दी। अक्षर के अलावा भारत के लिए श्रेयस अय्यर ने 63, संजू सैमसन 54, शुभमन गिल ने 43 और दीपक हुड्डा ने 33 रन बनाए। वेस्टइंडीज के लिए अल्जारी जोसेफ और कायेल मेयर्स ने दो-दो विकेट लिए। भारत ने तीन वनडे की सीरीज में 2-0 की अजेय बढ़त हासिल

है।अक्षर पटेल ने भारत को हारते-हारते बचा लिया। उन्होंने 35 गेंद पर नाबाद 64 रन बनाकर टीम इंडिया को दो विकेट से रोमांचक जीत दिलाई। वेस्टइंडीज ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में छह विकेट पर 311 रन बनाए थे। जवाब में टीम इंडिया ने 49.4 ओवर में आठ विकेट पर 312 रन बनाकर मैच को अपने नाम कर लिया। अक्षर ने 27 गेंद पर अपना पहला वनडे अर्धशतक लगाया। टीम इंडिया को कर ली है। उसने वेस्टइंडीज को लगातार 12वीं सीरीज में हराया है। 46वें ओवर में अल्जारी जोसेफ गेंदबाजी करने के लिए आए। उन्होंने शुरुआत चार गेंदों पर ही 16 रन दे दिए। ऐसा लग रहा था कि भारत के लिए मैच में सबकुछ ठीक होने लगा है, तभी पांचवीं गेंद को बाउंड्री से बाहर भेजने के प्रयास में शार्दुल ठाकुर आउट हो गए। उन्होंने छह गेंद पर तीन रन बनाए। अब टीम इंडिया को अक्षर पटेल से चमत्कार की उम्मीद है। भारत को चार ओवर में 32 रन चाहिए। भारत के जीत के लिए 36 गेंद पर 56 रन बनाने थे। 45वें ओवर में गेंदबाजी के लिए महंगे साबित हो रहे अकील हुसैन को कप्तान निकोलस पूरन ने एक बार फिर से बुलाया। अकील ने पहली ही गेंद पर दीपक हुड्डा को आउट कर उनके फैसले को सही साबित किया। हुड्डा 36 गेंद पर 33 रन बनाकर आउट हुए। उनके आउट होने के बाद शार्दुल ठाकुर क्रीज पर आए हैं। भारत ने 43 ओवर में पांच विकेट पर 243 रन बना लिए हैं। उसे जीत के लिए 42 गेंद पर 64 रन और बनाने हैं। दीपक हुड्डा और अक्षर पटेल सधी हुई बल्लेबाजी कर रहे हैं। दोनों खराब गेंदों को बाउंड्री से बाहर पहुंचा रहे हैं। अक्षर ने 29 और हुड्डा ने 27 रन बना लिए हैं। दोनों के बीच छठे विकेट के लिए 40 से ज्यादा रनों की साझेदारी हो गई है। संजू सैमसन 39वें ओवर में रन आउट हो गए। रोमारियो शेफर्ड की गेंद संजू एक रन लेना चाहते थे। गेंद बल्ले से लगकर फील्डर कायेल मेयर्स के पास गई। मेयर्स ने बॉलर एंड पर थ्रो किया और गेंद शेफर्ड के पैर से लगकर विकेटों से टकरा गई। सैमसन काफी पीछे थे। वह 51 गेंद पर 54 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। उन्होंने तीन चौके और तीन छक्के लगाए। सैमसन के बाद अक्षर पटेल क्रीज पर उतरे हैं। भारत ने 39 ओवर में पांच विकेट पर 207 रन बना लिए हैं। दीपक हुड्डा 23 गेंद पर 16 रन बनाकर नाबाद हैं। टीम इंडिया को जीत के लिए 11 ओवर में 105 रन चाहिए। संजू सैमसन ने वनडे करियर का पहला अर्धशतक लगाया। उन्होंने 38वें ओवर की दूसरी गेंद पर चौका लगाकर फिफ्टी पूरी की। 38 ओवर में भारत ने चार विकेट पर 202 रन बना लिए हैं। संजू सैमसन 53 और दीपक हुड्डा 13 रन बनाकर नाबाद हैं। दोनों ने पांचवें विकेट के लिए 24 रन की साझेदारी कर ली है। अल्जारी जोसेफ ने 33वें ओवर की आखिरी गेंद पर वेस्टइंडीज को बड़ी सफलता दिलाई। उन्होंने श्रेयस अय्यर को एलबीडब्ल्यू कर दिया। अय्यर ने 71 गेंद पर 63 रन बनाए। उन्होंने अपनी पारी में चार चौके और एक छक्का लगाया। अय्यर ने आउट होने से पहले संजू सैमसन के साथ चौथे विकेट के लिए 99 रनों की साझेदारी की। अय्यर के आउट होने के बाद दीपक हुड्डा क्रीज पर आए हैं। पहले वनडे में 54 रन बनाने वाले श्रेयस अय्यर ने दूसरे मैच में भी अपनी फॉर्म को बरकरार रखा है। उन्होंने 30वें ओवर में कायेल मेयर्स की गेंद पर चौका लगाकर अर्धशतक पूरा किया। उसके बाद एक छक्का भी लगाया। अय्यर ने सैमसन के साथ 83 रनों की साझेदारी कर ली है। अय्यर का विंडीज के खिलाफ वनडे में यह आठ मैचों में सातवां अर्धशतक है। उन्होंने नौ मैचों में 400 से ज्यादा रन बनाए हैं। भारत ने 30 ओवर में तीन विकेट पर 162 रन बना लिए हैं। सैमसन 33 और अय्यर 57 रन बनाकर नाबाद हैं।

वनडे के भविष्य को लेकर विवाद, वसीम अकरम को पाकिस्तान के पूर्व कप्तान ने दिया जवाब

नई दिल्ली । हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने भी कहा था कि वनडे क्रिकेट साइडलाइन होता जा रहा है। क्रिकेट का यह फॉर्मेट एक तरह से खत्म होता जा रहा है। हालांकि,

कुछ पूर्व क्रिकेटर्स वनडे क्रिकेट के समर्थन में भी हैं। इन्हीं में से एक ने वसीम को जवाब दिया है। इंग्लैंड के ऑलराउंडर बेन स्टोक्स के वनडे फॉर्मेट से संन्यास लेने के बाद से पिछले कुछ हफ्तों में वनडे के भविष्य को लेकर विवाद काफी बढ़ गया है। कई पूर्व और मौजूदा क्रिकेटर्स इसके समर्थन में हैं तो कई क्रिकेटर्स इसका विरोध कर रहे हैं। भारत के दिग्गज स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने कहा था कि वह वनडे मैच देखते-देखते एक समय बोर हो जाते हैं और टीवी ऑफ कर देते हैं। वहीं, हाल ही में पाकिस्तान के पूर्व कप्तान वसीम अकरम ने भी कहा था कि वनडे क्रिकेट साइडलाइन होता जा रहा है। क्रिकेट का यह फॉर्मेट एक तरह से खत्म होता जा रहा है। हालांकि, कुछ पूर्व क्रिकेटर्स वनडे क्रिकेट के समर्थन में भी हैं। पाकिस्तान के ही एक पूर्व कप्तान सलमान बट ने वसीम अकरम को जवाब दिया है। अपने यूट्यूब चैनल पर सलमान बट ने वनडे फॉर्मेट के बारे में विस्तार से बातचीत की। बट ने कहा- कुछ खिलाड़ी ऐसे जो कोई एक फॉर्मेट खेलना चाहते हैं।। वनडे और टी-20 के बीच सबसे बड़ा अंतर यह है कि टी-20 में आपको लीग खेलने को मिलता है। इसमें अधिक पैसा है। कोई क्रिकेटर इसे छोड़ना नहीं चाहता। उन्होंने कहा- वनडे में बड़े टूर्नामेंट होते है, लेकिन इसमें कोई लीग नहीं होती है। इसलिए अगर किसी को व्यस्त कार्यक्रम के साथ थकावट का सामना करना पड़ रहा है, तो वे वनडे से संन्यास लेना पसंद करते है।

सम्पादकीय

द्रौपदी मुर्मू का शपथग्रहण और लोकतंत्र का नया अध्याय

आज से भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का नया अध्याय शुरू होता है। निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दलित समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और उनका लालन-पालन भी एक कच्चे घर में हुआ, जिसकी छत से पानी टपकता था। आज नवनिर्वाचित राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू देश के 15वें राष्ट्रपति के रूप में संसद के सेंट्रल हॉल में शपथ ग्रहण करेंगी। हाल ही में संपनन्न हुए राष्ट्रपति के निर्वाचन की प्रक्रिया एक मील का पत्थर है। भारत एक जीवंत लोकतंत्र है और इसमें क्षेत्रीय, भाषायी और धार्मिक विविधता है। यह भारतीय संविधान की दूरदृष्टि को ही दर्शाता है कि आजादी के 75वें साल में भी देश की सांविधानिक एवं लोकतांत्रिक प्रक्रिया निरंतर उस अंतिम व्यक्ति/महिला के कल्याण को अपनी दृष्टि में रखती है, जिसके हित के लिए संविधान बना। श्रीमती द्रौपदी मुर्मू का राष्ट्रपति चुना जाना इस दृष्टिकोण से एक अभूतपूर्व लोकतांत्रिक कामयाबी है। वह एक ऐसे समाज और परिवार से ताल्लुक रखती हैं, जिसकी पृष्ठभूमि श्रमकर्मी की है। यह शायद भारत में ही संभव है कि ऐसे वंचित सामाजिक व आर्थिक पृष्ठभूमि की महिला भी शीर्ष पद पर पहुंच सकीं। आज से भारत के लोकतांत्रिक इतिहास का नया अध्याय शुरू होता है। निवर्तमान राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद दलित समुदाय से ताल्लुक रखते हैं और उनका लालन-पालन भी एक कच्चे घर में हुआ, जिसकी छत से पानी टपकता था। वह वकालत की पढ़ाई के उपरांत हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता बने। फिर वह राज्यसभा सदस्य बने और बिहार के राज्यपाल भी। लोकसभा के सेंट्रल हॉल में विदाई भाषण में उन्होंने अपनी इस लंबी जीवन यात्रा का तो वर्णन किया ही, सरकार की उन कल्याणकारी योजनाओं का भी विस्तृत ब्योरा दिया, जिसमें अंतिम व्यक्ति के रोजमर्रा के जीवन की कठिनाइयों को हल करने की बातें सोची गई हैं। हर घर नल से पानी पहुंचाने का सपना, स्वच्छ भारत का सपना, और लड़कियों के पढ़ने और आगे बढ़ने की बात पर उन्होंने विशेष बल दिया। लगभग इसी सोच के तहत द्रौपदी मुर्मू का प्रथम आदिवासी और प्रथम आदिवासी महिला के रूप में राष्ट्रपति चुना जाना भारत में लोकतंत्र की परिपक्वता को दर्शाता है। इस शीर्ष पद के लिए मुर्मू की दावेदारी ऐसी रही कि भाजपा के सहयोगी दलों की बात तो छोड़ दीजिए, भाजपा के प्रतिस्पर्धी दल के नेता भी उनका समर्थन कर बैठे। ओडिशा के नवीन पटनायक ने सबसे पहले उनके समर्थन की घोषणा की। उनके बीजू जनता दल के साझा सरकार में द्रौपदी मुर्मू मंत्री रहीं और कुशल कार्यकलाप के लिए उन्हें पुरस्कृत भी किया गया था। बीजू जनता दल के सांसदों ने द्रौपदी मुर्मू को ओडिशा की बेटी बतलाया, तो पड़ोसी राज्य झारखंड में भी उनकी दावेदारी से खुशी की लहर दौड़ पड़ी। वहां झारखंड मुक्ति मोर्चा तथा कांग्रेस की साझा सरकार है, और इस गठबंधन ने 2019 में भाजपा को चुनाव में शिकस्त दी थी। लेकिन मुर्मू झारखंड की राज्यपाल रहीं और उनके कुशल नेतृत्व का ही नतीजा था कि उन के नाम पर इस छोटे से राज्य में भी सर्वदलीय सहमति बनी। राज्यपाल रहते हुए उन्होंने तटस्थ भाव से अपने दायित्वों का निर्वहन किया और राज्य में भाजपा सरकार के कार्यकाल में आदिवासी संरक्षण एवं स्वायत्तता के सांविधानिक प्रावधानों पर अपनी पैनी निगाह बनाए रखी। नतीजा यह हुआ कि बतौर राज्यपाल उन्हें लोकहित संरक्षक और आदिवासी समाज के हित के अगुआ के रूप में स्वीकार किया गया। उनके राष्ट्रपति बनने से आदिवासियों के जीवन में कितना बदलाव आएगा, यह तो देखने वाली बात होगी, लेकिन यह तो कहा ही जा सकता है कि आदिवासियों के हितों की वह संरक्षक जरूर बनेंगी। इसके अलावा उनके राष्ट्रपति बनने से आदिवासी समाज में अपने राजनीतिक महत्व का संचार तो हुआ ही है। श्रीमती मुर्मू की पारिवारिक पृष्ठभूमि भी अत्यंत साधारण ही है। अपने जीवन के शुरुआती दौर में उन्होंने स्कूल में शिक्षिका के रूप में काम किया, फिर राजनीति में आईं और विधायक का चुनाव लड़कर जीतीं तथा हमेशा सामाजिक एवं राजनीतिक जीवन में सक्रिय रहीं। निजी जीवन में उन्हें कई झटके भी लगे। उनके पति और पुत्र, दोनों का असामयिक निधन हो गया, लेकिन उन्होंने न सिर्फ अपने गांव में स्कूल का संचालन किया, बल्कि सामाजिक जीवन से जुड़कर निजी दुख का दरिया पार करने का फैसला किया। यानी निजी जीवन के दुख के बावजूद वह समाज और लोककल्याण के कार्यों में लगी रहीं। महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में भी, जहां आदिवासियों की संख्या ज्यादा है, इन्हें व्यापक समर्थन मिला और इनके जीतने से जो माहौल बना है, उसमें स्पष्ट है कि अब तक सामाजिक और आर्थिक हाशिये पर रहा आदिवासी समाज अब भारतीय राजनीति की मुख्यधारा में है। जल, जंगल और जमीन के निकट रहने वाला यह समाज अपनी रोजी-रोटी और जीवन-यापन के लिए जंगल पर ही निर्भर है।

अनुभव से उपजी सीजेआई रमन की टिप्पणी- 'प्रक्रिया ही सजा है', इन कहानियों में झलकती है

चालीस साल पहले गुरुबख्श सिंह सिब्बिया (1980) के मामले में सर्वोच्च न्यायालय की संविधान सभा ने एक कानून निर्धारित किया : 'दंड प्रक्रिया संहिता की विभिनन्न धाराओं से जो सिद्धांत निकलता है, वह यह कि जमानत देना नियम है और इनकार अपवाद है।' 2014 में अर्नेश कुमार के मामले में कोर्ट ने कहा कि गिरफ्तार करने की शक्ति को व्यापक रूप से प्रताड़ना और उत्पीड़न का औजार माना जाता है और निश्चित रूप से इसे जनता का मित्र माना जाता है। हमारी आपराधिक न्याय प्रणाली में प्रक्रिया ही सजा है। जल्दबाजी में मनमाने ढंग से की जाने वाली गिरफ्तारियों से लेकर कठिनाई से जमानत हासिल करने तक की प्रक्रिया के कारण विचाराधीन लोगों को लंबे समय तक जेल में रहने की समस्या की ओर तत्काल ध्यान दिए जाने की जरूरत है...यह एक गंभीर मुद्दा है कि पूरे देश भर के 6,10,000 बंदियों में से 80 फीसदी विचाराधीन हैं...समय आ गया है, जब इन प्रक्रियाओं पर विचार किया जाए जिनके कारण बिना किसी सुनवाई के इतने लंबे समय तक जेल में रहना पड़ता है' - एनवी रमन, भारत के प्रधान न्यायाधीश जस्टिस रमन ने 17 सालों

तक वकालत की है और वह 22 सालों से जज हैं। वह 'आपराधिक न्याय देने' के नाम पर अदालतों में क्या चल रहा है, उससे अपरिचित नहीं हैं। उन्होंने आरोपियों के परिजनों, वकीलों, नागरिक समाज के कार्यकर्ताओं, पत्रकारों और चिंतित नागरिकों के साथ भी बातचीत की होगी और सैकड़ों त्रासद कहानियां सुनी होंगी।

श्रीदेव सुमन पुण्यतिथि विशेषः स्वाधीनता आन्दोलन को नई राह दिखा गया सुमन का बलिदान

श्रीदेव सुमन का पवित्र बलिदान भारतीय इतिहास में अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण और उल्लेख योग्य है। इससे पहले बोर्स्टल जेल में यतीन्द्रनाथ दास के बलिदान ने देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया थाअपने अधिकारों के लिए लम्बी-लम्बी भूख हड़तालों के उदाहरण इतिहास में भरे पड़े हैं। भारत में ही इरोम चानू शर्मिला ने 500 हफ्तों तक अनन्न जल त्यागा था। प्रख्यात पर्यावरणवादी नेता सुन्दर लाल बहुगुणा ने टिहरी बांध के खिलाफ 74 दिन तक अनशन किया था। लेकिन स्वाधीनता आन्दोलन में जेल में भूख हड़ताल कर प्राणोत्सर्ग करने वाले टिहरी रियासत के श्रीदेव सुमन से पहले केवल यतीन्द्रनाथ दास का ही नाम दर्ज है। महान क्रांतिकारी यतीन्द्रनाथ या जतिन दास ने बोर्स्टल जेल में 63 दिन की भूख हड़ताल के बाद देश की आजादी के लिए प्राणोत्सर्ग किया था। उनके बाद श्रीदेव सुमन ने 1944 में जतिन दास द्वारा स्थापित परम्परा को आगे बढ़ा कर टिहरी की जेल में 84 दिनों की भूख हड़ताल के बाद प्राण त्यागे थे। हालांकि श्रीदेव सुमन का संघर्ष टिहरी की राजशाही के जुल्मों के खिलाफ था मगर वह एक समर्पित कांग्रेसी भी थे और राष्ट्रीय आन्दोलन में भी उतने ही सक्रिय थे। उनके बलिदान का स्वाधीनता आन्दोलन पर व्यापक असर पड़ा। सुन्दरलाल बहुगुणा के प्रेरणास्रोत भी श्रीदेव सुमन ही रहे। सुमन की शहादत ने स्वाधीनता आन्दोलन में जान फूंकी अमर शहीद श्रीदेव सुमन की शहादत का भारत के स्वाधीनता आन्दोलन पर कितना प्रभाव पड़ा। इसका उदाहरण स्वाधीनता आन्दोलन के दिनों में 2 अगस्त 1944 के दैनिक हिन्दुस्तान का वह सम्पादकीय आलेख था जिसमें सम्पादक ने लिखा था कि,:- श्रीदेव सुमन का पवित्र बलिदान भारतीय इतिहास में अनेक दृष्टियों से महत्वपूर्ण और उल्लेख योग्य है। इससे पहले बोर्स्टल जेल में यतीन्द्र नाथ दास के बलिदान ने देश का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया था और उसके फलस्वरूप भारतीय जेलों में राजनीतिक बंदियों को नाममात्र की सुविधाएं दी गई। श्रीदेव सुमन का बलिदान मगर, इससे

अधिक उच्च सिद्धान्त के लिए हुआ है। टिहरी राज्य में उत्तरदायी शासन की स्थापना के लिए आपने बलिदान दिया है। टिहरी के शासन पर पड़ा काला पर्दा इससे उठ गया है। हमारा विश्वास है कि टिहरी की जनता की स्वतंत्रता की लड़ाई इस बलिदान के बाद और जोर पकड़ेगी और टिहरी के लोग उनके जीवनकाल में अपने लोकनेता का जैसे अनुकरण करते थे, वैसे ही भविष्य में अनुप्राणित होंगे। नेहरू ने कहा था हम इस वीर को कभी नहीं भूलेंगे टिहरी जेल में 84 दिनों की भूख हड़ताल के बाद श्रीदेव सुमन की 25 जुलाई 1944 को शहादत पर पंडित जवाहरलाल नेहरू ने 31 दिसम्बर 1945 का उदयपुर में आयोजित देशी राज्य लोक परिषद के अधिवेशन में अपने भाषण में कहा था- ' हमारे साथियों में से जो अनेक शहीद हुए हैं उनमें टिहरी राज्य के श्रीदेव सुमन का मैं विशेष तौर पर उल्लेख करना चाहता हूं। हममें से अनेक इस वीर को याद करते रहेंगे, जो कि राज्य की जनता की आजादी के लिए काम किया करते थे...। देशी राज्य लोक परिषद कांग्रेस का ही एक अनुसांगिक संगठन था जिसका गठन भारत की 560 से अधिक छोटी बड़ी रियासतों में लोकतंत्र के लिए कांग्रेस द्वारा ही किया गया था। इसके पहले अध्यक्ष भी जवाहरलाल नेहरू ही थे। इस परिषद के अधीन सभी रियासतों के प्रजामण्डल काम करते थे। 84 दिन के अनशन के बाद 25 जुलाई 1944 को प्राणोत्सर्ग चूंकि अन्य रियासतों की तरह टिहरी रियासत की पैरामौट्सी (सार्वभौम सत्ता) ब्रिटिश ताज में ही निहित थी, इसलिए किसी भी रियासत का अपराधी ब्रिटिश राज का भी अपराधी था। इसलिए श्रीदेव सुमन को गिरफ्तार कर 6 सितम्बर 1942 को देहरादून पुलिस के हवाले किया गया तो ब्रिटिश पुलिस ने उन्हें आगरा जेल भेज दिया था। आगरा जेल से छूटने के बाद श्रीदेव सुमन 30 दिसम्बर, 1943 को टिहरी जेल में बन्द कर दिए गए और फिर कभी जीवित बाहर नहीं निकले। जेल में ही 21 फरवरी 1944 को स्पेशल मजिस्ट्रेट ने देशद्रोह की धारा 124 (अ) के तहत दो वर्ष के कठोर कारावास और 200 रुपये अर्थदण्ड की सजा सुनाई। सुमन महाराजा के विरुद्ध नहीं बल्कि उनके कारिंदों की ज्यादतियों के खिलाफ थे और राजा के अधीन ही उत्तरदायी शासन चाहते थे। जेल में सुमन ने 3 मई 1944 को अपना ऐतिहासिक अनशन शुरू किया और 25 जुलाई 1944 को शाम 4 बजे उन्होंने प्राणोत्सर्ग कर दिया। टिहरी से मात्र 12 मील दूर सुमन के गांव जौलगांव में उनके परिजनों को मृत्यु का समाचार 30 जुलाई को पहुंचाया गया। उनकी पतनी श्रीमती विनय लक्ष्मी उन दिनों महिला विद्यालय हरिद्वार में थी, जिन्हें कोई सूचना नहीं दी गई। लेकिन श्रीदेव सुमन का यह बलिदान न केवल टिहरी की राजशाही के अंत का कारण बना बल्कि देशभर के स्वाधीनता सेनानियों के लिए प्रेरणा का श्रोत भी बना। कांग्रेस की देशी राज्य लोक परिषद में सक्रिय थे सुमन्न श्रीदेव सुमन अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद के अधिवेशनों में भाग लेते थे, इसलिए आन्दोलन और संगठन का अनुभव उन्हें अधिक था। इसके बाद श्रीदेव सुमन, जिनका बचपन का नाम श्रीदत्त बडोनी था, टिहरी के जनसंघर्षों के महानायक के रूप में उभरते गए। 20 मार्च 1938 को दिल्ली में हुए अखिल भारतीय पर्वतीय सम्मेलन में बदरीदत्त पाण्डे के साथ टिहरी से श्रीदेव सुमन ने भी भाग लिया। हिमाचल की धामी रियासत में 16 जुलाई 1939 को हुए गोलीकांड की जांच के लिए अखिल भारतीय देशी राज्य लोक परिषद की ओर से गठित जांच समिति में सुमन को मंत्री बनाया गया। उन्होंने 5-6 मई 1938 को श्रीनगर गढ़वाल में हुए कांग्रेस के राजनीतिक सम्मेलन में पंडित जवाहर लाल नेहरू तथा विजय लक्ष्मी पंडित को टिहरी वासियों के कष्टों से अवगत करा दिया था। अगस्त 1938 में रियासतों के सम्मेलन में सुमन और बदरीदत्त पाण्डे ने टिहरी रियासत की प्रजा की कठिनाइयों का उल्लेख करते हुये इसके लिये जिम्मेदार नीतियों की आलोचना की थी। 17-18 फरबरी 1939 को लुधियाना में जवाहर लाल नेहरू की अध्यक्षता में हुए देशी राज्य लोक परिषद के सम्मेलन में भी सुमन ने टिहरी की प्रजा की आपबीती बेहतर ढंग से सुनाई। सुमन ने मार्च 1939 में त्रिपुरा कांग्रेस में भी प्रजामण्डल के प्रचार मंत्री के तौर पर भाग लिया था। पहली बार 9 मई 1941 हिरासत में लिया 19 मार्च 1941 को प्रजामण्डल के अधिवेशन में टिहरी राज्य के अंदर प्रजामण्डल का गठन करने का निणन्य लिया गया और श्रीदेव सुमन तथा शंकरदत्त डोभाल को यह जिम्मेदारी सौंपी गई। 9 मई 1941 को टिहरी के पास पडियार गांव में सुमन को पहली बार हिरासत में लिया गया और दो दिनों तक उनको एक पुलिस इंस्पेक्टर के घर पर रखने के बाद उन्हें मुनी-की-रेती में छोड़ने के साथ ही हिदायद दी गई कि बिना प्रशासन की अनुमति के वह दो माह तक राज्य के अंदर प्रवेश न करें। जेल से कभी जीवित नहीं निकल पाए 29 अगस्त 1942 को सुमन जब बंबई में सम्पनन्न हुई देशी राज्य लोक परिषद की बैठक से लौट रहे थे तो उन्हें देवप्रयाग में गिरफ्तार कर लिया गया। उन्हें कुछ दिनों तक वहीं हिरासत में रखने के बाद 6 सितम्बर 1942 को ब्रिटिश पुलिस के हवाले कर दिया गया। सुमन देशी राज्य लोक परिषद की बैठक में भाग लेकर 18 अगस्त 1942 को देहरादून लौटे और 29 अगस्त 1942 को जब वह देवप्रयाग से कोटी होते हुये राजधानी जा रहे थे तो उन्हें 'भारत छोड़ो आन्दोलन' के सिलसिले में बंदी बना कर मुनि की रेती पहुंचाया गया। वहां से देहरादून में ब्रिटिश पुलिस के हवाले किए गए। पुलिस ने उन्हें आगरा जेल भेज दिया। आगरा जेल से छूटे तो फिर टिहरी पुलिस ने पकड़ कर जेल डाल दिया। जहां से वह कभी जीवित नहीं निकल पाए।

समाज और मानसिकता: चाहे नपुंसकता हो या कोई बीमारी, क्या शादी करने से सब ठीक हो जाता है

एक तरह से देखा तो शादी हमारे देश में हर मुश्किल का रामबाण इलाज है। लड़का नपुंसक है, शादी करवा दो ठीक हो जाएगा, लड़की मानसिक रूप से अस्वस्थ है, कोई न, शादी करवा दो चंगी होकर गृहस्थी संभालेगी, लड़का कम कमाता है, शराब पीता है, लड़कियां छेड़ता है, जेल की हवा खा आया है, कोई समस्या नहीं है जी, शादी है न। एक बार शादी हो जाये बस... फिर तो सब ठीक हो जाएगा। पिछले दिनों इंदौर की एक महिला ने मुम्बई स्थित अपने ससुराल वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई कि उसका पति मानसिक और शारीरिक रूप से विकसित नहीं हो पाया। अतः उनके बीच सामान्य दाम्पत्य वाले रिश्ते ही नही बन पाए। शिकायतकर्ता के अनुसार जब उसने इस बात की शिकायत अपने सास ससुर से की तो, उन्होंने इस बात पर तो कोई प्रतिक्रिया नहीं दी, उलटे युवती से ही दहेज में 20 लाख रूपये लाने की मांग कर डाली। इधर, पुलिस ने मामला दर्ज करके इसकी जांच तो शुरू कर दी है। असल बात क्या है यह सामने आने में वक्त लगेगा लेकिन यह एक खबर एक बहुत बड़े और गंभीर मुद्दे को सामने लाती है। जिससे अक्सर हम हिंदुस्तानी शुतुरमुर्ग बनकर बच निकलना चाहते हैं। यह मुद्दा है झूठ, धोखाधड़ी और असलियत छुपाकर शादी कर देने का। दरअसल, यह कोई पहला किस्सा नहीं है, ऐसे किस्सों से अदालतें भरी पड़ी हैं और वो भी इसका कुछ ही प्रतिशत है। न जाने कितने किस्से तो दबा दिए गए होंगे और कितने इसी तरह निभा लिए गए होंगे। एक और केस- 35 वर्ष की उम्र में विवाह कर रहे लड़के ने डॉक्टर से अपना चैकअप करवा कर सर्टिफिकेट लिया कि वह इस नए रिश्ते के लिए पूरी तरह फिट है या नहीं। वह रिश्ते की शुरुआत सबकुछ स्पष्ट रखकर करना चाहता था। रिपोर्ट्स में सभी कुछ नॉर्मल था। शादी धूमधाम से हुई लेकिन नई नवेली दुल्हन का रवैया दूल्हे को अजीब सा लगा। दुल्हन मायके से अपने साथ दवाइयों का एक डिब्बा लाई थी। जिसमे से वह दवाइयां खाती रहती। जब पति ने पूछा तो उसे टाल दिया गया और पग फेरे में दवाइयां वापस मायके रख दी गईं। बिना दवाइयों के कुछ ही दिनों में सच सामने आ गया। लड़की को काफी बड़ा ट्यूमर था जिसका इलाज चल रहा था। यह लड़के के लिए बड़ा धक्का था। न इसके बाद लड़की का स्वास्थ्य सामान्य रह पाया न ही लड़के का वैवाहिक

जीवन। विवाह और समाज की हकीकत ये दो केसेस सच हैं और इससे भी बड़ा, कड़वा सच यह है कि आज भी हमारे यहां शादी के मंडप में शारीरिक-मानसिक रूप से अस्वस्थ व्यक्ति इस सोच के साथ बैठा दिए जाते हैं कि वे शादी के बाद स्वस्थ हो जाएंगे। दरअसल, ऐसा सोचने वाले केवल गांव-देहात या निरक्षर वर्ग में ही नहीं मिलेंगे। पढ़े-लिखे संभ्रांत परिवारों में भी ऐसे लोग मिल जाएंगे। शायद इन तमाम लोगों का ज्ञान फिल्मों तक ही सीमित है जहां मानसिक रूप से विक्षिप्त आदमी भी शादी के बाद बिना किसी इलाज सिर्फ औरत के संसर्ग से ही पूरा हैंडसम और समझदार संजीव कुमार बनकर निकलता है! न उसे गोली दवाई की जरूरत ही पड़ती है न ही किसी साइकायट्रिस्ट की। एक और कहानी देखिए पड़ोस में ही रहा करती थीं वो। हम उनको सुंदर वाली दीदी कहा करते। हर तरह से गुणों की खान। पढ़ने-लिखने में अव्वल, खाना ऐसा बनाएं कि खाने वाला तारीफ करते करते थक जाए, त्योहारों पर रंगोली बनाने और गुझिया तलने तक उनकी होड़ का कोई नहीं होता और ऊपर से बला की खूबसूरत। मतलब यह कि वाकई ईश्वर ने उनको फुर्सत में ही गढ़ा था। वो अक्सर कहतीं- 'मुझे सजना-सँवरना, घर के काम करना अच्छा लगता है। पढ़ाई मैंने खुद को वैचारिक रूप से मजबूत करने और कुछ सीखने के लिए की है। वरना तो मेरा सपना है एक अच्छा कमाऊ पति। वो बाहर के काम सम्भाले और मैं उसकी गृहस्थी। ऐसा घर रखूंगी और इतने अच्छे से बच्चों को पालूंगी न कि लोग मेरे हाउसवाइफ होने की भी मिसालें देंगे। यह उनकी निजी सोच थी और वो इसमें खुश थीं। उनका सपना अपने परिवार के साथ आनंद से जीवन गुजारने का था। यह भी कम महत्वपूर्ण नहीं। एक अच्छा परिवार, अच्छे समाज की रचना जो करता है। और आखिर तो एक अच्छे समाज से ही देश बनता है। खैर.... तो सुंदर वाली दीदी की डिमांड बहुत थी शादी के मार्केट में। आखिर कौन नहीं चाहेगा ऐसी बहू जो ढेर दहेज भी लाए और पक्की गृहस्थन बनकर सारे काम करे। नाजो पली थीं दीदी और उनके माता-पिता के भी अरमान थे कि एक ही बेटी है, सो अच्छा घर-वर मिले। आखिर रिश्तेदारों ने ही एक लड़का बताया जो करोड़पति परिवार से था। पढ़ा लिखा था और परिवार का व्यवसाय सम्भाल रहा था। सब खुश थे और सबसे ज्यादा खुश थीं सुंदर वाली दीदी। सबसे बड़ी बात थी कि लड़के वालों को दहेज नहीं सिर्फ कन्या चाहिए थी। शादी खूब धूमधाम से हुई। दूल्हा-दुल्हन की जोड़ी एकदम राजकुमार-राजकुमारी सी लग रही थी। पहला महीना तो रस्में पूरी करने और दावतों में जाने में ही बीता। नई बहु अपनी झिझक और लाज अभी पूरी तरह हटा भी नहीं पाई थी कि उसे दूल्हे के व्यवहार कुछ 'अजीब' लगा। एक महीने में तीन बार वह शहर के अपने घर चला गया था, दुल्हन को अकेला पुश्तैनी घर वाले कस्बे में छोड़कर। कहीं भी हनीमून जैसी कोई हलचल नहीं थी, जिसके लिए शादी के पहले हवाई सपने दिखाए गए थे ऊपर से अक्सर दूल्हा देर-देर तक बाथरूम में बंद रहता। थोड़ा झिझकते हुए आखिर एक दिन दुल्हन ने पूछ लिया और जवाब मिला- संयुक्त परिवार है। मुझे सिगरेट पीने की आदत है। अब सबके सामने तो पी नहीं सकता न? इसलिए बाथरूम में पीता हूं। रही बात हनीमून की तो जल्द ही हम विदेश चल रहे हैं। दुल्हन ने विश्वास किया और इसके पहले कि उसके सपनों को पंख मिलते, एक रात को प्यास लगने पर वह पानी पीने के लिए रसोई की तरफ बढ़ी तो रास्ते में प्यारे 'पतिदेव' को जमीन पर औंधा पड़ा पाया। पहले तो लगा कोई एक्सीडेंट है। उसने घबरा कर आवाज़ दी लेकिन उस दिन घर के बाकी लोग किसी फंक्शन में गए थे। फोन पर लॉक लगा था और दरवाजा बाहर से बन्द था। उसके लिए यह नया सीन था इधर, घबराती-डरती दुल्हन ने जैसे-तैसे पति को कमरे तक पहुंचाया और उसकी सांस चलते देख रातभर की हिम्मत रखी। सुबह सबके लौटने पर यह साफ हो गया कि लड़का ड्रग्स का लती है और कई सालों से नशे का शिकार है। लड़की के माता-पिता ने प्रशन्न किए तो सास-ससुर ने जवाब दिया-'हमें तो लगा था शादी के बाद सुधर जाएगा।' बस यहीं से असली बात शुरू होती है।एक तरह से देखा तो शादी हमारे देश में हर मुश्किल का रामबाण इलाज है। लड़का नपुंसक है, शादी करवा दो ठीक हो जाएगा, लड़की मानसिक रूप से अस्वस्थ है, कोई न, शादी करवा दो चंगी होकर गृहस्थी संभालेगी, लड़का कम कमाता है, शराब पीता है, लड़कियां छेड़ता है, जेल की हवा खा आया है, कोई समस्या नहीं है जी, शादी है न। एक बार शादी हो जाये बस... फिर तो सब ठीक हो जाएगा। चूंकि बताने पर ये तमाम बातें कमियां लगती हैं, इसलिए इन्हें छुपा लिया जाता है। और जब सच्चाई सामने आती है तो 80 प्रतिशत लड़कियां अपनी किस्मत को कोसते हुए निभा ले जाती हैं और 20 प्रतिशत लड़के भी। इसलिए ही आजकल विवाह पूर्व मेडिकल कुंडली मिलाने पर जोर दिया जा रहा है, जिसका पालन मुश्किल से 1 प्रतिशत लोग करते हैं। धोखा, झूठ और फरेब जब विवाह जैसे स्थाई रिश्ते की नींव बनता है तो, वह न केवल दो परिवारों बल्कि पूरे समाज के लिए नुकसानदायक बन जाता है। एक बात छुपाने के लिए, एक बार बोला गया झूठ आगे जाकर झूठ का पहाड़ बन जाता है जिसका अचानक गिरना तय होता है। इस सामाजिक बुराई से हमें अभी बहुत लंबी लड़ाई लड़ना होगा। सच बोलने का साहस और शुरुआत दोनों करना ही होगा।

संक्षिप्त समाचार

हाईकोर्ट ने छेड़छाड़ के आरोपी को सुनाया गजब फरमान

नई दिल्ली । स्कूल में 2 कंप्यूटर और प्रिंटर करे दान'छेड़छाड़ के एक मामले में दिल्ली हाई कोर्ट ने शख्स को सजा के तौर पर दिल्ली के दो स्कूलों में दो कंप्यूटर और दो प्रिंटर दान करने को कहा है। दिल्ली हाईकोर्ट ने सोमवार को एक व्यक्ति के खिलाफ दर्ज मुकदमे को रद्द करते हुए उसे अजीब सजा दी है। दिल्ली हाईकोर्ट ने उसे दो सप्ताह के अंदर दिल्ली नगर निगम के स्कूलों के लिए दो कंप्यूटर और दो प्रिंटर दान करने का फरमान सुनाया है। व्यक्ति पर उसकी घरेलू नौकरानी का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है कोर्ट को हाल ही में पता चला कि आरोपी और शिकायतकर्ता के बीच समझौता हो गया है। हालांकि कोर्ट ने उसे निर्देश दिया कि वह समाज की भलाई के लिए कुछ अच्छा काम करे क्योंकि पुलिस समेत अन्य सरकारी संसाधनों पर इस केस के कारण अनावश्यक बोझ पड़ा है। जस्टिस जसमीत सिंह ने कहा, ''चूंकि दोनों पक्षों ने कहा कि उन्होंने अपनी मर्जी से बिना किसी जोर-जबरदस्ती या धमकी के समझौता कर लिया है। मेरा मानना है कि पूरा पुलिस तंत्र इस केस में जुड़ा रहा और उसका कीमती समय बर्बाद हुआ। सरकार के संसाधनों पर अतिरिक्त बोझ पड़ा। तो याचिकाकर्ता को ऐसा कुछ अच्छा काम जरूर करना चाहिए जिससे समाज को फायदा हो।' हाईकोर्ट ने कहा, ''समझौते को देखते हुए और उपरोक्त कारणों के लिए याचिकाकर्ता (व्यक्ति) दो सप्ताह के अंदर प्रिंटर के साथ दो नए डेस्कटॉप कम्प्यूटर दो एमसीडी स्कूलों में दे, जिसके बाद उसके खिलाफ दर्ज एफआईआर और कार्रवाई को रद्द किया जाता है।''

सीएम योगी का हेलीकॉप्टर दौरा लिया कांवड़ यात्रा का जायजा

गोरखपुर। देखिए पुरामहादेव की खास तस्वीरेंकांवड़ यात्रा अपने चरम पर है। कांधे पर कांवड़ रखे भोले के भक्त हरिद्वार से जल लेकर अपने अपने गंतव्यों की और बढ़े जा रहे हैं। आज सीएम योगी आदित्यनाथ आज कांवड़ यात्रा का हवाई सर्वेक्षण और कांवड़ यात्रा की निगरानी करने के लिए मेरठ और बागपत पहुंचे। मंगलवार को सुबह से त्रियोदशी का जलाभिषेक आरंभ हो जाएगा। चतुर्दशी का मुख्य जलाभिषेक शाम 6:30 बजे आरंभ होगा। ऐसे में बाबा औघड़नाथ मंदिर पर मंगलवार पूरी रात जलाभिषेक होगा। बाबा औघड़नाथ मंदिर मार्ग पर नैंसी चौराहे से हनुमान चौक और रेड क्वाट्र्स तक। बाबा औघड़नाथ मंदिर तक अस्थायी दुकानें और झूले लग गए हैं। औघड़नाथ मंदिर समिति महामंत्री सतीश सिंघल ने बताया कि मंदिर में सुरक्षा की दृष्टि से मंदिर समिति के द्वारा 18 सीसीटीवी कैमरे और जिला प्रशासन द्वारा 12 सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। मंदिर समिति के 30 लोग और 70 सेवादार सोमवार और मंगलवार शिवरात्रि पर विभिनन्‍ व्यवस्थाओं को संभालेंगे।रंगबिरंगी कांवड़ व झांकियों के साथ शिवभक्त भगवान शिव के भजनों के साथ मंजिल की ओर बढ़ते जा रहे हैं। विशाल कांवड़ पर मनमोहक झांकियां श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रही हैं। शिवभक्त डाक कांवडि़यों के काफिले हरिद्वार से गंगाजल लाने के लिए शहर से होकर गुजर रहे हैं। डीजे की धुन और हर-हर महादेव के जयकारों से शहर गुंजायमान हो रहा है। कहीं विशाल झांकियां तो कहीं योगी-मोदी के मुखौटे पहने भी कांवडि़ए मार्गों से गुजर रहे हैं। आकर्षक झांकी देखकर श्रद्धालु भी झूमने लगते

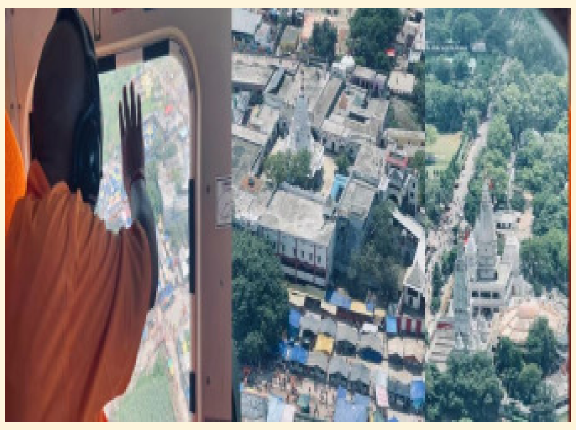

हैं। सुबह और शाम कांवडि़यों की संख्या अधिक होती है। दोपहर में ज्यादातर कांवडि़ये शिविरों में आराम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के हेलीकॉप्टर के अलावा एक दूसरा हेलीकॉप्टर मेरठ पुलिस लाइन पहुंचा है। यहां से पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी कावड़ मार्ग पर हेलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा करने निकलेंगे। मेरठ से कमिशन्र सुरेंद्र सिंह, एडीजी राजीव सभरवाल व आईजी प्रवीण कुमार समेत पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मुस्तैद हैं। पुष्प वर्षा के लिए पूरी तैयारी कर ली गई हैं। बागपत जिले में कांवडि़यों के पहुंचने से हाईवे से लेकर पुरा महादेव मंदिर तक क्षेत्र केसरिया रंग में रंग गया है। हरिद्वार व गोमुख से गंगाजल लेकर शिव भक्त पुरा के परशुरामेश्वर मंदिर पहुंचने शुरू हो गए हैं। कांवडि़यों और श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए मंदिर परिसर और मेला परिसर में पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। रविवार को लगभग दस हजार कांवडि़यों और क्षेत्र व आसपास के गांवों से आए श्रद्धालुओं ने भगवान शिव का जलाभिषेक किया। रविवार को मंदिर में सुबह तीन बजे से ही श्रद्धालुओं की भीड़ लगनी शुरू हो गई थी। सोमवार को भी सुबह से ही भारी भीड़ जलाभिषेक के लिए उमड़ी है। बागपत के गांव रंछाड़ निवासी बाबू खान मुजफ्फरनगर के पुरकाजी से निकल चुके हैं। इससे पहले बाबू खान ने गंगा मैया में सनन करने के बाद पूजा-अर्चना की और कांवड़ में गंगा जल रखकर बागपत के पुरा महादेव मंदिर के लिए रवाना हो गए। बाबू खान का कहना है, मैंने इस्लाम धर्म नहीं छोड़ा है, सिर्फ कांवड़ लाने में आस्था है। इसलिए हर साल कांवड़ लेने के लिए हरिद्वार आता हूं। कहते हैं कि श्रद्धा के साथ जोश और जुनून हो तो कोई भी मंजिल मुश्किल नहीं है। हरियाणा के सोनीपत का रहने वाले दिव्यांग पवन कुमार ने एक पैर के बिना जल लाकर यह सिद्ध कर दिया है। वह उत्तराखंड के गोमुख से गंगाजल लेकर आ रहे हैं। पवन एक हादसे में जलने से घायल हो गए थे और चिकित्सकों ने उसके एक पैर को काट दिया था। पवन कुमार बताते हैं कि वह 14 साल से कांवड़ ला रहे हैं। बागपत के परशुरामेश्वर महादेव मंदिर पर चार दिवसीय श्रावणी मेला सोमवार से शुरू हो गया। यहां सोमवार सुबह से भगवान आशुतोष का जलाभिषेक करने के लिए कांवडियो की भीड़ उमड़ी हुई है। मंदिर की हेलीकाप्टर से सीएम योगी आदित्यनाथ और सांसद सत्यपाल सिंह ने जहां परिक्रमा की, वहीं सुरक्षा के लिए हेलीकाप्टर से अधिकारी भी निगरानी कर रहे हैं। इसके अलावा जिले से हरियाणा और दिल्ली के कांवडिए भी लगातार गुज़र रहे हैं। पुरा महादेव पर हवाई यात्रा से कांवड़ यात्रा का जायजा लेने के बाद सीएम योगी मेरठ के औघड़नाथ मंदिर पहुंचे।

पर्यावरण बचाव हेतु पौधारोपण किया गया

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । पर्यावरण गतिविधि महानगर के तत्वाधान में नोएडा के सेक्टर 137 के पारस टेयरा के निवासियो के साथ बृहत् बृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया।जिसमे

सोसाइटी के पर्यावरण विद ने भाग लिया। कार्यक्रम की अध्यक्षता फेलिक्स हॉस्पिटल के मैनेजिंग डायरेक्टर और पर्यावरणविद डॉक्टर डी के गुप्ता ने की। तथा अखिल भारतीय पर्यावरण आयाम के मिडिया प्रमुख निरंजन कुलकर्णी व प्रान्त सह पर्यावरण प्रमुख महिपाल के संरक्षण मे किया गया । डॉक्टर डी के गुप्ता ने बताया की ठहमारा भारत देश बहुत तेजी के साथ विकास के पथ पर अग्रसर है पहले की तुलना में हमारे रहन - सहन में बहुत मूल रूप से बदलाव हो रहा है हमारे आस पास कंक्रीट का जंगल बढ़ता जा रहा है, और प्राकृतिक हरियाली कम होती जा रही है। इसका सर्वाधिक प्रभाव हमारे बच्चों पर पड़ रहा है।अगर देश के बच्चे स्वस्थ रहेंगे तो यह देश भी सुरक्षित होगा और हम विश्व गुरु बनने की और बढ़ेंगे।हमारे देश का प्राचीन गौरव लौटेगा और इसे सोने की चिड़िया बनने से कोई नही रोक पायेगा। उन्होंने बताया कि आज भी पहाड़ पर रहने वाले सब लोग शहरों में रहने वालों से अधिक स्वस्थ हैं।जब एक पहाड़ पर रहने वाले और एक एन सी आर में रहने वाले व्यक्ति की ऑटोप्सी कर फेफड़े देखे गए तो पता चला कि हालांकि दोनों में जीवन भर कोई सिगरेट आदि का सेवन नही किया था। फिर भी पहाड़ पर रहने वाले व्यक्ति के फेफड़े साफ थे और एन सी आर के व्यक्ति के फेफड़े में बहुत सारा तार था।यह केवल प्रदूषण के कारण था।आज बच्चों में भी अस्थमा,लंग कैंसर,स्किन कैंसर जैसी बीमारियां बड़ी तेजी से बढ़ रही है।है।हमारा लाइफ स्टाइल कहीं न कही खराब हो रहा है। हमारे पेड़ लगाने से हमे ही नहीं जीव जंतुओं को भी लाभ होगा अतः हमे अपने आप को कही न कही पर्यावरण से जोड़ना पड़ेगा । महिपाल ने कहा कि पौधारोपण अभियान सिर्फ पौधे लगाने और फोटो खिंचवाने तक ही सीमित न रह जाये । पौधे लगाइए, तस्वीरें खिंचवाइए और फिर जिम्मेदारी भूल जाइए। इसके बाद न पर्यावरण की फिक्र न ही पौधे की देखभाल की उतना प्रयास करना चाहिए जितना कि हम अपने बच्चो की करते है। निरंजन कुलकर्णी ने अपने सम्बोधन में कहा कि मुझे यकीन है कि हम में से हर कोई किसी भी कीमत पर पर्यावरण को बचाना चाहता है। हालांकि पर्यावरण को बचाने का मतलब केवल हमारे तत्काल परिवेश की सुरक्षा का मतलब नहीं है बल्कि हमारे पार्क, वन भंडार और वन्यजीव अभयारण्य भी हैं। इसमें संदेह की कोई गुंजाइश नहीं है कि हम सभी पर अपनी धरती माँ को बचाने की जिम्मेदारी है जिससे यह रहने के लिए एक साफ़ और सुरक्षित जगह बन सके।पिछले कुछ वर्षों में पर्यावरण के लिए बढ़ते खतरे में इजाफ़ा हुआ है। धरती को हमारे लिए और साथ ही साथ हमारी अगली पीढि़यों के लिए रहने हेतु साफ़ तथा सुरक्षित स्थान बनाने का कर्तव्य और ज़िम्मेदारी ले। यह हमारे लिए जरूरी है कि हम इसके साथ प्रयोग करने और इसे अधिक शोषण करने के बजाय पर्यावरण के अनुरूप रहें। यहां हम आपको ङ्कपर्यावरण को बचानेङ्क के जान भागीधारी बड़े कार्यक्रम में बच्चो द्वारा भी पर्यावरण बचाने हेतु प्रेरित किया गया।इस कार्यक्रम में पर्यावरण नारी शक्ति की बहनो ने भी बढ़चढ़ कर सहभागिता की । कार्यक्रम के अंत मे सभी निवासियों ने इस संकल्प के साथ कि - सांसें हो रही है कम , आओ पेड़ लगाए हम के आह्वान के साथ पूरी सोसाइटी में 160 से अधिक पौधे लगाए।

24 जुलाई को सेक्टर 137 पारस टेयरा मे होगा पौधारोपण

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । सांसें हो रही है कम आओ पेड़ लगाएं हम पर्यावरण का रखे ध्यान, तभी बनेगा देश महान नोएडा हमारा पर्यावरण हमारे जीवन का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। यह हमारे जीवन का मुख्य स्रोत है क्योंकि हम पर्यावरण से भोजन, पानी, हवा प्राप्त करते हैं। वास्तव में पर्यावरण हमारा संतुलन बनाए रखता है जहां हम हर पल सांस लेते हैं और जीते हैं। इस प्रकार हमारे जीवन की गुणवत्ता भी हमारे पर्यावरण पर निर्भर करती है तो आयो इसे बचाये।। पर्यावरण को बचने के लिए पारस टीयेरा में बृहद पौधा रोपण का के कार्यक्रम में आप सभी सपरिवार आमंत्रित है रविवार, 24 जुलाई सुबह 8.00 से 9 बजे तक पारस टीयेरा सेंट्रल पार्क फाउन्टेन के पास सेक्टर 137 मे होगा पौधारोपण कार्यक्रम। जिसमे मुख्य अतिथि डॉ डी के गुप्ता जी मैनेजिंग डायरेक्टर फेलिक्स हॉस्पिटलस होगे। और निरंजन कुलकर्णी जी,अखिल भारतीय पर्यावरण मीडिया प्रमुख के नेतृत्व मे होगा। इस कार्यक्रम मे हर परिवार को पौधा हमारे द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा ,आप अपने परिवार के बच्चों को भी साथ लायें। उन्हें भी इस संस्कारक्षम कार्यक्रम का सहभागी बनाएं। आओ पारस को सजाये - अपने को प्रकृति के साथ जोड़े इस पुण्य कार्य में भागी बने।

कावड़ यात्रियों की सुविधा एवं समस्याओं के समाधान के उद्देश्य से कंट्रोल रूम की हुई स्थापना

(आधुनिक समाचार सेवा)
देव मणि शुक्ल

नोएडा । जिलाधिकारी सुहास एलवाई ने सर्वसाधारण का आह्वान करते हुए उन्हें जानकारी दी है कि श्रावण शिवरात्रि के पर्व 26.07.2022 एवं कावड़ यात्रा को दृष्टिगत रखते हुए कावड़ यात्रियों की सुविधा एवं समस्याओं के निस्तारण के उद्देश्य से जनपद गौतम बुद्ध नगर में कंट्रोल रूम की स्थापना की गई है, जिसका हेल्पलाइन नंबर 01202560044 है। उन्होंने बताया कि उक्त कंट्रोल रूम दिनांक 24.07.22 से दिनांक 26.07.22 (जलाभिषेक समाप्त होने) तक 247 क्रियाशील रहेगा। जनपद गौतमबुद्धनगर के कावड़ यात्री एवं जनपद गौतमबुद्धनगर से होकर किसी अन्य गंतव्य स्थल तक जाने वाले कावड़ यात्री किसी भी समस्या के समाधान एवं जानकारी के लिए दिए गए हेल्पलाइन नंबर पर सम्पर्क स्थापित कर सकते है।

केजरीवाल सरकार के खिलाफ एक और जांच का आदेश, एलजी ने 15 दिन में मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली । केजरीवाल सरकार इन दिनों सवालों के घेरे में हैं। नई आबकारी नीति को लेकर मुख्यमंत्री और एलजी में ठनी हुई है। सोमवार को एलजी वीके सक्सेना ने मुख्य सचिव से नई आबकारी नीति की जांच कर 15 दिन में जांच पेश करने शुरुआत में तैयार की गई रिपोर्ट के अनुसार केजरीवाल सरकार पर जीएनसीटीडी एक्ट 1991, व्यापार लेनदेन नियम 1993, दिल्ली आबकारी नीति 2009 और दिल्ली आबकारी नियम 2010 के उल्लंघन का आरोप है। आबकारी नीति में का आरोप है। आरोप है कि नई आबकारी नीति में नियमों की अनदेखी करते हुए शराब की दुकानों के टेंडर दिए गए। आप के खिलाफ भाजपा का प्रदर्शन केजरीवाल सरकार पर नई आबकारी नीति में अनियमितताओं के आरोप को लेकर

का निर्देश दिया है। नई आबकारी नीति में भ्रष्टाचार के आरोप पर केजरीवाल सरकार संकट में हैं। शराब की बिक्री में सांठगांठ और ब्लैक लिस्टेड फर्मों के शामिल होने की शिकायत मिलने के बाद एलजी वीके सक्सेना ने जांच के आदेश दिए हैं। एलजी ने मुख्य सचिव से 15 दिन में जांच रिपोर्ट मांगी है। एलजी ने इससे पहले नई आबकारी नीति मामले में सीबीआई जांच की सिफारिश की थी। इसी महीने की अनियमितता का आरोप एलजी वीके सक्सेना के आदेश के बाद आबकारी नीति सवालों के घेरे में आ गई है। शुक्रवार को दिल्ली के उपराज्यपाल ने केजरीवाल सरकार के खिलाफ कड़ा कदम उठाया था। एलजी विनय कुमार सक्सेना ने दिल्ली सरकार की एक्साइज पॉलिसी के खिलाफ सीबीआई जांच के आदेश दिए। केजरीवाल सरकार पर नई आबकारी नीति के तहत शराब की दुकानों के टेंडर में गड़बड़ी सोमवार को आप(आम आदमी पार्टी) के कार्यालय के पास भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी आईटीओ पर इकट्ठा होकर डीडीयू मार्ग स्थित आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यालय की ओर मार्च करने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन पुलिस ने उन्हें रोक दिया। बैरिकेड्स पार करने वालों को हिरासत में ले लिया गया।

ईदगाह परिसर का पुरातात्विक सर्वे कराने के मामले में सुनवाई दो अगस्त को

वाराणसी। यह आदेश न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित ने श्री कृष्ण विराजमान व अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। जिसमें विवादित शाही ईदगाह परिसर का पुरातात्विक सर्वे कराने की मांग की गई है। इलाहाबाद हाईकोर्ट में मथुरा श्रीकृष्ण जन्म भूमि शाही ईदगाह का सर्वे कराने की अर्जी तय कराने की मांग में दाखिल याचिका की सुनवाई टल गई है। अगली सुनवाई दो अगस्त को होगी। याची अधिवक्ता ने स्वयं ही सुनवाई टालने की प्रार्थना की। यह आदेश न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित ने श्री कृष्ण विराजमान व अन्य की तरफ से दाखिल याचिका पर दिया है। जिसमें विवादित शाही ईदगाह परिसर का पुरातात्विक सर्वे कराने की मांग की गई है। अर्जी में दावा किया गया है कि विवादित परिसर पहले मंदिर था। मंदिर को तोड़कर शाही ईदगाह मस्जिद का निर्माण कराया गया था। जिस जगह अभी मस्जिद है वहां द्वापर युग में कंस ने भगवान श्री कृष्ण के माता-पिता को कैद कर रखा हुआ था। वह भगवान श्री कृष्ण का जन्म स्थान है।

किसानों के साथ धोखा खाद व बीज खरीदते समय किसान रहें सावधान 50ज़् बीज अंकुरित नहीं होता बीज खरीदते समय पक्की रसीद में

(आधुनिक समाचार सेवा)
दिनेश यादव

मैहर। सतना गुणवत्ता विहीन बीज देकर शहरों के हर दुकानदार या फिर बड़ी कंपनी ने ही किसानों के साथ कर रहे धोखा 50ज़् बीज अंकुरित नहीं होता किसी भी फसल के गुणवत्तापूर्ण उत्पादन के लिए अच्छे खाद, बीज की जाता है। ऐसा ही कुछ खेल मध्यप्रदेश में चल रहा है। यहां कई व्यापारियों एवं दुकानदारों के पास खाद, बीज एवं उर्वरक नकली पाए गए है। किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री ने कहा है कि किसानों को नकली बीज बेचने वालों के विरूद्ध राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (रासुका) के तहत सख्त कार्यवाही की जाएगी। अवैध भंडारण, अवैध परिवहन और बैगर लायसेंस के यूरिया बेचने पर 20 उर्वरक विर्क्रेताओं के विरुद्ध एफआईआर दर्ज कराई गई है। मध्यप्रदेश के इन जिलों में की गई कार्रवाई 13 जिलों में खाद की दुकानों के पंजीयन निलंबित और निरस्त किए गए हैं। सिवनी, झाबुआ, शिवपुरी, मंडला, जबलपुर,

आवश्यकता होती है। यदि खाद व बीज नकली या घटिया स्तर के प्रयोग में लाए जाए तो फसल का उत्पादन तो घटता ही साथ ही उसकी गुणवत्ता में भी कमी आ जाती है। इसलिए बाजार से बीज अच्छे बीज खरीदते समय अच्छे बीजों का चयन करना बेहद जरूरी हो जाता है। किसान फसलों के अच्छे उत्पादन के लिए उनन्त किस्म के बीज एवं खाद बाजार से खरीदते हैं। लेकिन किसान कई बार भ्रामक विज्ञापनों या सूचनाओं के आधार पर खाद एवं बीज खरीद लेते हैं जिससे किसानों को काफी नुकसान का सामना करना पड़ता है। जैसा कि सभी बीज तथा खाद और कीटनाशक कंपनियां किसानों को यह भरोसा देती है कि उनका बीज सबसे उत्तम है तथा इस वर्ष अधिक उत्पादन देगा लेकिन इसके विपरीत उलटा होता है। नकली बीज खरीदने के कारण फसल का नुकसान हो इन जगहों पर विक्रेताओं के खिलाफ मिली नकली बीज की शिकायत, मामला दर्ज छिन्दवाड़ा में चार, सिवनी में चार, होशंगाबाद में तीन, धार में दो और छतरपुर, बडवानी, इंदौर, कटनी, शहडोल, नरसिंहपुर एवं हरदा में एक-एक विक्रेताओं के यहां नकली बीज की शिकायत मिली है। विरुद्ध अवैधानिक रूप से खाद के भंडारण, परिवहन और कालाबाजारी करने पर एफआईआर दर्ज कराई गई है। खाद विक्रेताओं के 28 पंजीयन निलंबित और 21 पंजीयन निरस्त किसान कल्याण एवं कृषि विकास मंत्री श्री ने मीडिया को बताया कि जुलाई माह में अब तक 13 जिलों में उर्वरक विक्रताओं की दुकानों पर किए गए औचक निरीक्षणों में पाई गई अनियमितताओं पर 28 पंजीयन निलंबित किए गए हैं। साथ ही 21 के पंजीयन निरस्त किए गए हैं। इसी प्रकार 11 जिलों में 25 जून से अब तक यूरिया के छिन्दवाड़ा, खंडवा, खरगौन, सीहोर, राजगढ़, हरदा, रायसेन और धार जिले के उर्वरक विक्रय की दुकानों के औचक निरीक्षण में 21 दुकानों पर नमूने अमानक पाए गए। दो दुकानों पर पीओएस मशीन का उपयोग नहीं किया जाना पाया गया। चार दुकानों पर अभिलेख संधारित नहीं पाए गए। निरीक्षण में 17 दुकानों पर अनियमितता पाई गई। एक दुकान पर यूरिया के साथ जबरन अन्य सामग्री वितरित करने और एक दुकान पर बिना दस्तावेज के यूरिया भंडारण पाये जाने पर कार्यवाही की गई। वैज्ञानिक विधि से जांचें असली बीज की गुणवत्त किसान चाहे तो बुआई से पहले घर पर भी बीज की गुणवत्ता का परीक्षण कर सकता है। इसके लिए उसे वैज्ञानिक विधि काम में लेनी पड़ेगी। बीज परीक्षण के लिए सूती कपड़ा विधि और अखबार विधि का इस्तेमाल किसान के लिए अधिक आसान रहेगा।

विक्की कौशल से उर्फी जावेद तक, अब तक इन सेलेब्स को मिली जान से मारने की धमकिया

नई दिल्ली। कैटरीना कैफ और विक्की कौशल बॉलीवुड के स्टार कपल कहे जाते हैं। दोनों अक्सर साथ में अपनी तस्वीरें सोशल मीडिया पर साझा करते रहते हैं। हाल ही में कैटरीना कैफ अपने जन्मदिन पर पति और दोस्तों के साथ मालदीव में छुट्टियां बिताकर वापस आई हैं। अब खबर आई है कि विक्की-कैटरीना को जान से मारने की धमकी मिली है। जिसके बाद अभिनेता ने अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस में मामला दर्ज कराया है। जानकारी के मुताबिक एक स्टॉकर ने दोनों को धमकी दी है। हालांकि किसी स्टार को जान से मारने की धमकी मिलने का यह पहला मामला नहीं है। इससे पहले भी सिंगर सिद्धू मूसेवाला की हत्या के बाद कई फिल्मी सितारों को जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। बॉलीवुड के दबंग सलमान खान को सिद्धू मूसेवाला की हत्या के कुछ दिनों बाद एक धमकी भरा लेटर उनके पिता सलीम खान को मॉर्निंग वॉक के दौरान मिला था। इस पूरे मामले के पीछे लॉरेंस बिशनेई गैंग का नाम सामने आया था। लॉरेंस काले हिरण केस की वजह से सलमान को पहले भी जान से मारने की धमकी दे चुका है। बॉलीवुड अभिनेत्री स्वरा भास्कर को भी जान से मारने की धमकी मिल चुकी है। स्वरा को यह धमकी स्पीड पोस्ट के माध्यम से दी गई थी। उन्हें चेतावनी दी गई कि वह वीर सावरकर का अपनाम करना बंद करें और सिर्फ अपनी फिल्मों पर ध्यान दें, नहीं तो जनाजे उठेंगे। खत में भेजने वाले का भले ही नाम नहीं है, लेकिन शख्स ने खुद को देश का नौजवान बताया था। इस खत के मिलने के बाद स्वरा ने वर्सोवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई थी। बॉलीवुड के मशहूर फिल्म डायरेक्टर और धर्मा प्रोडक्शंस के मालिक करण जौहर को भी निशाना बनाने की कोशिश की जा चुकी है। लॉरेंस बिशनेई गैंग के मेंबर सिद्धेश कांबले ने गिरफ्तारी के दौरान इस बात का खुलासा किया था। पुलिस की पूछताछ में कांबले ने बताया था कि गैंग का प्लान करण को धमकी देकर पांच करोड़ रुपए वसूल करने का था। अपने अजब-गजब फैशन सेंस के लिए सुखिर्यां बटोरने वाली उर्फी जावेद को नुपुर शर्मा के बयान के बाद उदयपुर में हुए हुए कन्हैयालाल हत्याकांड की कड़ी निंदा करते हुए सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया था। इसमें उर्फी ने लिखा था, 'धर्म के नाम ऐसी बर्बरता कभी स्वीकार नहीं की जा सकती'। उर्फी के इस पोस्ट के बाद एक शख्स ने उनको गाली भरे मैसेज किए और जान से मारने की धमकी दी थी। इसके बाद उर्फी ने मुंबई पुलिस में शिकायत दर्ज कराने की बात की थी। कटरीना-विक्की को जान से मारने की धमकी देने वाला हुआ गिरफ्तारबॉलीवुड स्टार कपल कटरीना कैफ और विक्की कौशल को जान से मारने की धमकी मिली थी। विक्की कौशल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिस पर एक्शन लेते हुए पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, आरोपी कटरीना कैफ और विक्की कौशल के काफी समय से धमकी दे रहा था, जिससे परेशान होकर ही विक्की कौशल ने पुलिस में शिकायक दर्ज करवाई थी और अब पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, कटरीना और विक्की कौशल को धमकी देने वाले शख्स का नाम मनविंदर सिंह है, जो अब पुलिस की गिरफ्त में है। यह कटरीना कैफ का बड़ा फैन है और वह अभिनेत्री से शादी भी करना चाहता है। इसी वजह से पिछले मनविंदर बीते कुछ महीनों से सोशल मीडिया पर कटरीना को लगातार परेशान कर रहा था। बता दें कि विक्की कौशल की शिकायत के आधार पर सांताक्रूज पुलिस स्टेशन में आरोपी के खिलाफ आईपीसी की धारा 506-घ्घ् (आपराधिक धमकी) और 354-डी (पीछा करना) के तहत प्राथमिकी दर्ज की गई थी।।

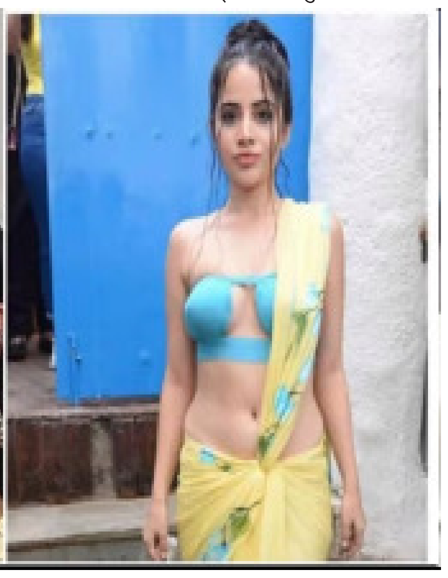

रिलीज से पहले आमिर की 'लाल सिंह चड्ढा' ने कमाए करोड़ों

नई दिल्ली। इस ओटीटी प्लेटफॉर्म को बेचे राइट्स11 अगस्त को पैन इंडिया लेवल पर रिलीज होने वाली 'लाल सिंह चड्ढा' से वर्षों बाद आमिर खान बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। अब इस फिल्म की डिजिटल रिलीज प्लेटफॉर्म का एलान हो गया है। बॉलीवुड के मिस्टर परफेक्शनिस्ट आमिर खान इन दिनों अपनी फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को सुखिर्यां बटोर रहे हैं। हॉलीवुड की क्लासिकल हिट फिल्म 'फॉरेस्ट गंप' की यह हिंदी रीमेक फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' सिनेमाघरों में दस्तक देने के लिए बिल्कुल तैयार है। 11 अगस्त को पैन इंडिया लेवल पर रिलीज की जाएगी। इस फिल्म से वर्षों बाद आमिर खान बड़े पर्दे पर वापसी कर रहे हैं। इस फिल्म से दर्शकों को बहुत उम्मीद है। जहां 'शमशेरा' और 'सम्राट पृथ्वीराज' जैसी बॉलीवुड की कई बड़ी फिल्में बॉक्स ऑफिस पर धूल चाट रही हैं, वहीं अब सभी की निगाहें आमिर खान की इस बहुप्रतीक्षित फिल्म पर डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में से एक 'नेटफ्लिक्स' को करीब 160 करोड़ रुपये की भारी-भरकम कीमत में बेचे हैं। इसका मतलब यह है कि फिल्म रिलीज होने के कुछ हफ्तों के बाद डिजिटल स्ट्रीमिंग के लिए 'नेटफ्लिक्स' पर उपलब्ध होगी। हालांकि, मेकर्स ने अभी तक इसकी कोई भी आधिकारिक घोषणा नहीं की है। नागा चैतन्य रखेंगे बॉलीवुड में कदम आमिर खान स्टारर इस फिल्म से जहां काफी लंबे समय बाद आमिर स्क्रीन्स पर वापसी कर रहे हैं, वहीं साउथ स्टार नागा चैतन्य भी 'लाल सिंह चड्ढा' से अपना बॉलीवुड डेब्यू करने जा रहे हैं। पिछले दिनों इस फिल्म से मेकर्स ने नागा चैतन्य का फर्स्ट लुक जारी किया था, जिसे दर्शकों का अच्छा रिस्पॉन्स मिला है। आमिर खान प्रोडक्शन ने अपने ट्विटर हैंडल पर पोस्ट साझा करते हुए लिखा, 'पेश है बोडिपलेम से बलाराजू...चैतन्य अक्किनेनी द्वारा अभिनीत! लव यू हमारे युवा सम्राट!'

हैं। फिल्म की रिलीज से पहले ही अब इसकी डिजिटल रिलीज के प्लेटफॉर्म का एलान हो गया है। अद्वैत चंदन द्वारा निर्देशित इस फिल्म के लिए सामने आती नई रिपोर्ट्स के मुताबिक, मेकर्स ने 'लाल सिंह चड्ढा' के ओटीटी राइट्स भारत के नामी इस फिल्म में वह सैनिक बलाराजू का किरदार निभा रहे हैं। अक्षय से भिड़ेंगे आमिर इस फिल्म में आमिर खान, नागा चैतन्य के साथ-साथ करीना कपूर खान, मोना सिंह भी अहम भूमिका में नजर आने वाली हैं।

'डार्लिंग्स' का ट्रेलर हुआ रिलीज, पति पर जुर्म ढाती नजर आईं आलिया भट्ट

नई दिल्ली। अभिनेत्री आलिया भट्ट के प्रोडक्शन हाउस की पहली फिल्म 'डार्लिंग्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। यह फिल्म 05 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर रिलीज होगी। ट्रेलर में आलिया भट्ट दमदार अंदाज में नजर आई हैं। ट्रेलर में वह घरेलू हिंसा की शिकार होती नजर आई हैं, लेकिन साथ ही पति के लाल लिपिस्टिक लगाती हुई। वह पति का इंतजार करती हैं और इंतजार अधूरा रहता है। इसके बाद वह पति की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराती हैं। पुलिस स्टेशन के चक्कर काटती हैं और फिर अपना अंदाज बदलती हैं। आखिरकार पति उनकी पकड़ में आ जाता है और वह उसे बंधक बनाकर पीटती हैं। आलिया का ही हाथ है! आलिया भट्ट ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए इसके ट्रेलर की जानकारी दी है। उन्होंने लिखा है, 'बतौर प्रोड्यूसर मेरी पहली फिल्म। बेहद उत्साहित, नर्वस और इमोशनल महसूस कर रही हूं। 'डार्लिंग्स' का ट्रेलर रिलीज हो गया है।' बता दें कि आलिया इस फिल्म को शाहरुख

अत्याचार से परेशान होने के बाद वह बदला लेने वाले अंदाज में भी नजर आई हैं। बता दें कि इस फिल्म में आलिया के अलावा शेफाली शाह, विजय वर्मा, रोशन मैथ्यू और राजेश शर्मा भी अहम किरदार में नजर आएंगे। ट्रेलर की शुरुआत में आलिया भट्ट के शौहर हमजा शेख का किरदार निभा रहे अभिनेता विजय वर्मा कहते नजर आते हैं, 'मैं अपनी बीवी से बेहद मोहब्बत करता हूं, लेकिन उसे छोड़कर जा रहा हूं।' उसके बाद नजर आती हैं आलिया भट्ट। लाल ड्रेस में और अगले ही पल खुद घरेलू हिंसा की शिकार होती नजर आ रही हैं। ट्रेलर में दिखाया गया है कि हमजा एक नशेड़ी है और पतने के साथ मार-पीट करता है। लेकिन, फिर आलिया अपने तेवर बदलती हैं। उनका डायलॉग सुनाई देता है, 'फील्डिंग बहुत हो गई, अब बैटिंग चालू।' इसके बाद वह बदला लेती नजर आती हैं। हालांकि, आखिर तक यह राज नहीं खुल पाता कि आलिया के पति को किडनैप किसने किया, लेकिन इसकी झलक जरूर मिलती है कि किडनैप के पीछे खान और गौरी खान के रेड चिलीज के साथ मिलकर बना रही हैं। आलिया भट्ट ने तमाम फिल्मों के जरिए अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाया है। अब बतौर निर्माता वह क्या कमाल करती हैं, यह देखना दिलचस्प होगा। बता दें कि नेटफ्लिक्स ने भी एक पोस्ट साझा किया है। इस पोस्ट में कैप्शन में लिखा गया है, 'गौर से देखिए, इस लव में कुछ हानिकारक है। 'डार्लिंग्स', इसे आप 05 अगस्त को नेटफ्लिक्स पर देख सकते हैं।'

पकड़ाया कटरीना को धमकी देने वाला शख्स

नई दिल्ली। पठान से सामने आया दीपिका का कुछ ही देर में मृणाल ठाकुर और दुलकर सलमान की आगामी फिल्म 'सीता-रामम' का ट्रेलर रिलीज होने वाला है। वहीं बॉलीवुड फिल्म 'शमशेरा' के तीसरे दिन का कलेक्शन और किच्चा सुदीप की फिल्म 'विक्रांत रोणा' की एडवांस बुकिंग रिपोर्ट भी सामने आ गई है। मनोरंजन जगत की इन्हीं छोटे-बड़े अपडेट के बारे में जानने के लिए बने रहिए अमर उजाला के लाइव ब्लॉग से बॉलीवुड स्टार कपल कटरीना कैफ और विक्की कौशल को जान से मारने की धमकी मिली थी। विक्की कौशल ने अज्ञात लोगों के खिलाफ पुलिस में शिकायत दर्ज करवाई थी, जिस पर एक्शन लेते हुए पुलिस ने एक शख्स को गिरफ्तार कर लिया है।अमिताभ बच्चन, अनुपम खेर और बोमन ईरानी की अपकमिंग फिल्म 'ऊंचाई' की रिलीज डेट सामने आ गई है। सूरज बड़जात्या के निर्देशन में बन रही यह फिल्म इस साल 11 नवंबर को रिलीज होने वाली है। करण जौहर की आगामी फिल्म 'स्क्रू ढीला' का वीडियो रिलीज हो गया है। बता दें कि इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ मुख्य भूमिका में हैं। रणबीर कपूर की फिल्म 'शमशेरा' के तीसरे दिन की बॉक्स ऑफिस रिपोर्ट सामने आ गई है। शुरुआती आंकड़ों के मुताबिक फिल्म की कमाई में रविवार को गिरावट देखने को मिली है। पहले दिन फिल्म ने जहां घरेलू बॉक्स ऑफिस पर 10.25 करोड़ रुपये का कलेक्शन किया था, तो वहीं दूसरे दिन अपने प्रदर्शन में थोड़ा सुधार लाते हुए फिल्म ने दूसरे दिन 50 लाख की बढ़ोतरी करते हुए 10.75 करोड़ रुपये की कमाई की थी।

फिल्म 'पठान' से सामने आया दीपिका पादुकोण का पहला लुक, एक्शन अवतार में नजर आईं अभिनेत्री

यशराज फिल्म्स ने सोमवार को बहुप्रतीक्षित फिल्म 'पठान' का मोशन पोस्टर जारी कर दिया है। पोस्टर में दीपिका पादुकोण का कभी न देखा गया अवतार नजर आ रहा है। कैमरे के सामने दीपिका बंदूक थामे, गोली मारते करने जा रहे हैं। फिल्म में दीपिका का दमदार रोल है जो सभी के होश उड़ा देगा इससे पहले शाहरुख खान ने अपने लुक का खुलासा करते हुए सोशल मीडिया पर मोशन पोस्टर साझा करते हुए लिखा था, '30 साल....आपका

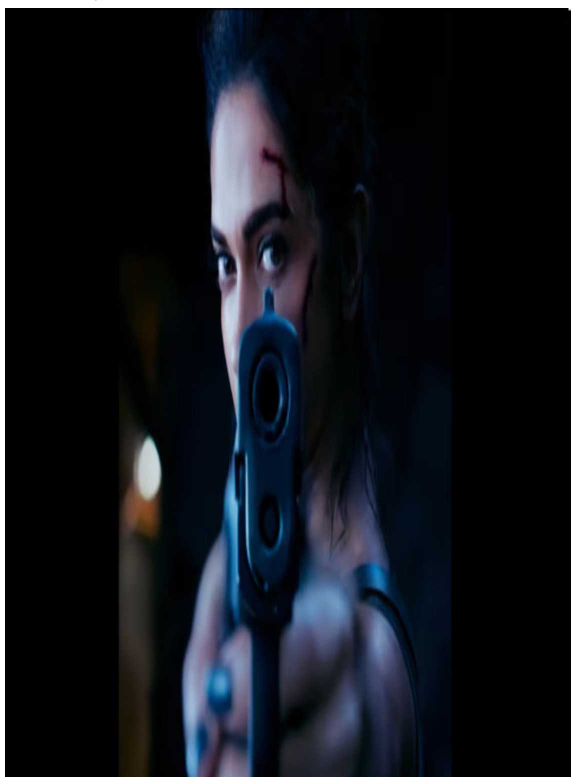

हुए नजर आ रही हैं। बता दें कि सिद्धार्थ आनंद के निर्देशन में बन रही इस फिल्म में दीपिका के अलावा शाहरुख खान और जॉन अब्राहम भी मुख्य भूमिका में हैं। यह फिल्म अगले साल 25 जनवरी को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज होगी। सोशल मीडिया पर मोशन पोस्टर जारी करते हुए दीपिका पादुकोण लिखती हैं, ठटाडा! पठान। 25 जनवरी को हिंदी, तमिल और तेलुगू में रिलीज़ हो रही है।ठ वहीं इस फिल्म में मुख्य भूमिका निभाने वाले अभिनेता शाहरुख खान ने दीपिका पादुकोण का लुक शेयर करते हुए लिखा, ठउसे मारने के लिए गोली की जरूरत नहीं है। पठान में दीपिका पादुकोण की भूमिका के बारे में बात करते हुए, निर्देशक सिद्धार्थ आनंद कहते हैं, ठदीपिका पादुकोण बहुत बड़ी स्टार हैं और 'पठान' में उनकी उपस्थिति हमारी फिल्म को और भी रोमांचक और भव्य बनाती है। आज हम अपने एक्शन थ्रिलर फिल्म से उनकी झलक पेश प्यार और मुस्कान अनंत है। चलिए अब 'पठान' की बात करते हैं। यह फिल्म 25 जनवरी, 2023 को हिंदी, तमिल और तेलुगू भाषा में रिलीज हो रही है।'

लाखों के कर्ज में डूबे थे दीपेश भान, सौम्या टंडन ने कहा- उनकी पत्नी का जो हाल मैंने देखा वो

नई दिल्ली। 'भाबी जी घर पर हैं' फेम अभिनेता दीपेश भान के निधन की खबर ने टीवी जगत के सितारों से लेकर फैंस तक को हैरान कर दिया है। दीपेश भान इस सीरियल में मलखान का किरदार निभाते थे, की पतनी और बेटे की जिंदगी अब टूट कर बिखर गई है। इस बयान के अलावा, सौम्या टंडन ने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जो 'भाबी जी घर पर हैं' के सेट का है। इस वीडियो में सौम्या, दीपेश की खूबसूरत यादें हैं। मैं सब लोगों से ये कहना चाहती हूं कि हमेशा दूसरे लोगों के साथ अच्छा स्वभाव करें। क्योंकि जिंदगी बहुत छोटी है। सिर्फ पल ही पीछे रह जाते हैं इसलिए, दूसरे लोगों के लिए अच्छे

जिसे लोगों द्वारा हमेशा पसंद किया गया। उनके जाने से परिवार के साथ-साथ को-स्टार्स तक सदमे में हैं। सोशल मीडिया के जरिए दीपेश को लोग याद कर भावुक हो रहे हैं। अभिनेत्री सौम्या टंडन दीपेश के निधन के कुछ समय बाद ही उनके घर पहुंच गई थीं। उस बारे में सौम्या ने बताया कि दीपेश भान की पतनी और घरवालों का मैंने जो हाल देखा वो शब्दों में बता नहीं सकती हूं। उनका रो-रोकर बुरा हाल है। अभिनेत्री ने बताया कि ऐसा लग रहा था कि वह कुछ समझने की हालत में नहीं हैं। दीपेश और वैभव माथुर नजर आ रहे हैं और तीनों डांस कर रहे हैं। इस वीडियो में तीनों मस्ती करते दिखाई दे रहे हैं। इस वीडियो के साथ सौम्या ने एक लंबा-चौड़ा कैप्शन दिया है, जिसमें उन्होंने अभिनेता के लिए भावुक कर देने वाली बात लिखी है। सौम्या ने कैप्शन में लिखा, इस प्यारे वीडियो को शेयर करने के लिए शुक्रिया। इसे बनाते समय हम लोगों ने खूब मस्ती की थी। वीडियो को बनाते वक्त मैं दीपेश के साथ कई बार हंसी थी। जिंदगी बहुत ही अप्रत्याशित है। मैं खुशकिस्मत हूं कि मेरे पास दीपेश पल बनाएं। आप नहीं जानते हैं कि दुनिया में कौन कितने समय लिए हैं।'इस कैप्शन के आखिर में अभिनेत्री ने यह भी बताया कि वह दीपेश की पत्नी और बेटे के साथ हमेशा खड़ी रहेंगी। बता दें कि दीपेश भान ने साल 2019 में शादी रचाई थी और उनका एक बेटा भी है। दिवंगत अभिनेता की पत्नी इस इंडस्ट्री से ताल्लुक नहीं रखती। दीपेश ने कुछ समय पहले ही मुंबई में एक घर खरीदा था, जिसके लिए उन्होंने होम लोन किया था और अब दीपेश की पत्नी के सामने लाखों का होम लोन चुनौती बना हुआ है।

रईसी में सबसे आगे हैं रजनीकांत और अक्षय कुमार, नेटवर्थ जान उड़ जाएंगे होश

नई दिल्ली। दक्षिण के सुपरस्टार रजनीकांत और बॉलीवुड के खिलाड़ी कुमार अक्षय कुमार इस वक्त खूब चर्चा में हैं। हालांकि, दोनों सुपरस्टार्स अपने किसी फिल्मी प्रोजेक्ट को लेकर चर्चा में नहीं हैं। इस बार वजह है इनकी रईसी। दरअसल रजनीकांत, तमिलानाडु में सर्वाधिक आयकर अदा करने वाले एक्टर बन गए हैं। वहीं, अभिनेता अक्षय कुमार बॉलीवुड में सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले अभिनेता हैं। हाल ही में इनकम टैक्स डे के मौके पर आयकर विभाग ने दोनों दिग्गज अभिनेताओं को सम्मानित किया है। इसके बाद इनकी अमीरी के चर्चे हैं। हर कोई जानना चाहता है कि आखिर इनकी नेटवर्थ कितनी है और यह एक फिल्म के लिए कितनी कीमत वसूलते हैं। आइए जानते हैं बता दें कि दिग्गज अभिनेता रजनीकांत को फैंस भगवान का दर्जा देते हैं। भले ही रजनीकांत अपनी अमीरी का कोई दिखावा नहीं करते, लेकिन इनके पास कई आलीशान घर और महंगी कारें हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रजनीकांत के पास चेनन्ई के पॉश गार्डन में एक आलीशन घर है। इसकी कीमत करीब 35 करोड़ रुपये हैं। एक्टर के पास कार का अच्छा खासा कलेक्शन है। कई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक इसकी कीमत 20 करोड़ रूपये तक है। सेलिब्रिटी नेटवर्थ पर आई एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक

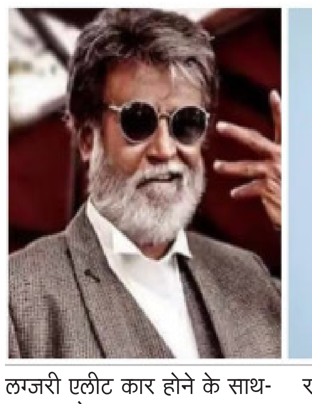

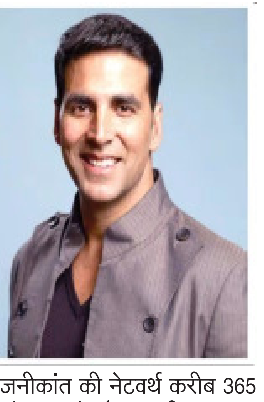

लग्जरी एलीट कार होने के साथ-साथ उनके पास एक कस्टमाइज लीमोजीन है। यूं तो इसकी मार्केट कीमत पांच से छह करोड़ रूपये हैं, लेकिन रजनीकांत ने इसे कस्टमाइज कराया है तो इसकी कीमत करीब 22 करोड़ रूपये है। रजनीकांत के पास करीब 17 करोड़ रुपये कीमत की रॉल्स रॉयस फैंटम कार है। एक्टर के पास 'राघवेंद्र मंडपम' के नाम के एक मैरिज हॉल रजनीकांत की नेटवर्थ करीब 365 करोड़ रुपये है। रजनीकांत एक फिल्म के करीब 55 करोड़ रुपये चार्ज करते है। हाल ही में आयकर विभाग ने एक्टर को सम्मानित किया है। एक्टर की बेटी ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए यह जानकारी दी।अभिनेता अक्षय कुमार भी बॉलीवुड के सबसे ज्यादा टैक्स देने वाले एक्टर बन गए हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आयकर विभाग ने उन्हें एक 'सम्मान पत्र' दिया है।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डा0 दीपक अरोरा द्वारा
रामा प्रिन्टर्स 53/25/1 ए
बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र.) 211002 से मुद्रित
एवं सी-41 यूपी एसआईडीसी
औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
(उ.प्र.) 211010 से प्रकाशित।
सम्पादक/प्रकाशक
डा0 पुनीत अरोरा
मो0न0 09415608710
RNI No. UPHIN/2015/63398
website:www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगे।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य...

नैनी/इलाहाबाद। इलाहाबाद यूपी एवं सीबीएसई बोर्ड से हाई स्कूल इंटरमीडिएट परीक्षाओं में सफल छात्र-छात्राओं के पास अपना भविष्य बनाने का सुनहरा मौका हैं। ऐसे अभ्यर्थी को भविष्य बनाने का मौका नैनी इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टिट्यूट दे रहा है। इसके जरिए बिना अतिरिक्त समय गवाएं आसानी से अपना भविष्य बना सकते हैं। यह चमत्कार होगा व्यावसायिक शिक्षा से। तीनों बोर्ड के परिणाम घोषित हो चुके हैं। इन बोर्ड परीक्षाओं में उत्तीर्ण प्रदेश के तकरीबन छब्बीस लाख विद्यार्थियों के सामने उच्च शिक्षा के साथ अच्छे करियर की भी चिंता है। ऐसे विद्यार्थियों के लिए इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट आईटीआई में चलने वाले कोर्सेज फॉर स्पीड के रूप में सामने आए हैं। धीरे-धीरे यह रोजगार की गारंटी बनते जा रहे हैं इनकी पत्रदाई के बाद सरकारी और निजी संस्थानों में नौकरी के अलावा स्वरोजगार अवसर के साधन है। इसके अलावा आईटीआई में एक लाख से अधिक युवाओं की मांग है इसके विपरीत हर साल मात्र तीस हजार प्रशिक्षित युवा मिल रहे हैं। इसके अलावा इन दिनों हिमाचल रोड ट्रांसपोर्ट समेत कई विभागों में सैकड़ों पदों के लिए आईटीआई पास अभ्यर्थियों से आवेदन मांगे गए हैं। आईटीआई पास अभ्यर्थियों के लिए रेलवे में ढेरों संभावनाएं हैं ऐसे में विशेषज्ञों की सलाह है कि परंपरागत कोर्स के साथ युवा आईटीआई की ओर ध्यान देकर बेहतर कैरियर प्राप्त कर सकते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर तथा पढ़ाई में बहुत अच्छा नहीं करने वाले विद्यार्थियों के लिए भी यह एक बेहतर विकल्प है। औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र के प्रवक्ता **वरुण स्वराज** से हुई खास बातचीत में उन्होंने इसके बारे में विस्तार से जानकारी दी।

पूछे गए सवाल

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र क्या है? इसके बारे में बताएं।

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र जो नैनी आईटीआई के नाम से लोकप्रिय है एवं तर्कणीय तौर पर अपने प्रकार का एक मात्र संस्थान है जो उद्योग सहयोग हेतु भारत सरकार शासनादेश संख्या नंबर डीजीईटी-6/24/78/2008-टी.सी. द्वारा श्रम एवं रोजगार मंत्रालय, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, सूक्ष्म लघु एवं मध्यम उद्योग मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित संस्था नियमानुसार विभिन्न प्रदेश राष्ट्रीय निकायों द्वारा मान्यता प्राप्त है। एनसीवीटी-डीजीटी-नई दिल्ली, एनएसआइसी- नई दिल्ली, एनआईओएस - नई दिल्ली।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में अध्ययन से क्या लाभ है?

उत्तर- वर्तमान परिदृश्य में पाठ्यक्रम आईटीआई द्वारा समय पर परीक्षाएं एवं समय पर परीक्षा परिणाम का अपग्रेडेशन। श्रेष्ठ परीक्षा परिणाम बेहतर प्लेसमेंट सांस्कृतिक एवं अन्य गतिविधियां का सूर गठित आयोजन विद्यार्थियों का संपूर्ण विकास मूल्य एवं गुणवत्ता आधारित शिक्षा, व्यवस्थित एवं सुनियोजित एकेडमिक कैलेंडर, डेडीकेटेड टू एजुकेशन मिशन को पूरा करने के उद्देश्य से संस्थान 9 वर्षों से प्रयासरत है। केंद्र से आज तक 5000 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों को सफलतापूर्वक प्रशिक्षित किया जा चुका है एवं केंद्र द्वारा प्रशिक्षित छात्र छात्राएं इस समय सफलता प्राप्त कर चुके हैं। सफलता पूर्वक प्रशिक्षण पूर्ण करने वाले प्रशिक्षणार्थियों को भारत सरकार द्वारा प्रमाण पत्र दिए जाते हैं जो देश विदेश में सभी जगह मान्य है।

प्रश्न- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र में कौन से पाठ्यक्रम संचालित किए जाते हैं?

उत्तर- कोपा (कम्प्यूटर आपरेटर एण्ड प्रोग्रोमिंग आसिस्टेंट), फीटर, बेसिक कंप्यूटिंग, डाटा एंट्री ऑपरेशन, फायर प्रीवेंशन एंड इंडस्ट्रियल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कंप्यूटर हार्डवेयर एंड मेंटेनेंस इन कंप्यूटर एप्लीकेशन, सीसीए (सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर एप्लीकेशन), इलेक्ट्रिकल टेकिनशियन, रेफ्रिजरेशन एंड एयर कंडीशनिंग, योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सीएनसी प्रोग्रामिंग एंड ऑपरेशन, इलेक्ट्रिशियन, कंप्यूटर टीचर ट्रेनिंग, इत्यादि।

प्रश्न- आपके औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र एवं अन्य प्रशिक्षण केंद्रों में क्या अंतर है?

उत्तर- नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केंद्र अंतर्राष्ट्रीय मानक आई.एस.ओ प्रमाणित है एवं श्रम रोजगार मंत्रालय भारत सरकार द्वारा इसकी स्टार (सितार) ग्रेडिंग की गई है एवं एम.आई.एस.डिफेंस मिनिस्ट्री भारत सरकार द्वारा अधिकृत प्रशिक्षण केंद्र भी नियुक्त किया गया है। अत्यधिक जानकारी के लिए आप फोन भी कर सकते हैं हमारे फोन नंबर इस प्रकार है- 0532-2695959, 9415608710, 9415608783, 9415608790, 7459860480, 7380468640, 6394370734।

आरके अग्रहरि अनुदेशक राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी की प्रवेश विवर्णिका का विमोचन करते हुए।

आकांक्षा वर्मा टीवी एक्ट्रेस नैनी आईटीसी का भ्रमण करते हुए।

स्मृति सिंह मिसेज एशिया पेसिफिक नैनी आईटीसी के छात्रों को साथ।

बोर्ड पास छात्र-छात्राएं चिंता छोड़े बनाएं अपना भविष्य

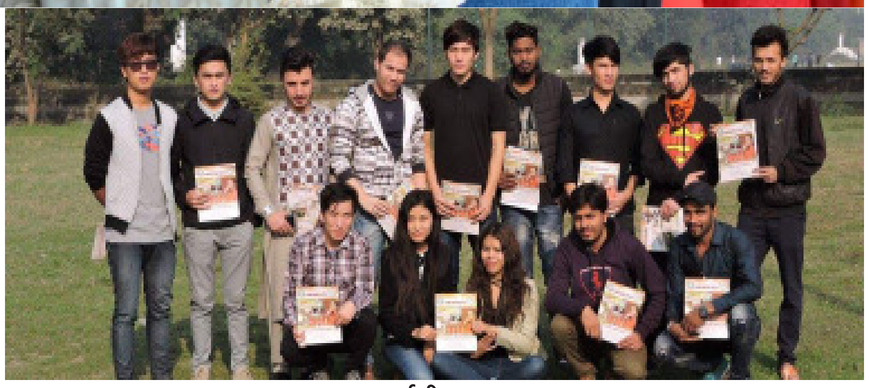

अन्तर्राष्ट्रीय छात्र समूह

एसके गुप्ता प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई नैनी, नैनी आईटीसी के अनुदेशकों से बात करते हुए।

आरके दुबे प्रधानाचार्य राजकीय आईटीआई भदोही नैनी आईटीसी की वेबसाइट का विमोचन करते हुए।

मो. कौशर अनुदेशक नैनी आईटीसी द्वारा राजकीय आईटीआई के समस्त अनुदेशकों नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाये गये मास्क वितरित करते हुए।

नैनी आईटीसी के छात्रों द्वारा बनाया गया मॉडल।

अर्चना सरोज अनुदेशक कोपा ट्रेड राजकीय आईटीआई खागा नैनी आईटीसी के छात्रों को पढ़ाते हुए।

कार्यालय प्रधानाचार्य नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र
(भारत सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त)

सीधे प्रवेश सूचना

नैनी औद्योगिक प्रशिक्षण केन्द्र मे प्रस्तावित व्यवसायो मे अगस्त 2021मे प्रारम्भ होने वाले सत्र मे प्रवेश हेतु इंजीनियरिंग एवं नॉन इंजीनियरिंग प्रशिक्षण कोर्स कोपा, फिटर, बेसिक कम्प्यूटिंग, डाटा एन्ट्री ऑपरेशंस, फायर प्रीवेन्शन एण्ड इण्डस्ट्रीयल सेफ्टी, सिक्योरिटी सर्विस, कम्प्यूटर हार्डवेयर असेंबली एण्ड मेनटेनेन्स, सर्टिफिकेट इनक म्प्यूटर एप्लीकेसन (सी०सी०ए०), इलेक्ट्रिकल टेक्निशियन, रेफ्रिजरेशन एण्ड एयर कण्डिशनिंग,योगा असिस्टेंट, वेल्डिंग टेक्नोलॉजी, सी०एन०सी० प्रोग्रामिंग एण्ड ऑपरेशन, इलेक्ट्रीशियन, कम्प्यूटर टीचर ट्रेनिंग कोर्स के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण है।

ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया के लिए हमारी वेबसाईट www.nainiiti.com पर जाकर Student's Zone → Online Form → Choose Course → Apply Now पर अपने व्यवसाय कोर्स का चयन कर अपना प्रवेश सुनिश्चित करें।

ऑफलाइन आवेदन प्रक्रिया :– इस प्रक्रिया मे प्रशिक्षार्थी अपनी शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र, आधार कार्ड एवं 4 पासपोर्ट साइज फोटोग्राफ के साथ प्रवेश कार्यालय मे सम्पर्क करे।

नोट-: प्रवेश प्राप्त करने की अन्तिम तिथि 30 अप्रैल 2021 है।

अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए
visit us at : www.nainiiti.com

प्रवेश कार्यालय :- तुल्सीयानी प्लाजा तीसरी मंजिल, एम.जी. मार्ग, सिविल लाइन्स, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।

फोन करे :- 0532-2695959, 9415608710, 6394370734, 7355448437, 6386474074, 6306080178, 9026359274